@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 31 मार्च 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 139 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की 2 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

चंडीगढ़, 30 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लाडवा हल्का में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की 2 बड़ी परियोजनाओं पर प्रदेश सरकार की तरफ से 4 करोड़ 48 लाख रुपए की राशि का बजट खर्च किया जाएगा। इन परियोजनाओं से लाडवा के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोगों को फायदा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने लाडवा आईजीएन कॉलेज में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की 4 करोड़ 48 लाख रुपए के बजट की दो परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें राक्षी नदी पर तीन पुलियों की जगह पक्के पुलों का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर एक करोड़ 35 लाख 72 हजार रुपए का बजट खर्च किया जाएगा। दूसरी परियोजना के तहत राक्षी नदी के 2 हजार 200 फीट लंबाई क्षेत्र का आरसीसी ट्रफ से निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया । इस परियोजना पर 3 करोड़ 12 लाख 25 हजार रुपए का बजट खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद लाडवा शहर की आबादी क्षेत्र व फसलों को नुकसान नहीं होगा। इसलिए लाडवा शहर और इसके आस-पास के डेरों व कालोनियों के हजारों नागरिकों की सुरक्षा, सम्पत्ति व फसलों को बचाने के लिए इन योजनाओं को तैयार किया गया है। इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच आदि उपस्थित थे।

जहां सेवा कार्य, वहीं स्वयंसेवक: प्रधानमंत्री मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नागपुर, 30 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और इसके स्वयंसेवकों को जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है। ये अक्षय वट आज भारतीय संस्कृति को... हमारे राष्ट्र की चेतना को निरंतर ऊर्जावान बना रहा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जहां भी सेवा कार्य किया जा रहा है, वहां स्वयंसेवक हैं। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र यज्ञ के इस पावन अनुष्ठान में मुझे आज यहां आने का सौभाग्य मिला है। आज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का ये दिन बहुत विशेष है। आज से नवरात्रि का पवित्र पर्व शुरू हो रहा है। देश के अलग अलग कोनों में आज गुड़ी पड़वा, उगादी और नवरेह त्योहार भी मनाया जा रहा है। आज भगवान झूलेलाल जी और गुरु अंगद देव जी का अवतरण दिवस भी है। ये हमारे प्रेरणापुंज परम पूज्यनीय डॉ साहब की जयंती का भी अवसर है। इसी साल आरएसएस की गौरवशाली यात्रा का 100 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। आज इस अवसर पर मुझे स्मृति मंदिर जाकर पूज्य डॉ. साहब और पूज्य गुरुजी को श्रद्धांजिल अर्पित करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि अगले ही महीने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती भी है। आज मैं दीक्षाभूमि पर बाबा साहेब को नमन किया है और उनका आशीर्वाद भी लिया है। मैं इन विभूतियों को नमन करते हुए देशवासियों को नवरात्रि और सभी पर्वों की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, लाल किले से मैंने सबके प्रयास की बात कही थी। आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश जिस तरह काम कर रहा है, माधव नेत्रालय उन प्रयासों को बढ़ा रहा है। देश के सभी नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें यह हमारी प्राथमिकता है। देश में गरीब से गरीब व्यक्ति को भी अच्छे से अच्छा इलाज मिले, कोई भी देशवासी जीवन जीने की गरिमा से वंचित ना रहे, अपना जीवन देश के लिए दे चुके बुजुर्गों को इलाज की चिंता सताती ना रहे, यह सरकार की नीति है। इसलिए आयुष्मान भारत के कारण आज करोड़ों लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। बीते 10 साल में गांवों में लाखों आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। जहां से लोगों को देश के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों से टेलीमेडिसिन से कंसल्टेशन मिलता है, प्राथमिक इलाज मिलता है और आगे के लिए सहायता होती है। उन्हें रोगों की जांच के लिए सैकड़ों किलोमीटर दूर नहीं जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि संघ सेवा के इस पवित्र तीर्थ नागपुर में आज हम एक पून्य संकल्प के सेवा विस्तार के साक्षी बन रहे हैं। अभी हमने माधव नेत्रालय के कुल गीत में सुना, अध्यात्म, ज्ञान, गौरव गुरुता का ये अद्भुत विद्यालय है, मानवतारत है ये सेवा मंदिर कण कण में देवालय है। माधव नेत्रालय एक ऐसा संस्थान है जो अनेक दशकों से पूज्य गुरूजी के आदर्शों पर लाखों लोगों की सेवा कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि हम अपने देश का इतिहास देखें तो सैकड़ों वर्षों की गुलामी, इतने आक्रमण, भारत की सामाजिक संरचना को मिटाने की इतनी क्रूर कोशिशें, लेकिन भारत की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई, उसकी लौ जलती रही। कठिन से कठिन दौर में भी भारत में चेतना को जागृत रखने वाले नए-नए सामाजिक आंदोलन होते रहे। भक्ति आंदोलन का उदाहरण हम सभी को पता है। मध्यकाल के उस कठिन कालखंड में हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से हमारी राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी। उन्होंने कहा कि हमारा शरीर परोपकार के लिए ही है, सेवा के लिए ही है और जब ये सेवा संस्कारों में आ जाती है तो सेवा ही साधना बन जाती है। यही साधना तो हरेक स्वयंसेवक की प्राणवायु होती है।

सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर फरिश्ते योजना को बंद करने का लगाया आरोप

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 30 मार्च। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने भाजपा सरकार पर केजरीवाल सरकार द्वारा शुरू की गई फरिश्ते योजना को बंद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने रविवार को पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह योजना सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल उपचार दिलाने के लिए थी, जिसके तहत प्राइवेट अस्पतालों में मुफ्त इलाज का खर्च दिल्ली सरकार उठाती थी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 2017 से 2021 तक इस योजना के तहत लगभग 10,000 लोगों की जान बचाई गई। उन्होंने भाजपा सरकार के फैसले को अकल्पनीय बताते हुए कहा कि लोगों की जान बचाने वाली योजना को कोई राक्षस प्रवृत्ति का व्यक्ति ही बंद कर सकता है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2023 में भी उपराज्यपाल के अधीन अधिकारियों ने इस योजना का फंड रोकने की कोशिश की थी, जिसे बाद में सुप्रीम

कोर्ट के हस्तक्षेप से शुरू कराया गया था। भारद्वाज ने कहा कि अब दिल्ली की भाजपा सरकार ने इस योजना को पूरी तरह से बंद कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि गोल्डन आवर (दुर्घटना के पहले घंटे) में इलाज मिलना जीवन बचाने में अहम भूमिका निभाता है और फरिश्ते योजना इसी मकसद से शुरू की गई थी। भारद्वाज ने दिल्ली के मतदाताओं को चेताते हुए कहा कि दुर्घटना यह नहीं देखती कि पीड़ित भाजपा, कांग्रेस या आप का समर्थक है। यह किसी के भी साथ हो सकती है। उन्होंने फरिश्ते योजना से लाभान्वित लोगों के वीडियो भी दिखाए गए। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आम आदमी पार्टी की जनकल्याणकारी योजनाओं को खत्म करने में लगी हुई है।

पर्यावरण-केंद्रित नजरिया अपनाने वाला भारत दुनिया का पहला देश: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 30 मार्च। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने रविवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के क्षेत्र में भारत पहला देश है, जिसने मानव-केंद्रित (एंथ्रोपोसेन्ट्रिक) सोच से हटकर पर्यावरण-केंद्रित (इको-सेंट्रिक) दृष्टिकोण अपनाया। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा विज्ञान भवन में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की तरफ से आयोजित दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एनवायरनमेंट-2025 के समापन सत्र में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि थे। मानव-केंद्रित सोच में पर्यावरण को सिर्फ मनुष्यों की जरूरतों के हिसाब से देखा जाता है, जबकि पर्यावरण-केंद्रित सोच प्रकृति को खुद के लिए मूल्यवान मानती है, न कि सिर्फ इंसानों के उपयोग के लिए। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि भारत की संस्कृति हमेशा से ही पर्यावरण को जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानती रही है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार उनकी इस दलील को स्वीकार किया कि पर्यावरण को केवल मानव-हित के नजरिए से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर हम अपनी जड़ों की ओर लौटें और हमारे पारंपरिक सरल उपायों को अपनाएं, तो पश्चिमी दुनिया द्वारा पर्यावरण पर थोपे गए विचारों से बाहर निकलकर अपने मौलिक और व्यावहारिक विचारों से धरती को उसकी प्राकृतिक अवस्था में बहाल कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार पर्यावरण से जुड़े गंभीर मुद्दों को हल करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

दृष्टिहीनों की सेवा से बड़ा कोई दिव्य कार्य नहीं: फडणवीस

सौरभ शर्मा

नागपुर, 30 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि दृष्टिहीनों को दृष्टि देने से बड़ा कोई दिव्य कार्य नहीं है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं की दृष्टिहीनों के लिए स्वयंसेवा करने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही कहा कि माधव नेत्रालय नेत्र रोगों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण संस्थान बनकर उभरेगा। फडणवीस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महाराष्ट्र के नागपुर में माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखने के बाद बोल रहे थे। सीएम फडणवीस ने एक सभा को संबोधित करते हुए खुशी जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माधव नेत्रालय की आधारशिला रखी, जो नागपुर में माधव नेत्रालय नेत्र संस्थान और अनुसंधान का विस्तार केंद्र है। उन्होंने कहा, दृष्टिहीनों को दृष्टि देना सबसे बड़ा दिव्य कार्य है, और यह कार्य संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पिछले 30 वर्षों से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि माधव नेत्रालय न केवल विदर्भ और महाराष्ट्र, बल्कि पूरे मध्य भारत के लिए नेत्र रोगों के इलाज का एक महत्वपूर्ण संस्थान बनकर उभरेगा। उन्होंने बताया कि माधव नेत्रालय ने कई लोगों के जीवन को रोशन करने का काम किया है। देश में इस तरह के संस्थान का होना बहुत आवश्यक है। माधव नेत्रालय एक नेत्र संस्थान और अनुसंधान केंद्र है, जिसका उद्देश्य उत्कृष्टता, सटीकता और नवाचार के साथ विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। इसमें अनुभवी नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्टोमेट्रिस्ट, नर्स और सहायक स्टाफ की पूरी टीम है। इसके अलावा, यह सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित करता है। मानव नेत्रालय केंद्र में कॉर्निया, अपवर्तक सर्जरी, लैसिक, रेटिनल विट्रियस, ग्लूकोमा, मोतियाबिंद सर्जरी, बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान, नेत्र प्रतिरक्षा विज्ञान, यूवाइटिस, ओकुलोप्लास्टी, ऑन्कोलॉजी और कम दृष्टि सेवाओं सहित विभिन्न विभाग होंगे। इसके अलावा, लोग नेत्रदान के लिए पंजीकरण भी करा सकते हैं और स्वयंसेवक के रूप में काम कर सकते हैं। अस्पताल प्रतिदिन सुबह 9 बजे खुलेगा और शाम 8 बजे बंद होगा। माधव नेत्रालय की आधारशिला रखने के मौके पर पीएम मोदी के साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत अन्य नेता मौजूद थे।

समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखने-परखने के बाद स्वीकार किया: भागवत

तेजिन्दर कौर बब्बर

नागपुर, 30 मार्च। महाराष्ट्र के नागपुर में एक सभा को संबोधित करते समय संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की लंबी यात्रा के दौरान समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखा, परखा उसके बाद स्वीकार किया है। इसी का नतीजा है कि तमाम बाधाओं को दूर करते हुए अब स्थिति अनुकूल है और स्वयंसेवक लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भागवत ने कहा कि संघ के दर्शन में कहा जाता है कि आत्म-विकास पर एक घंटा, जबकि समाज के विकास पर 23 घंटे खर्च करना चाहिए। यही संघ का नजरिया है और आरएसएस के तमाम प्रयास इसी सिद्धांत से प्रेरित हैं। संघ प्रमुख भागवत ने जब यह बात कही, उस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। पीएम की मौजूदगी में भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक अपने लिए कुछ नहीं मानते, वे सिर्फ सेवा करते रहते हैं। बता दें कि इसी साल सितंबर में संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने वाले हैं। संघ की लंबी यात्रा को रेखांकित करते हुए भागवत ने कहा कि देश ने संघ के स्वयंसेवकों का काम देखा है, इसके बाद उन्हें स्वीकार किया गया है। भागवत से पहले पीएम मोदी ने भी भारत में संघ की भूमिका को रेखांकित किया। नागपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखने के बाद कहा कि आज भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। आज भारत का युवा विश्वास से भरा हुआ है। राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत हमारे युवा आगे बढ़े चले जा रहे हैं। यही युवा 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ध्वजा थामे हुए हैं। गौरतलब है कि राजनीतिक जीवन की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री अपनी युवावस्था में खुद भी संघ के स्वयंसेवक रह चुके हैं। आज उन्होंने इस कार्यक्रम में संघ की अहमियत का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब प्रयासों के दौरान मैं नहीं हम का ध्यान होता है, जब राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि होती है, जब नीतियों में, निर्णयों में देश के लोगों का हित ही सबसे बड़ा होता है, तो सर्वत्र उसका प्रभाव भी नजर आता है। आज हम देख रहे हैं कि भारत कैसे गुलामी की मानसिकता को तोड़ कर आगे बढ़ रहा है।

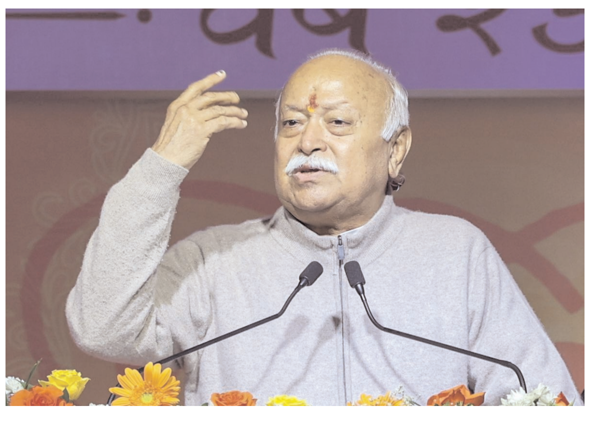

कांग्रेस ने शुरू किया संपत्तियों का दस्तावेजीकरण: आशीष साहा

अगरतला, 30 मार्च। त्रिपुरा में कांग्रेस ने अपनी संपत्तियों के दस्तावेजीकरण का काम शुरू कर दिया है। दस्तावेजीकरण का काम पूरा होने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (द्ब्रष्ट) के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने रविवार को बताया कि द्ब्रष्ट के निर्देश पर यह प्रक्रिया शुरू की गई है। साहा की यह टिप्पणी हाल ही में दिल्ली में हुई एक संगठनात्मक बैठक में भाग लेने के बाद आई है। त्रिपुरा कांग्रेस अध्यक्ष साहा ने कहा कि टीपीसीसी के पास उपलब्ध एक आंशिक रिपोर्ट द्ब्रष्ट को सौंप दी गई है। शेष पार्टी कार्यालय संपत्तियों की सूची अगले 30 दिनों में दिल्ली भेजी जाएगी। आशीष साहा ने कहा कि पार्टी तीन दशक से अधिक समय से सत्ता से बाहर है। 100 से अधिक पार्टी कार्यालयों पर या तो अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, या उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया है। विरोधी राजनीतिक दलों ने पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई है। उन्होंने कहा, दक्षिण त्रिपुरा के सबरूम में दो मंजिला कांग्रेस भवन को आग लगा दी गई। सिपाहीजाला जिले के बिशालगढ़ में भी कांग्रेस भवन तीन बार फूंक दिया गया। इसके अलावा, कई पार्टी कार्यालयों पर भाजपा समर्थित लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया। त्रिपुरा कांग्रेस अध्यक्ष ने शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ हुई बैठक के बारे में बताया। साहा ने कहा कि राहुल गांधी भाजपा शासन के दौरान पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और पार्टी कार्यालयों पर हुए हमलों को लेकर चिंतित हैं। बैठक के दौरान सभी जिला अध्यक्षों को अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले पार्टी कार्यालयों पर जल्द से जल्द स्थिति रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। पिछले छह वर्षों के दौरान त्रिपुरा में कई पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई है।

अमित शाह के बयान पर तेजस्वी यादव ने उठाये सवाल

पटना, 30 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत बिहार आये और चार विभागों की 823 करो ? की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने चीनी मिल को फिर से शुरू करने की भी घोषणा की। योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लालू प्रसाद यादव और राब ?ी देवी पर जमकर बोले। उन्होंने यहां तक कह दिया कि राष्ट्रीय जनता दल के शासन काल में यानी लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के मुख्यमंत्री काल में अपहरण, हत्या, लूट और नरसंहार होता था। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की

वजह से बिहार का नाम बदनाम हुआ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार में जंगलराज है अब ये नहीं कहा जा सकता, क्यों कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार को 10 साल में देश के 60 करोड़ गरीबों के लिए काम किया है, लालू प्रसाद ने बिहार के विकास के लिए क्या किया है? उन्होंने बिहार को सिर्फ जंगलराज दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर जवाबी फायर करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि जब चुनाव आता है तब लोग बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद वह जुमला हो जाता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर वह कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को पैसा दिया है तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि उन्होंने कहाँ-कहाँ और किस-किस मद में किस सेक्टर को कितना रुपया दिया। उनको लोगों को विवरणी बतानी चाहिए। चुनाव आता है तब ये लोग घोषणाएं करते हैं, लेकिन पिछले 20 सालों में इनलोगों ने क्या किया उसकी गिनती इन्होने नहीं बताई। लालू जी को गाली देना तो लोगों का फैशन है। उससे कोई फर्क प ?ने वाला नहीं है। ये लोग झूठ बोलने आये हैं, झूठ बोलेंगे, ठगने का प्रयास करेंगे, जुमलेबाजी करेंगे फिर इनका काम वापस हो जायेगा। फिर जहां चुनाव होगा वहां वापस चले जाएंगे।

सांसद अरुण गोविल ने जेल में मुस्कान और साहिल को दी रामायण

नरेश मल्होत्रा

मेरठ, 30 मार्च। मेरठ के सांसद अरुण गोविल ने घर-घर रामायण अभियान के अंतर्गत रविवार को जिला कारागार में बंदियों को रामायण वितरित की। इस दौरान सांसद ने सौरभ हत्याकांड के आरोपी साहिल और मुस्कान को भी रामायण भेंट की। दोनों ने रामायण को पढ़ने और उस पर अमल करने की बात कही। सांसद अरुण गोविल रविवार को चौधरी चरण सिंह कारागार में रामायण वितरण करने के लिए पहुंचे। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने सांसद का स्वागत किया। इस दौरान सांसद ने जेल में 1500 रामायण बांटीं। इस दौरान वहां मौजूद बंदी भाव-विभोर हो गए और जेल परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। बंदियों ने सांसद के चरण स्पर्श किए। कई बंदियों की आंखों में आंसू छलक पड़े। बंदियों ने कहा कि बचपन में हमने श्रीराम का चरित्र रामायण सीरियल में देखा था, लेकिन आज वही राम हमारे सामने खड़े हैं। जब भी हम श्रीराम के बारे में सोचते हैं, तो हमारे मन में अरुण गोविल का ही चित्र आता है। इस दौरान जेल में बंद मुस्कान और साहिल को भी सांसद ने रामायण भेंट की। बताया गया कि दोनों ने रामायण को पढ़ने और उस पर अमल करने की बात कही। सांसद ने कहा कि आज एक विशेष दिन है। यह हिंदू नववर्ष एवं नव संवत्सर की शुरुआत का पावन दिन है। आज के दिन आपको यह रामायण दी जा रही है। रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की सीख देने वाला ग्रंथ है। इस ग्रंथ को पढ़कर आपको यह समझ आएगा कि सत्य, धर्म, मर्यादा और कर्तव्य का पालन कैसे किया जाए। आज से आप सब यह प्रण करें कि जब आप इस जेल से बाहर निकलें, तो कभी भी दोबारा यहां लौटकर न आएं। किसी भी गलत कार्य को करने से पहले अपने परिवार, माता-पिता, पत्नी और बच्चों के बारे में सोचें। कई बंदियों ने कहा कि हम रामायण पढ़कर अपने जीवन को बदलने की कोशिश करेंगे। हमने जीवन में जो गलतियां की हैं, उन्हें सुधारने का प्रयास करेंगे। कैदियों ने रामायण को स्वेच्छा से स्वीकार किया और सांसद अरुण गोविल का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम ने जेल के भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा भर दी और कई कैदियों ने आत्म-सुधार का संकल्प लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा, जेलर केके दीक्षित, अवनीश कुमार, अमर सिंह, क्षमा शर्मा, सांसद प्रतिनिधि दीपक गुप्ता, सनी गुप्ता, मीडिया प्रभारी अमित शर्मा आदि मौजूद रहे।

ब्रह्मांड की वैश्विक समझ में भारत ने हमेशा दिया अहम योगदान, पूर्व इसरो प्रमुख सोमनाथ

अहमदाबाद, 30 मार्च। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख एस. सोमनाथ ने शनिवार को कहा कि भारत हमेशा से एक महान देश रहा है, जिसने वेदों से लकर आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति तक ब्रह्मांड की वैश्विक समझ में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके लिए उन्होंने प्राचीन ग्रंथों महासलिल और सूर्य सिद्धांत का हवाला दिया। सोमनाथ भारतीय प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद के 60वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अनुसंधान संस्थानों, शिक्षा जगत और उद्योगों के बीच मजबूत संबंध की जरूरत पर जोर दिया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह अब भी एक दूर का सपना बना हुआ है। सोमनाथ ने कहा, मैं भारत की समृद्ध और गौरवशाली ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालना चाहता हूं, जो फिर से सामने आ रही है। वेदों से लेकर आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति तक भारत हमेशा से ब्रह्मांड की वैश्विक समझ में योगदान देने वाला एक महान देश रहा है। उन्होंने कहा, विज्ञान और अन्य मानव ज्ञान ने इस क्षेत्र में काफी प्रगति की, जो दुनिया का पहला ज्ञान का स्रोत बना। खगोलशास्त्र, भूगोल, गणित, धातुकर्म और दर्शन में वैज्ञानिक समझ प्रदान करने में यह उस समय अन्य स्थानों से काफी आगे था। सोमनाथ ने कहा, महासलिल वैज्ञानिक दृष्टि से सृष्टि की उत्पत्ति को सुंदर तरीके से पेश करता है। यह ब्रह्मांड की उत्पत्ति के आदिम स्रोत पर आधारित एक संस्कृत ग्रंथ है। उन्होंने आगे कहा, सूर्य सिद्धांतों में ग्रहों की गति, कक्षाएं आदि का विस्तार से वर्णन है, जिससे मैं गहराई से जुड़ा हूं।

वेनेजुएला सरकार ने अमेरिका से 229 प्रवासियों की वापसी की घोषणा की

काराकास। वेनेजुएला सरकार ने घोषणा की कि 229 वेनेजुएला प्रवासी रविवार को अमेरिका से वापस लौटेंगे। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष और अमेरिका के साथ मुख्य वार्ताकार जॉर्ज रोड्रिग्ज ने एक बयान में कहा, कल, अमेरिका से साथी वेनेजुएलावासियों को लेकर आने वाली उड़ान के साथ स्वदेश वापसी योजना फिर से शुरू होगी। बयान में 229 भाइयों और बहनों की वापसी की पुष्टि की गई।

रोड्रिग्ज ने कहा कि उड़ान 30 मार्च को दोपहर के आसपास साइमन बोलिवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने वाली है।

पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य अभियान में 10 लोग मारे गए

इस्लामाबाद। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सैन्य अभियान में कम से कम 10 लोग मारे गए। एक सुरक्षा सूत्र ने ने यह जानकारी दी। सुरक्षा सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रांत के मर्दन जिले के बाबूजई इलाके में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया। क्षेत्र के कटलांग पर्वत श्रृंखला में तीन अलग-अलग स्थानों पर आतंकवादियों के ठिकानों के खिलाफ अभियान चलाया गया। सूत्र ने बताया कि अभियान के दौरान भीषण गोलीबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 10 लोग हताहत हुए। उन्होंने बताया कि अभियान के बड़े दायरे के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मारे गए लोगों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, क्योंकि अभियान के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

नॉर्वे में चाकू से किए गए हमले में चार लोग घायल

ओस्लो । नॉर्वे के ट्रॉनहेम में चाकू से किए गए हमले में चार लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। पुलिस ने पुष्टि की है कि हमलावर ने अकेले ही हमला किया और अब उसे हिरासत में ले लिया गया है। जांच जारी रहने तक इलाके को सील कर दिया गया है।

मेलबर्न में चोरी की कार से टकराने से दो किशोरों की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के प्रांत विक्टोरिया की पुलिस ने रविवार को बताया कि दक्षिण-पूर्व मेलबर्न में एक चोरी की कार के पेड़ से टकराने से दो किशोरों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक वाहन चालक ने रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 02:30 बजे के बाद सेंट्रल मेलबर्न से 28 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में रोविले में हुयी, दुर्घटनास्थल का पता लगाया और अधिकारियों को सूचित किया। आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर पहुंचीं, जहां वाहन में सवार दो किशोरों को मृत पाया गया, जिनकी अभी तक औपचारिक रूप से पहचान नहीं हो पाई है।

मैक्रॉ ने की लेबनान को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमलों की निंदा

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर इजरायल के हवाई हमलों को 'अस्वीकार्य' और संघर्षविराम का उल्लंघन बताया। श्री मैक्रॉ ने पेरिस में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान कहा,ये हमले एकतरफा कार्रवाई हैं जो पूर्व प्रतिबद्धता को तोड़ते हैं। वह बमबारी से टूटे हुए चार महीने के संघर्ष विराम का जिक्र कर रहे थे। यह संघर्षविराम लागू होने के बाद से बेरूत पर इजरायल का पहला आक्रमण था। वहीं, इजरायली सेना ने कहा कि यह हमला लेबनान से इजरायल की ओर रॉकेट हमलों के जवाब में था, जो सीमा पर तनाव बढ़ने का संकेत है।

ऑस्ट्रेलिया के सुदूर इलाकों में बाढ़, लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया

एजेंसी

सिडनी । उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में भारी बाढ़ आई है और इस स्थिति में लोगों को हवाई जहाज से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। रिकॉर्ड तोड़ बारिश के कारण क्वींसलैंड राज्य के बाहरी इलाकों में ब्रिस्बेन से 1,000 किलोमीटर पश्चिम में स्थित कई छोटे शहरों में 100 से ज्यादा घर बाढ़ में डूब गए हैं। मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने एक महत्वपूर्ण बाढ़ चेतावनी जारी की। इसमें बताया गया कि उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के इस क्षेत्र में बाढ़ का जलस्तर 1974 के रिकॉर्ड को पार कर चुका है। बाढ़ के कारण सड़क मार्ग से संपर्क टूट जाने के बाद, अडावले और जुंडाह के छोटे शहरों के लोग और कई दूरदराज के इलाके के लोग हवाई जहाज से सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए। मवेशीपालक ज्योफ लॉयड उनके घर से हवाई जहाज से निकाला गया था। उन्होंने नाइन नेटवर्क को बताया

कि इस क्षेत्र में होने वाला नुकसान ÷भयावह÷ है। उन्होंने कहा, मैं 30 सालों से उस नदी पर नाव चलाता और रहता हूं, और यह ऐसा हालात हैं जो हमने कभी नहीं देखे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह क्षेत्र ऑस्ट्रेलिया के सबसे महत्वपूर्ण पशुपालन क्षेत्रों में से एक है। लॉयड ने कहा कि स्थानीय हेलीकॉप्टर पायलट लोगों और मवेशियों की जान बचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे, लेकिन उनके पास विमानन ईंधन की कमी हो रही थी। ब्रिस्बेन में आम चुनाव अभियान के दौरान बोलते हुए प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित मवेशियों के लिए हवाई मार्ग से चारा गिराने के लिए संघीय और राज्य सरकारों ने 2.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (1.57 मिलियन डॉलर) की राशि आवंटित की है। उन्होंने कहा, ÷हम ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल सहित जो भी संसाधन उपलब्ध होंगे, उनका उपयोग करेंगे, यह संभव है कि वे कुछ कार्यों में सहायता करें। शनिवार सुबह तक, क्षेत्र की आठ नदियों और दो खाड़ियों के लिए बड़ी बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी थी। प्रभावित क्षेत्र के लोगों से हवाई मार्ग से निकासी की व्यवस्था करने के लिए अधिकारियों से संपर्क करने का आग्रह किया गया है।

म्यांमार में भूकंप : चीनी राष्ट्रपति ने संवेदना जताई और सहायता का आश्वासन दिया

एजेंसी

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने म्यांमार में आए भीषण भूकंप पर वहां के नेता मिन आंग ह्लाइंग को संवेदना संदेश भेजा। राष्ट्रपति शी ने कहा कि उन्हें यह खबर सुनकर गहरा आश्चर्य हुआ। वे चीन सरकार और चीनी जनता की ओर से पीड़ितों के प्रति संवेदना प्रकट करते हैं। उन्होंने प्रभावित परिवारों, घायलों और आपदा ग्रस्त क्षेत्रों के लोगों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त की।

राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने यह भी कहा कि चीन और म्यांमार एक साझा भविष्य वाले समुदाय हैं और इस कठिन समय में चीन, म्यांमार के साथ खड़ा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि चीन जरूरत के मुताबिक हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है, ताकि आपदा प्रभावित लोग जल्द से जल्द सामान्य जीवन में लौट सकें

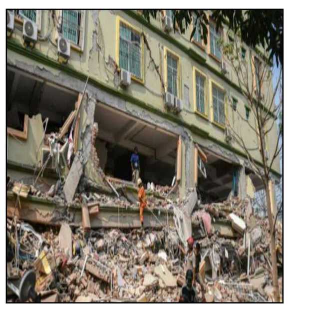

और अपने घरों का पुनर्निर्माण कर सकें। चीनी प्रधानमंत्री ली छ्यांग ने भी म्यांमार के नेता मिन आंग ह्लाइंग को संवेदना संदेश भेजा और पीड़ितों के प्रति गहरी सहानुभूति व्यक्त की।

भूकंप का कहर : म्यांमार में 1600 से ज्यादा मौतें

एजेंसी

बर्मा। म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप, 1600 से ज्यादा की मौत, अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील म्यांमार। यहां आए भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। 7.7 तीव्रता के इस झटके से अब तक 1600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। भूकंप का असर थाईलैंड तक महसूस किया गया, जहां एक बहुमंजिला इमारत गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। अब भी 50 लोग लापता हैं, जिनकी तलाश में राहतकर्मी जुटे हुए हैं।

म्यांमार के मांडले शहर में भी हालात गंभीर बने हुए हैं। वहां 90 से ज्यादा लोग ध्वस्त इमारतों के मलबे में दबे होने की आशंका है। रेड क्रॉस और अन्य राहत संगठनों ने युद्धस्तर पर बचाव अभियान शुरू कर दिया है। म्यांमार के सैन्य शासन ने

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की अपील की है ताकि राहत और पुनर्वास कार्य तेज किया जा सके। बचाव दल लगातार मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन संचार और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण राहत कार्य में कई चुनौतियां आ रही हैं।

म्यांमार में विनाशकारी भूकंप: दक्षिण कोरिया का 20 लाख डॉलर की मानवीय सहायता का ऐलान

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया ने विनाशकारी भूकंप से प्रभावित म्यांमार के लोगों की मदद के लिए 20 लाख डॉलर की सहायता देने की योजना बनाई। सोल के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, हमने म्यांमार में भूकंप से हुई क्षति की जल्द भरपाई के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन के जरिए 20 लाख डॉलर की मदद देने का फैसला किया है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने कहा कि वह म्यांमार की स्थिति के आधार पर, अगर जरूरत पड़ी तो और मदद देने पर विचार करेगा। सागाइंग के पास आए इस भूकंप के बाद 2.8 से 7.5 तीव्रता के 12 बाद के झटके महसूस किए गए, जिससे प्रभावित इलाकों की स्थिति और भी खराब हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, तबाही बहुत बड़ी है और मांडले, बागो, मैगवे, उत्तर-पूर्वी शान राज्य, सागाइंग और ने-पी-ताव सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके हैं। म्यांमार सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया है। आपातकालीन टीमें जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए लगातार काम कर रही हैं। यांगून-मांडले राजमार्ग, जो एक महत्वपूर्ण परिवहन मार्ग है, नेपीता और मांडले के पास बुरी तरह से टूट गया है, जिससे राहत कार्यों में मुश्किलें आ रही हैं। भूकंप प्रभावित इलाकों में पहुंचने और बचाव कार्य में मदद के लिए लोगों ने पुराने यांगून-मांडले मार्ग का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा, मांडले एयरपोर्ट और राजमार्ग के कुछ हिस्सों में इमारतें गिरने से यांगून

और मांडले के बीच यात्रा और भी मुश्किल हो गई है। निचले म्यांमार से अग्निशमन सेवा कर्मियों सहित बचाव दल नेपी ताव और मांडले जैसे बुरी तरह प्रभावित इलाकों में पहुंच गए हैं। हालांकि, टूटी-फूटी सड़कें, बिजली की कटौती और फोन और इंटरनेट सेवाओं में दिक्कतों ने राहत कार्यों को और मुश्किल बना दिया है।

बलूचिस्तान में पाक सरकार के खिलाफ आयोजित में रैली में विस्फोट, 6 घायल

एजेंसी

बलूचिस्तान । बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले में की बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) की रैली में हुए आत्मघाती विस्फोट में कम से कम छह लोग घायल हो गए। पार्टी ने आरोप लगाया कि यह पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ उनके विरोध को दबाने का एक असफल प्रयासथा। इस बीच, बीएनपी के 250 से अधिक कार्यकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया गया, जो बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं की अवैध हिरासत के खिलाफ क्वेटा तक शांतिपूर्ण लंबे मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। बता दें पुलिस ने महरंग बलूच और सम्मी दीन बलूच सहित कई बीवाईसी नेताओं को हाल ही में गिरफ्तार किया है। धमाके की निंदा करते हुए

बीएनपी प्रमुख अख्तार मेंगल ने एक्स पर लिखा, हमारे विरोध को एक बार फिर नाकाम बनाने का असफल प्रयास। अल्हमदुल्लाह, मैं सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सुरक्षित हूं। विस्फोट में कई लोग घायल हो गए, जिनमें हमलावर का पीछा करने वाले लोग भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। उनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने स्थानीय मीडिया को बताया कि हमलावर अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल पर आया था।अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे पहले दिन में, बीएनपी ने संघीय सरकार की आलोचना की थी क्योंकि उन्होंने वाध से क्वेटा तक शांतिपूर्ण मार्च शुरू करने के दौरान कंटेनर रखे और प्रमुख प्रवेश बिंदुओं को अवरुद्ध कर दिया था। मेंगल ने कहा, सड़क अवरोध करना और जबरदस्ती बलूच लोगों को उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने से नहीं रोक सकते।

अमेरिका के मिनेसोटा के रिहायशी इलाके में विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी राज्य मिनेसोटा के रिहायशी इलाके में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे एक घर में आग लग गई। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन ने यह जानकारी दी।एजेंसी के अनुसार स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:20 बजे के आसपास एक छोटा विमान घर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एजेंसी ने कहा, विमान आयोवा के डेस मोइनेस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था और मिनियापोलिस के अनोका काउंटी-ब्लेन हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। एजेंसी ने कहा कि विमान में सवार लोगों की संख्या अभी भी अज्ञात है। स्थानीय मीडिया ने ब्रुकलिन पार्क फायर डिपार्टमेंट का हवाला देते हुए बताया कि विमान में कोई भी जीवित नहीं बचा। पास के गवाहों ने स्थानीय टीवी स्टेशन को बताया कि विमान दुर्घटना के कारण ब्रुकलिन पार्क में एक घर में आग लग गई।

इस्तांबुल के मेयर की गिरफ्तारी : पुलिस पर गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग के गंभीर आरोप

एजेंसी

अंकारा । तुर्की पुलिस ने इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोग्लू की गिरफ्तारी के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में शामिल कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें बड़े पैमाने पर शारीरिक दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न और अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ा। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के कट्टर प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रपति चुनाव के संभावित दावेदार इमामोग्लू की गिरफ्तारी के बाद बड़े पैमाने पर देशभर में प्रदर्शन हुए। तुर्की सुरक्षा बलों ने अब तक कई पत्रकारों सहित 1800 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।बंदियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने जेलों में उनके साथ हो रहे कथित भयानक दुर्व्यवहार का खुलासा किया। विस्तृत साक्ष्यों और कानूनी दस्तावेजों की एक श्रृंखला से इस्तांबुल के साराचाने में हिरासत में

ली गई एक युवती की ओर से लगाए गए सबसे गंभीर आरोप का खुलासा हुआ। एक आधिकारिक बयान में युवती ने कहा कि एक पुरुष अधिकारी ने उसके बाल खींचे, उसे जमीन पर घसीटा, उसके साथ छेड़छाड़ की और डर के मारे उसने पेशाब कर दिया। रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के सांसद सेजगिन तानरिकुलु ने पुष्टि की कि पूछताछ के रिकॉर्ड में विवरण दर्ज किया गया और शांति दंड न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। तानरिकुलु ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ÷मेरे पास पुलिस का बयान और पूछताछ का रिकॉर्ड है। एक युवा छात्रा ने स्पष्ट रूप से बताया कि कैसे उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और न्यायपालिका चुप रही। इस्तांबुल बार एसोसिएशन की ओर से इक्ट्ठा किए गए अतिरिक्त विवरण एक व्यापक पैटर्न को प्रकट करते हैं। अटॉर्नी हलील एनेस कावाक ने तुर्की पुलिस की क्रूरता का विस्तृत विवरण दिया। तुर्की के अखबार सोज्कू से बात करते हुए कावाक ने कहा, सरचैन में हिरासत में लिए गए कोई भी युवक ऐसा नहीं जिसके शरीर पर हिंसा के निशाना न हो। कई लोगों को घसीटा गया, लात मारी गई, मुक्का मारा गया और हेलमेट से मारा गया। कुछ तो विरोध प्रदर्शन का हिस्सा भी नहीं थे - वे भाग नहीं रहे थे, न ही विरोध कर रहे थे। ये मनमाने ढंग से किए गए हमले थे।

भूकंप से बैंकॉक में अब तक 10 लोगों की मौत, 100 से अधिक लापता

एजेंसी

बैंकॉक। म्यांमार में आए शक्तिशाली भूकंप के झटकों से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भारी तबाही हुई है। इस आपदा में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, 16 घायल हुए हैं और 101 लोग लापता हैं। थाईलैंड के आपदा रोकथाम और शमन विभाग (डीडीपीएम) के अनुसार, बैंकॉक और दो अन्य प्रांतों को आपातकालीन आपदा क्षेत्र घोषित किया गया है। अधिकारी प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन कर रहे हैं। डीडीपीएम के महानिदेशक फासार्कोर्न बूण्यालक ने बताया कि भूकंप से 14 प्रांतों में नुकसान की सूचना मिली है। बता दें कि म्यांमार के मध्य भाग में आए इस भूकंप के बाद थाईलैंड के 57 प्रांतों में झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। बैंकॉक में कई दफ्तरों, रिहायशी इमारतों और कॉन्फ्रेंस सेंटरों को खाली कराकर लोग सड़कों और पार्कों में जमा हो

गए। भूकंप के चलते बैंकॉक की मेट्रो और स्काईट्रेन सेवाएं बाधित हुईं, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। हालांकि, अधिकांश ट्रेन सेवाएं शनिवार सुबह तक सामान्य हो गईं। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा ने भूकंप राहत कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि हालात सामान्य हो रहे हैं। झटकों की तीव्रता धीरे-धीरे कम हो रही है। वहीं, इस विनाशकारी भूकंप ने म्यांमार में भयानक तबाही मचाई है। म्यांमार की राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम के अनुसार, अब तक एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2,376 लोग घायल हुए हैं और 30 लापता हैं। राहत और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन यातायात और संचार नेटवर्क बुरी तरह प्रभावित होने के कारण राहत अभियान में कठिनाइयां आ रही हैं। भूकंप का केंद्र सगाइंग क्षेत्र में था। इसके बाद 12 आफ्टरशॉक्स (2.8 से 7.5 तीव्रता के बीच) आए, जिससे हालात और बिगड़ गए। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में मंडालय, बागो, म्यागवे, उत्तरी शान राज्य, सगाइंग और नेप्यीदा शामिल हैं।

पाकिस्तानी जेलों से 223 अफगान कैदियों को रिहा किया गया

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तान में कैद कुल 223 अफगान कैदियों को रिहा कर दिया गया है और वे अपने वतन वापस लौट आये हैं। अफगानिस्तान

के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

सार्वजनिक संपत्ति को हुआ नुकसान, काठमांडू सिविक बॉडी ने नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र पर लगाया जुर्माना

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी में राजशाही समर्थक विरोध प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति और पर्यावरण को हुए नुकसान के लिए काठमांडू के नागरिक निकाय ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पर जुर्माना लगाया है। यह विरोध प्रदर्शन ज्ञानेंद्र शाह के आह्वान पर आयोजित किया गया था, जिससे काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी (केएमसी) ने काठमांडू के बाहरी इलाके महाराजगंज में उनके आवास पर एक पत्र भेजा। इस पत्र में केएमसी ने उनसे 7,93,000 नेपाली रुपये का मुआवजा देने को कहा। साथ ही, सरकार ने उनका पासपोर्ट भी रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जुर्माना सड़कों और फुटपाथों पर कचरे के अनुचित निपटान, साथ ही भौतिक संरचनाओं को हुए नुकसान के लिए लगाया गया।केएमसी ने कचरा प्रबंधन अधिनियम, 2020 और काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी फाइनेंस एक्ट, 2021 के उल्लंघन का हवाला देते हुए जुर्माना नोटिस जारी किया। रिपोर्ट के मुताबिक, काठमांडू के कई हिस्सों में तनावपूर्ण स्थिति देखी गई, जब राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, एक राजनीतिक दल के कार्यालय पर हमला किया, वाहनों में आग लगा दी और काठमांडू के तिनकुनेबनेश्वर इलाके में दुकानों में लूटपाट की। इस हिंसक झड़प में एक टीवी कैमरामैन सहित दो लोगों की मौत हो गई और 110 अन्य घायल हो गए। ज्ञानेंद्र शाह को भेजे गए पत्र में (जिसकी प्रतियां मीडिया को भी दी गईं) केएमसी ने कहा, पूर्व सम्राट

के आह्वान पर आयोजित विरोध प्रदर्शन ने महानगर की विभिन्न संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया और राजधानी शहर के पर्यावरण को प्रभावित किया। इस आंदोलन के आयोजक दुर्गा प्रसाद ने एक दिन पहले ज्ञानेंद्र शाह से मुलाकात की थी और उन्हें राजशाही और हिंदू राज्य की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन करने के निर्देश मिले थे। यह घटनाक्रम तब हुआ, जब फरवरी में लोकतंत्र दिवस के बाद से राजशाही समर्थक सक्रिय हो गए थे, जब ज्ञानेंद्र शाह ने कहा था, समय आ गया है कि हम देश की रक्षा करने और राष्ट्रीय एकता लाने की जिम्मेदारी लें। इसके बाद, राजशाही समर्थक काठमांडू और देश के अन्य हिस्सों में रैलियां आयोजित कर रहे थे, जिसमें 2008 में समाप्त की गई 240 साल पुरानी राजशाही को बहाल करने की मांग की गई थी। इससे पहले, सोमवार, 24 मार्च को नेपाल में नागरिक समाज के नेताओं के एक समूह ने ज्ञानेंद्र शाह की राजशाही को बहाल करने के उद्देश्य से राजनीतिक रूप से सक्रिय होने के लिए आलोचना की थी। आठ नागरिक समाज नेताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा था, ज्ञानेंद्र शाह का राजनीतिक सक्रियता में उतरना उनके पूर्वजों के राष्ट्र निर्माण के प्रयासों को विफल करता है और अपने पड़ोसियों और दुनिया के सामने देश को कमजोर करने का खतरा पैदा करता है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी: राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि यह हमारा नैतिक दायित्व है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हम स्वच्छ पर्यावरण की विरासत प्रदान करें। इसके लिए हमें पर्यावरण के प्रति सचेत और संवेदनशील जीवनशैली अपनानी होगी ताकि पर्यावरण न केवल संरक्षित हो बल्कि उसका संवर्धन भी हो और पर्यावरण अधिक जीवंत बन सके। राष्ट्रपति मुर्मु आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'पर्यावरण-2025' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण से जुड़े सभी दिवस यह संदेश देते हैं कि हमें इनके उद्देश्यों और कार्यक्रमों को प्रतिदिन ध्यान में रखना चाहिए और जहां तक संभव हो इन्हें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। जागरूकता और सभी की भागीदारी पर आधारित सतत सक्रियता से ही पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन संभव होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे बच्चों और युवा पीढ़ी को बहुत बड़े पैमाने पर पर्यावरण परिवर्तन का सामना करना होगा और उसमें योगदान देना होगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि हर परिवार में बड़े-बुजुर्गों को इस बात की चिंता होती है कि उनके बच्चे किस स्कूल या कॉलेज में पढ़ेंगे और कौन-सा करियर चुनेंगे।

सिरसा ने गुरुग्राम-दिल्ली हाईवे के निर्माण कार्य, ट्रैफिक जाम के स्थलों

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दिल्ली को विकसित एवं स्वच्छ दिल्ली बनाने के संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने धौला कुआं से शिव मूर्ति इंटरचेंज तक गुरुग्राम-दिल्ली हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य, यातायात जाम वाले स्थानों एवं हरित क्षेत्रों निरीक्षण किया। श्री सिरसा ने निर्माण कार्यों से होने वाले वायु प्रदूषण और यातायात जाम गतिविधि का निरीक्षण किया और जाम लगने वाले स्थानों को चिह्नित किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवशयक निर्देश जारी किये गए।

गर्मी का मौसम शुरू होते ही राजधानी में गहराने लगा बिजली संकट: यादव

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ती बिजली कटौती और उपभोक्ताओं पर बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गर्मी का मौसम शुरू होते ही बिजली संकट भी गहराने लगा है। श्री यादव ने आज यहां मीडियाकर्मियों से कहा कि दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद बिजली कंपनियां बिना टेंडर के महंगी बिजली खरीदने की कोशिश कर रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार पड़ने की आशंका है।

राहुल ने अपतटीय खनन को लेकर लिखा मोदी को पत्र

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर केरल, गुजरात के साथ ही अंडमान नकोबार में अपतटीय खनन की अनुमति देने की निंदा करते हुए इसके लिए जारी निविदाओं को रद्द करने की मांग की है।

श्री गांधी ने अपने पत्र में लिखा मैं केरल, गुजरात और अंडमान एवं निकोबार के तट पर अपतटीय खनन की अनुमति देने के केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी निंदा करता हूं। अपतटीय खनन की पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन किए बिना अनुमति देने और खनन के लिए निविदाएं जारी करने का तटीय इलाकों के लोग विरोध कर रहे हैं। लाखों मछुआरे अपनी आजीविका और जीवन शैली पर इसके प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। मैं सरकार से अपतटीय खनन ब्लॉकों के लिए जारी निविदाओं को रद्द करने का आग्रह करता हूं।

किसी भी भ्रष्ट अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा: जूडिशियल कॉउन्सिल

नई दिल्ली (न्यूज वार्ता) जूडिशियल कॉउन्सिल द्वारा एडवोकेट प्रेम प्रकाश वशिष्ठ को सदस्य, लोक शिकायत समिति उत्तर पश्चिमी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली नियुक्त करने की घोषणा । श्री प्रेम प्रकाश वशिष्ठ ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, मैं इस जिम्मेदारी को ग्रहण करके बहुत सम्मानित और खुश महसूस कर रहा हूँ। मैं जन शिकायत की किसी भी समस्या का निदान चाहूँगा , उच्चतम मानकों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ कि हमारा संगठन अत्यंत पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करे। मैं संगठन के मिशन में योगदान देने और जनहित की सेवा करने के लिए तत्पर हूँ। अपनी नई भूमिका में, श्री वशिष्ठ लोक शिकायत से संबंधित मुद्दों के लिए जिम्मेदार होंगे, जैसे भ्रष्टाचार, अनधिकृत निर्माण, सभी लोक शिकायत गतिविधियों की देखरेख, भ्रष्टाचार को रोकना, उच्च स्तर के गबन की जांच का अनुसरण करना और बड़े पैमाने पर लोक शिकायतों का समाधान करना। श्री वशिष्ठ एक अनुभवी वकील हैं और सामाजिक रूप से बहुत सक्रिय हैं। उनके पास एम.कॉम. और एल.एल.बी. की डिग्री है और वे सार्वजनिक सेवा के प्रति अपने समर्पण और नैतिक आचरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। जूडिशियल कॉउन्सिल के अध्यक्ष श्री राजीव अग्निहोत्री ने कहा, हमें विश्वास है कि श्री वशिष्ठ की विशेषज्ञता और नेतृत्व सार्वजनिक शिकायतों को तुरंत दूर करने के लिए ठोस, अमूल्य योगदान होगा। श्री संजीव चौहान सदस्य मानवाधिकार जूडिशियल कॉउन्सिल ने कहा सार्वजनिक सेवा के प्रति उनका समर्पण उन्हें इस भूमिका के लिए आदर्श बनाता है। जूडिशियल कॉउन्सिल नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और सभी स्तरों पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री प्रेम प्रकाश वशिष्ठ की लोक शिकायत समिति के सदस्य के रूप में नियुक्ति इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

JUDICIAL COUNCIL
CERTIFICATE OF APPOINTMENT
ADV. P.P. VASHISHTH
IS APPOINTED AS
MEMBER PUBLIC GRIEVANCE COMMITTEE
NORTH WEST NCT OF DELHI
Rajiv Agnihotri
CHAIRMAN

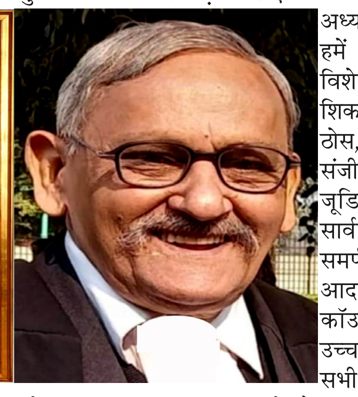

मुर्मु ने चैत्र शुक्लादि, उगाड़ी और गुडी पड़वा के अवसर पर शुभकामनाएं दी

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों को चैत्र शुक्लादि, उगाड़ी, गुड़ी पड़वा, चेती चाँद, नवरेह और साजिबु चेरोबा की पूर्व संध्या पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा है, चैत्र शुक्लादि, उगाड़ी, गुडी पड़वा, चेती चाँद, नवरेह और साजिबु चेरोबा के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूँ। वसंत ऋतु के आगमन पर मनाए जाने वाले ये त्योहार भारतीय नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक हैं और भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हैं। ये उत्सव सामाजिक एकता और आपसी सम्बंधों को नया आयाम देते हैं। इन त्योहारों पर नई फसल की खुशी में हम उत्सव मनाते हैं और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा , मेरी कामना है कि ये सभी त्योहार हमारे समाज में सौहार्द और एकता की भावना को मजबूत बनाएं और हम सब मिलकर नव-ऊर्जा के साथ देश के विकास में अपना योगदान दें।

राजधानी के एक्यूआई में सुधार, ग्रैप एक की पाबंदयां हटाई गईं

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में सुधार हुआ है। तेज हवा के कारण दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 153 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। इसको देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राजधानी में लागू ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण एक की पाबंदियां हटा दी हैं।

सीएक्यूएम ने बताया कि दिल्ली की स्थिति को देखते हुए उपसमिति की आपात बैठक बुलाई गई। इस बैठक में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मौसन विभाग के पूर्वानुमान की समीक्षा की गई। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मद्देनजर आयोग ने राजधानी से ग्रैप चरण एक की पाबंदियों को तत्काल प्रभाव से हटाने का फैसला किया गया है। उल्लेखनीय है कि 24 मार्च को ग्रैप एक की पाबंदियां लगाई गई थीं। इन पाबंदियों के तहत होटल और रेस्टोरेंट में कोयला और लकड़ी का इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध, बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीज़ल वाहनों पर सख्त निगरानी, निर्माण और विध्वंस के कामों में धूल नियंत्रण के लिए विशेष उपाय,

खुले में कचरा जलाने पर सख्ती

उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए सख्त नियम, शामिल होते हैं। इसके अलावा निर्माण कार्य और औद्योगिक इकाइयों के उत्सर्जन पर हल्के प्रतिबंध शामिल होते हैं।

ग्रैप के चार चरण

ग्रैप में कुल चार चरण आते हैं। पहला चरण तब लागू होता है, जब एक्यूआई 201 से 300 के बीच रहता है। इसके बाद दूसरा चरण एक्यूआई 301 से 400 के बीच रहने पर लागू होता है जबकि तीसरा चरण एक्यूआई 401 से 450 रहने पर लागू किया जाता है। वहीं, चौथे चरण में एक्यूआई के 450 से अधिक होने पर इसे अमल में लाया जाता है।

भारत भूकंप प्रभावित म्यांमार में फील्ड अस्पताल और एनडीआरएफ कर्मियों को करेगा तैनात

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को बचाव और राहत सहायता प्रदान करने के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया है। इसके तहत म्यांमार में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री और मानवीय सहायता भेजी जा रही है। इसके आलावा भारत भूकंप प्रभावित म्यांमार में 118 सदस्यों वाला फील्ड अस्पताल और एनडीआरएफ कर्मियों सहित अन्य बचाव दल को म्यांमार में तैनात करेगा। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों को भूकंप बचाव उपकरणों जैसे उच्च शक्ति वाले कंक्रीट कटर, ड्रिल मशीन, हथौड़े और प्लाज्मा-कटिंग उपकरण के साथ म्यांमार को राहत प्रयासों में सहायता करने के लिए तैनात किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दिल्ली में प्रेस वार्ता के दौरान ऑपरेशन ब्रह्मा के बारे में कहा कि कल म्यांमार में भीषण भूकंप आया। जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। म्यांमार में आई त्रासदी के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी चिंता व्यक्त की और कहा कि भारत संकट की इस घड़ी में म्यांमार के लोगों और सरकार को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। जायसवाल ने कहा कि भारत सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाला देश रहा है। पिछले साल म्यांमार में जब चक्रवात यागी आया था, उस समय भी भारत ने अभियान चलाया था। हमने म्यांमार के लोगों को राहत, सामग्री, मानवीय सहायता प्रदान की, न केवल म्यांमार के लोगों को बल्कि कई अन्य देशों को भी जो इससे प्रभावित हुए थे। सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाला देश बनना हमारी नीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी ने वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की और भारत के लोगों और सरकार की ओर से कीमती जीवन के नुकसान के लिए गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि हम इस आपदा से निपटने के लिए राहत, बचाव और जो भी सहायता आवश्यक होगी, प्रदान करने की पूरी कोशिश करेंगे। म्यांमार को भेजी गई राहत सामग्री के बारे में प्रवक्ता ने कहा कि आज तड़के हमने ऑपरेशन ब्रह्मा लॉन्च किया। ब्रह्मा सृष्टि के देवता हैं।

वीरांगना कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने कहा- भाषा के नाम पर देश को तोड़ने का काम बंद होना चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि देश की विडंबना है कि तमिल और हिन्दी भाषा के बीच विवाद खड़ा करने की कोशिश की जा रही है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी तमिल संगमम आयोजित कर सभी भाषाओं के बीच एक सामंजस्य स्थापित किया है। सभी भाषा का महत्वपूर्ण स्थान है लेकिन कुछ लोग भाषा के नाम पर देश को तोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाषाओं से परे देश को जोड़ने का काम महिलाओं की शक्ति करेगी। राजनाथ सिंह यहां केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित वीरांगना कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश को आजादी दिलाने में महिलाओं की अहम भूमिका रही है। महिला वीरांगनाओं ने देश के लिए प्राण तक न्योछावर कर दिए। 75 ऐसी महिलाओं की कहानी को देश के सामने रखने का भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा का प्रयास सराहनीय है। संविधान निर्माण में महिलाओं की

भूमिका को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान के निर्माण में 389 लोगों की भूमिका अहम थी, जिसमें 15 महिलाएं थी। सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। एक नए भारत का उदय हुआ है। एक नया अवसर पैदा हुआ है। अब सेना में महिलाओं को परमानेंट कमिशन दिया जा रहा है। ऐसी कोई शाखा नहीं है, जहां महिलाएं नहीं हैं। हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर समुंदर की गहराइयों तक देश की रक्षा महिलाएं कर रही हैं। पीएम मुद्रा योजना में भी 70 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं। विकासशील से विकसित देश बनाने की राह में महिलाओं की भूमिका अहम है। आज हम विश्व में पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और आने वाले दिनों में तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। इसमें भी महिलाओं की भागीदारी अहम है। इस कार्यक्रम में महिला स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा तैयार की गई वीरांगना ई पुस्तिका का विमोचन किया गया, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा भी उपस्थित थे।

इस मौके पर अपने संबोधन में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन ने कहा कि रानी वेलू नाच्चियार की कहानी को हिन्दी भाषा में अनुवादित करने के बाद इसे पूरे देश के लोगों से अवगत कराने के लिए इसका मंचन राजधानी में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हम दो कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। आज़ादी का अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री के अनुरोध पर महिलाओं की शक्ति का सम्मान करने के लिए स्वतंत्रता सेनानी की खोज की गई।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की शुरुआत आत्म-जागरूकता से होती है: आध्यात्मिक वक्ता बीके शिवानी

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) ने ब्रह्मा कुमारीज के सहयोग से एआईसीटीई मुख्यालय में क्ष्आधुनिक शिक्षा में आध्यात्मिकता का एकीकरणः वर्तमान समय की आवश्यकता' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। इसमें प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता बीके शिवानी ने शिक्षा प्रणाली में आध्यात्मिकता के महत्व और इसके समग्र विकास पर प्रभाव को उजागर किया। कार्यक्रम में छात्र, एआईसीटीई के कर्मचारी और शिक्षा क्षेत्र के प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि बीके शिवानी ने अपने संबोधन में अच्छे आचार-व्यवहार को अपनाने और ध्यान जैसी आध्यात्मिक प्रथाओं के माध्यम से तनाव और अवसाद से निपटने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की शुरुआत आत्म-जागरूकता से होती है, जिसे ध्यान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय स्तर पर ही ध्यान को शामिल किया जाना

चाहिए और इन्हें शिक्षकों एवं बच्चों को सक्रिय रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि स्थायी परिवर्तन लाया जा सके। सभी संस्थानों में एक काउंसलर होना चाहिए जो मानसिक स्वास्थ्य और अवसाद मामलों में छात्रों और शिक्षकों का मार्गदर्शन कर सके। इसके साथ ही संस्थानों को डिजिटल वेलनेस प्रोग्राम भी अपनाने चाहिए।

राज कुमार भाटिया को मिला पहला प्रो. देवेन्द्र स्वरूप सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के वरिष्ठ चिंतक और संगठनकर्ता राजकुमार भाटिया को प्रख्यात इतिहासकार, लेखक, सम्पादक, प्राध्यापक और शोधार्थी देवेन्द्र स्वरूप की स्मृति में स्थापित पहला सम्मान प्रदान किया गया। इस सम्मान की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज के पूर्व छात्र परिषद् (एल्युमनाई एसोसिएशन) ने की है। उल्लेखनीय है कि प्रो. देवेन्द्र स्वरूप और राजकुमार भाटिया उपाख्य राज जी इसी महाविद्यालय में प्राध्यापक थे। कॉलेज के सभागार में आयोजित इस सम्मान समारोह की अध्यक्षता दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने की जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर साप्ताहिक पांचजन्य के सम्पादक हितेश शंकर सम्मिलित हुए। भाजपा के वरिष्ठ संगठनकर्ता वी.सतीश और वरिष्ठ संघ प्रचारक सुरेश जैन भी उपस्थित रहे। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. कृष्णा शर्मा, प्राध्यापक अविनिजेश अवस्थी और एल्युमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने आयोजन को सफल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई। सभी वक्ताओं ने प्रो. देवेन्द्र स्वरूप के महान व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए

उन्हें एक वैचारिक योद्धा, आदर्श समाजसेवी और एक राष्ट्रभक्त शोधार्थी बताया। हितेश शंकर ने कहा कि गहरे शोधपूर्ण लेखन से प्रो. देवेन्द्र स्वरूप ने वैचारिक अभियान को जो धार दी, उसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं है। संघ बीज से वृक्ष, जातिविहीन समाज का सपना, अयोध्या आंदोलन और संविधान की औपनिवेशिक पृष्ठभूमि पर उनके द्वारा किया गया कार्य हमेशा मार्ग दिखाता रहेगा। सच यह भी है कि अपना मूल्य स्थापित करने के लिए कभी-कभी बहुत कीमत चुकानी पड़ती है। प्रो. देवन्द्र स्वरूप ने अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए अभाव सहते हुए भी अपना प्रभाव स्थापित किया। राजकुमार भाटिया ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि उन्हें एक महान विभूति की स्मृति में दिए जाने वाले प्रथम सम्मान के लिए चुना गया। उन्होंने पूर्व छात्र परिषद् के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे अधिक सक्रिय करने पर बल दिया।

म्यांमार में 100 से अधिक सदस्यों की चिकित्सा टीम भेज रही है सेना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद तत्काल सहायता के लिए 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत वहां सौ से अधिक सदस्यों वाला एक विशेष चिकित्सा कार्य बल तैनात कर रही है। सेना ने यहां बताया कि लेफ्टिनेंट कर्नल जगनीत गिल के नेतृत्व में शत्रुजीत ब्रिगेड मेडिकल रिस्पॉन्डर्स की 118 सदस्यीय टीम आवश्यक चिकित्सा उपकरणों और आपूर्ति के साथ शीघ्र ही म्यांमार के लिए रवाना होने वाली है। एयरबोर्न एंजेल्स टास्क फोर्स को आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उन्नत चिकित्सा और शल्य चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित किया गया है।

भारतीय सेना आपदा में घायल लोगों को तत्काल देखभाल प्रदान करने के लिए 60-बेड का चिकित्सा उपचार केंद्र स्थापित करेगी। यह सुविधा स्थानीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का सहयोग करने के लिए आघात के मामलों, आपातकालीन सर्जरी और आवश्यक चिकित्सा सेवाओं को संभालने में सक्षम है।

यह मानवीय सहायता भारत की अपनी 'पड़ोसी पहले' नीति और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के शाश्वत भारतीय लोकाचार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। भारतीय सेना संकट के

समय मित्र देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहती है, जो इस क्षेत्र में सबसे पहले मदद करने के भारत के संकल्प को दर्शाता है।

यह तैनाती विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर और म्यांमार के अधिकारियों के साथ साझेदारी में की गई है।

दिल्ली जीत गये,अब बिहार की बारी है: नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कमर कसने का आह्वान करते हुए कहा कि दिल्ली जीत गये हैं, अब बिहार की बारी है। श्री नड्डा ने दिल्ली भाजपा के पूर्वांचल मोर्च की ओर से यहां के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता लालू यादव पर तीखा प्रहार किया और कहा कि उनके (श्री यादव के) शासनकाल में बिहार जंगलराज में तब्दील हो गया था। उन्होंने कहा,÷ एक समय ऐसा आया था कि शाम पांच बजे के बाद लोगों का बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया था। लालू राज ने बिहार को डूबता हुआ बिहार बना दिया था। डॉक्टर, उद्योगपति और अन्य पेशेवर लोग बिहार से पलायन करने लगे थे, लेकिन अब स्थित बदल चुकी है। बिहार विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विश्व को प्रजातंत्र की सीख भी बिहार की भूमि से मिली है। दुनिया के किसी भी कोने में जायेंगे, तो मैथिली, मगही या भोजपुरी बोलने वाले मिल जाएंगे। ईमानदारी से अपने काम को करने की ताकत

इसी बिहार की धरती के लोगों में हैं। उन्होंने कहा कि जहाँ पूर्वांचल चल पड़ता है, वहां से देश आगे बढ़ता है। इतिहास इस बात का गवाह है। बिहार चाणक्य की भूमि रही है, तो महात्मा गांधी और लोकनायक का आंदोलन भी बिहार की भूमि से ही शुरू हुआ था। उन्होंने कहा, अपने बचपन के दौरान मैंने गंगा किनारे महात्मा गांधी सेतु को बनते हुए देखा है, निर्माण कार्य कई दशकों तक चलता रहा। आज बिहार में गंगा किनारे मरीन ड्राइव बन चुका है। सड़क और रेल के बड़े ब्रिज बन चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2005 में बिहार में ग्रामीण क्षेत्र में सड़क केवल 384 किलोमीटर की थी, लेकिन इस समय एक लाख 12 हजार किमी सड़क बन चुकी है। बिहार में राजमार्ग बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) पटना की सौगात बिहार को दी है। उन्होंने कहा कि श्री लालू से लोग सड़क बनाने की बात करते थे, तो वह कहते थे कि सड़क बन जाएगी तो पुलिस आ जाएगी, ये बेवकूफी ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि कभी आपने सोचा था कि पूर्णिया, सारण, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सीवान, बक्सर, जमुई जैसे शहरों में मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। श्री मोदी के नेतृत्व में पटना में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनने वाला है। उन्होंने कहा, भारत के गौरवशाली तथा वैभवशाली प्राचीन इतिहास, संस्कृति और सभ्यता को विश्व से परिचित कराने में बिहार की भूमि का योगदान अतुलनीय है। श्री मोदी के मार्गदर्शन में आज बिहार हर क्षेत्र में सशक्त, समृद्ध और सामर्थ्यवान हो रहा है।

दिल्ली में सरकार को प्राथमिकताओं पर ध्यान देने की जरूरत : गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री गोपाल राय ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को सभी समाजों की सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं का सम्मान और प्रोत्साहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब न केवल इफ्तार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे, बल्कि दीपावली के भी कार्यक्रम होते थे। सरकार का कर्तव्य होता है कि वह सभी समुदायों को समान रूप से सम्मान दे और उनकी परंपराओं को आगे बढ़ाए।

गोपाल राय ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार जिस मेनिफेस्टो और ÷मोदी गारंटी÷ के आधार पर बनी थी, उन वादों को पूरा करने पर उसका फोकस कम होता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि बीते कुछ दिनों से सरकार की प्राथमिकताएं बदलती नजर आ रही हैं और सदन में भी जनता से जुड़े मुद्दों की अपेक्षा अन्य विषयों पर ज्यादा चर्चा हो रही है। उन्होंने दिल्ली में बढ़ते तापमान और आगामी जल संकट को लेकर सरकार को आगाह किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में दिल्ली में हाईवे जाम की घटनाएं सामने आई हैं, जहां लोग बिजली कटौती को लेकर सड़कों पर उतरे। आने वाले दिनों में पानी की कमी भी गंभीर समस्या बन सकती है। ऐसे में सरकार को अपनी प्राथमिकताएं तय करनी होंगी और दिल्लीवासियों की मूलभूत समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना होगा। गोपाल राय ने अरविंद केजरीवाल सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली देश का पहला राज्य बना, जहां 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई और फ्री बिजली दी गई। दिल्ली में पानी की समस्या को हल करने के लिए अनधिकृत कॉलोनियों तक पाइपलाइन बिछाई गई, जिससे वहां के लोगों को भी जल आपूर्ति मिलने लगी। शिक्षा क्षेत्र में भी सुधार हुआ, सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाया गया और मोहल्ला क्लीनिक की शुरुआत हुई।उन्होंने प्रदूषण के मुद्दे पर कहा कि 2016 में केवल 109 दिन ऐसे थे, जब दिल्ली की हवा साफ थी, लेकिन आम आदमी पार्टी सरकार की पहलों के कारण यह आंकड़ा बढ़कर 209 दिन हो गया।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने किया अमर शहीद विकास शर्मा की मूर्ति अनावरण

मंडी अटेली। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने आज जिला के गांव रातां खुर्द में भारतीय वायुसेना के वीर सपूत अमर शहीद विकास शर्मा की मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर समस्त ग्रामवासियों एवं गणमान्य नागरिकों ने शहीद विकास शर्मा की वीरता और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि शहीद विकास शर्मा का यह अदम्य साहस और बलिदान देश सदैव याद रखेगा। कोई भी शहीद किसी गांव या प्रदेश का नहीं बल्कि पूरे देश का होता है। हमें शहीदों के बलिदान को हमेशा याद रखना चाहिए। शहीद विकास शर्मा का जन्म 17 सितंबर 2000 को गांव राता खुर्द में एक साधारण किसान परिवार में हुआ। उनके पिता विष्णु दत्त शर्मा और माता सावित्री देवी के स्नेह में पले-बढ़े विकास ने बचपन से ही देश सेवा का सपना देखा। वर्ष 2019 में मात्र 19 वर्ष की आयु में वे भारतीय वायुसेना में भर्ती हुए। वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश के आमला में अपने साथी की जान बचाते हुए उन्होंने वीरगति प्राप्त की। इस कार्यक्रम की शुरुआत सुबह हवन से हुई। इसके बाद देशभक्ति से ओतप्रोत रागनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हरियाणा बोर्ड की परीक्षा समाप्तः 12वीं की अंतिम परीक्षा में एक नकलची पकड़ा, अब तक कुल 599 केस मिले

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित बोर्ड परीक्षाओं का अंतिम पेपर आज (शनिवार को) आयोजित किया गया। इसी के साथ बोर्ड परीक्षाएं संपन्न हो गई। 12वीं की अंतिम परीक्षा में एक नकलची पकड़ा। शनिवार को संपन्न हुई सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) पंजाबी व संस्कृत साहित्य वेद सिद्धांत (आर्ष पद्धति गुरूकुल/परम्परागत संस्कृत विद्यापीठ) विषय की परीक्षा में 12806 सीनियर सेकेंडरी के रद्द हुए विभिन्न विषयों की पुनः परीक्षा में 655 परीक्षार्थी शामिल हुए।

परीक्षाओं में अभी तक 599 नकलची पकड़े: हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में अब तक कुल 598 नकलची पकड़े हैं। वहीं ड्यूटी में कोताही बरतने पर 109 पर्यवेक्षक, 20 सेंटर सुपरिटेंडेंट सहित अन्य अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

15 मई तक घोषित होगा रिजल्टः शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन प्रो. (डॉ.) पवन कुमार ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं की मार्किंग की प्रक्रिया चल रही है। वहीं ड्यूटी लगा दी है और मार्किंग सेंटर बना दिए हैं। 2 अप्रैल से मार्किंग की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रयास रहेगा कि मार्किंग प्रक्रिया जल्दी पूरी हो। ऑनलाइन मार्किंग का कोई भी विकल्प नहीं दिया गया है।

12वीं की परीक्षा समाप्तः हरियाणा में कक्षा 12 की परीक्षाएं 27 फरवरी और कक्षा 10 की परीक्षाएं 28 फरवरी से शुरू हुई थीं। कक्षा 10 की परीक्षा 19 मार्च को समाप्त हो चुकी हैं। वहीं कक्षा 12 की अंतिम परीक्षा 29 मार्च को हुई।

सोलर पंप के नियमविरुद्ध कार्य पर वापिस जमा होगी अनुदान राशिः एडीसी

गुरुग्राम। प्रदेश में किसानों की फसल की उत्पादन क्षमता बढ़ाने व खेतीबाड़ी में लागत खर्च को कम करने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। सरकार द्वारा इन योजनाओं के तहत विभिन्न प्रकार की सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग हरियाणा द्वारा सोलर पंप लगाने के लिए किसानों को पीएम कुसुम योजना के तहत विशेष अनुदान दिया जा रहा है, ताकि किसानों पर ज्यादा वित्तीय बोझ न पड़े और उन्हें पारंपरिक पम्पों से छुटकारा मिल सके । एडीसी हितेश कुमार मीणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विभाग को इस प्रकार की शिकायतें मिल रही हैं कि कई किसानों ने अपने सोलर वाटर पम्पिंग सिस्टमों को किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया है या निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर स्थापित कर उन्हें अन्य किसी कार्यों में उपयोग में लाया जा रहा है। एडीसी ने बताया कि जब पीएम कुसुम योजना के तहत किसानों को सोलर पंप लगाने की स्वीकृति दी जाती है तो उस समय किसानों से यह लिखित रूप में लिया जाता है कि वे अपने यहां लगने वाले सोलर पंप को ना तो किसी अन्य व्यक्ति को बेचेंगे व ना ही उसे अन्य जगह शिफ्ट करेंगे। यदि वे ऐसा करेंगे तो सरकार उन्हें दी गई अनुदान राशि वापिस ले सकती है।

जिला में पंचायत उपचुनाव 2025 के लिए मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन 11 अप्रैल को

गुरुग्राम। राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जिला में पंचायत उपचुनाव 2025 के तहत मतदाता सूची तैयार की जा रही है। भविष्य में जिला की 17 पंचायतों में उपचुनाव करवाए जाने हैं। मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन 11 अप्रैल को कर दिया जाएगा। इसके बाद 18 अप्रैल तक दावे व आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। यह जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अजय कुमार ने बताया कि पंचायती राज संस्थानों की वोटर लिस्ट तैयार करने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम जारी किया गया है। 25 मार्च से 10 अप्रैल तक वार्ड अनुसार वोटर लिस्ट का प्रारूप तैयार किया जाएगा। इसके बाद 11 अप्रैल को प्रारूप वोटर लिस्ट का प्रकाशन होगा। दावे और आपत्तियां 18 अप्रैल तक दर्ज की जाएगी, जिनका निपटारा 22 अप्रैल तक होगा। अपील दायर करने की अंतिम तारीख 25 अप्रैल है, और अपील का निपटारा 6 मई तक होगा।

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र रहा महत्वपूर्ण और प्रभावशाली : हरविंदर कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र 7 मार्च से 28 मार्च, 2024 तक चला, जो विशेष रूप से प्रभावी और उत्पादक माना गया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने इस सत्र के परिणामों की रूपरेखा बताई। उन्होंने कहा कि इस सत्र में 13 बैठकें हुईं, जिसमें विधायकों ने कई विषयों पर ध्यानपूर्वक चर्चा की, बजट में संशोधन किया और प्रमुख सिफारिशें कीं। बजट सत्र की उपलब्धियाँ हरियाणा विधान सभा का बजट सत्र राज्य की प्रशासनिक और विकास परियोजनाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है, इस दौरान सदन में 18 विधेयक पारित किए गए। इन तेरह बैठकों में कुल 3,498 मिनट तक सदन की कार्यवही चली। इस

प्रकार विधान सभा की उत्पादकता भी 114 प्रतिशत रही है। विधान सभा की कार्यवाही में 70 प्रतिशत से अधिक में नए सदस्यों ने भाग लिया जोकि सराहनीय थी। उन्होंने कहा कि सदन में अब कोई व्यवधान नहीं था, इसलिए बहस बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सकती थी।विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बजट सत्र के दौरान आधिकारिक रूप से स्वीकृत हरियाणा के राज्य गीत को एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

सत्र में उठाए गए प्रमुख विषय

विधान सभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने बताया कि सत्र के दौरान 2212 लोगों ने विधानसभा की बैठकों को देखा जिससे नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने में मदद मिली। उन्होंने बताया कि 46 सदस्यों ने राज्यपाल के अभिभाषण पर 11 घंटे और 33 मिनट तक विचार-विमर्श किया; कांग्रेस, भाजपा और इनेलो सहित अन्य ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके साथ ही कुल 11 घंटे और 57 मिनट के दौरान, विभिन्न राजनीतिक दलों के विधानसभा सदस्यों ने बजट पर अपने विचार और चिंताएं व्यक्त कीं। सदन कार्यवाही के दौरान शून्य काल में 66 सदस्यों ने प्रदूषण, कैंसर और अन्य सामाजिक मुद्दों सहित राज्य की तत्काल समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि बजट सत्र के दौरान गैर-सरकारी विचार भी सामने रखे गए बजट सत्र में नए सुधार विधान सभा अध्यक्ष ने बताया कि विधान सभा सदस्यों को शून्य काल में अपनी राय निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करने के लिए अधिक समय मिलता है क्योंकि शून्य काल की अवधि 3 मिनट से बढ़ाकर 5 मिनट कर दी गई है।

हरियाणा विधानसभा में बनेगा शोध विंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा है कि विधानसभा की अपनी रिसर्च विंग बनाई जाएगी। लोकसभा व हरियाणा सरकार का इसमें सहयोग रहेगा। इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बेस्ड रिकार्ड डिजिटाइजेशन पर काम होगा। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में विधानसभा स्पीकर ने लाइव प्रसारण से जुड़े सवाल पर कहा कि लोकसभा द्वारा इस पर काम किया जा रहा है। पटना में हुई स्पीकर्स कांफ्रेंस में भी इस पर चर्चा हुई थी। विधानसभा में सत्र की कार्यवाही के दौरान अधिकारियों की अनुपस्थिति पर गंभीरता दिखाते हुए स्पीकर ने कहा कि सत्र के दौरान रोटेशन आधार पर अधिकारियों की मौजूदगी को अनिवार्य कर दिया गया है। अब सदन की कार्यवाही के दौरान कोई भी अधिकारी बाहर नहीं जाएगा। अधिकारियों द्वारा विधायकों की सुनवाई नहीं करने के संबंध में आने वाली शिकायतों भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हरियाणा कांग्रेस के छह विधायकों के साथ चंडीगढ़ पुलिस की हुई तीखी नोंक-झोंक का मामला विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण तक पहुंच गया है। कांग्रेस विधायकों ने इसकी लिखित शिकायत स्पीकर को भेजी है। कल्याण ने कहा कि विधायकों की शिकायत मिल चुकी है, इसका संज्ञान लिया जाएगा। दरअसल, 26 मार्च को विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही के बाद शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के चंडीगढ़ स्थित सरकारी कोठी में डिनर रखा था। इस डिनर में शामिल होने के लिए जब वे 2 गाड़ियों में वहां पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

छात्र संख्या बढ़ाने के लिए स्टाफ-अभिभावकों को मिलकर करने होंगे प्रयास : बीईओ

मेई के राजकीय विद्यालय में छात्र संख्या वृद्धि के लिए बैठक आयोजित

एजेंसी

गोद बलाहा राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेई के एसएमसी सदस्यों, सरपंच, पंचों, अभिभावकों एवं स्कूल स्टाफ सदस्यों के साथ खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार ने बैठक आयोजित की। जिसमें बीईओ अशोक कुमार ने बताया कि एसएमसी सदस्यों को जहां कुछ अधिकार मिले हुए हैं, वहीं इन अधिकारों के साथ-साथ उन्हें कुछ कर्तव्यों का भी पालन करना है। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं की चर्चा की तथा उन्हें छात्र एवं अभिभावक हित में कहा इन योजनाओं का लाभ उन्हें तभी मिल पाएगा, जब वह बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए स्टॉफ-अभिभावकों को मिलकर प्रयास करने होंगे तथा हम सभी को मिलकर छात्र संख्या बढ़ाने की आवश्यकता

है। सरपंच रतिराम ने कहा कि विद्यालय इंचार्ज अनिल कुमार एवं अध्यापक ओमप्रकाश बच्चों के नामांकन बढ़ाने के लिए डोर टू डोर प्रयासरत हैं। बीईओ को सभी उपस्थित जनों ने ग्रामवासियों की तरफ से नामांकन वृद्धि का आश्वासन दिया और कहा कि वह छात्र वृद्धि के लिए बेहतर प्रयास करेंगे।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने ली अधिकारियों की बैठक

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से आमजन को बेहतर सेवाएं देने को प्रतिबद्ध है। हमारी तरफ से गलत काम के लिए कोई सिफारिश नहीं की जाएगी लेकिन सही कार्य समय-सीमा के अंदर होने चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री आज स्थानीय पंचायत भवन में अधिकारियों की बैठक में बोल रही थी।

उन्होंने सबसे पहले जिला महेंद्रगढ़ की 128 ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त करने पर स्वास्थ्य विभाग तथा जिला प्रशासन को बधाई दी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाने के संकल्प को हर हाल में समय से पहले पूरा करेंगे।

उन्होंने कहा कि लिंगानुपात के मामले में जिला महेंद्रगढ़ में बहुत सुधार हुआ है लेकिन लक्ष्य अभी भी दूर है ऐसे में हमें और अधिक सतर्क

रहना होगा। महेंद्रगढ़ में निर्माणाधीन नागरिक अस्पताल के भवन तथा ट्रॉमा सेंटर के भवन के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अगर कोई मामला मुख्यालय स्तर पर लंबित है तो उन्हें इसकी जानकारी दी जाए ताकि सभी प्रोजेक्ट समय पर पूरे हों।

उन्होंने कहा कि जिला की सभी विधानसभा के ऐसे प्रोजेक्ट जो किसी कारण से अटके हुए हैं उनकी जानकारी दी जाए। जिला के सभी प्रतिनिधि मुख्यालय स्तर पर उस कार्य को पूरा करवाएंगे। उन्होंने कहा कि बिजली के एग्रीकल्चर कनेक्शन को प्राथमिकता दी जाए ताकि किसान को कोई परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि जिन कनेक्शन के वर्क आर्डर जारी किए गए हैं उन्हें तुरंत प्रभाव से पूरा करवाया जाए।

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने स्वास्थ्य मंत्री का नारनौल आगमन पर स्वागत किया। इस बैठक में पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव, महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

दुबई में नौकरी का झांसा देकर भेजा युवक फंसा, अनिल विज ने पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए

एजेंसी

ब्यूरो।हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज अपने आवास पर अम्बाला छावनी के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के दिशा-निर्देश दिए।अम्बाला छावनी खटीक मंडी निवासी महिला ने कैबिनेट मंत्री अनिल विज को शिकायत देते हुए कहा कि उसके बेटे को दो एजेंटों ने दुबई में अच्छी नौकरी का झांसा देकर भेज दिया।

मगर दुबई जाने के बाद उसके बेटे से लेबर का काम कराया जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसका आरोप था कि आरोपियों ने उसके बेटे का पासपोर्ट व अन्य दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए। उसने जब एजेंटों से बातचीत की तो एजेंटो ने उससे डेढ़ लाख रुपए मांगे। यह राशि उसने एजेंटों को दी, मगर इसके बाद भी बेटे को आरोपी वापस आने नहीं दे रहे हैं। महिला ने इस मामले में

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने अम्बाला आईजी को मामले में जांच के निर्देश दिए। तोपखाना परेड से आई महिलाओं ने ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज को बताया कि परेड में उनके घरों को कच्चा रास्ता जाता है। इस कारण खासकर बारिश के दिनों में उन्हें मुख्य रास्ते से घर तक आने-जाने में परेशानी होती है। मंत्री अनिल विज ने मामले में संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। छावनी निवासी व्यक्ति ने उसके प्लाट की रजिस्ट्री के लिए कोर्ट के आदेशों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने की शिकायत की। उसका आरोप था कि मामले में पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। इसी प्रकार कालेज छात्रा द्वारा उसका बस पास गुम हो जाने के कारण रोडवेज विभाग द्वारा नया पास नहीं बनाने की शिकायत दी जिसपर परिवहन मंत्री अनिल विज ने जीएम रोड को कार्रवाई के निर्देश दिए। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के समक्ष इसके अलावा बिजली से संबंधित समस्याएं भी आई जिसपर उन्होंने मौके पर मौजूद बिजली अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं को भी मंत्री अनिल विज ने सुना व कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के अलावा भाजपा नेता मौजूद रहे।

शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों संज्ञान लेने पहुंचे मेयर राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों का संचालन ना होने की ख़बरों का संज्ञान लेते हुए नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने आयुक्त नगर निगम को नोट लिखकर जुलाई 2024 से रख रखाव का टेंडर ना करने के मामले में जाँच करवाकर दोषी अधिकारियों के खिलाफ उचित कारवाई के निर्देश देकर जवाब माँगा है।राजीव जैन ने मिनी सचिवालय में चल रहे कमांड सेंटर का भी दौरा कर कैमरों के संचालन रिपोर्ट की जानकारी ली और पाया कि पिछले एक वर्ष से 10 -15 से जयादा कैमरों का संचालन नहीं हो रहा। कमांड सेंटर में तैनात पुलिस कर्मचारियों ने बताया कि वह हर माह निगम अधिकारियों को पत्र लिखकर वस्तुसिथति से अवगत करवाते हैं परन्तु अधिकारियों के कानों पर जूं नहीं रेंगती। राजीव जैन ने बताया कि शहर की सुरक्षा हेतु 194 कैमरे लगवाए गए थे ताकि वारदात होने पर दोषी की पहचान की जा सके और कई वारदात कैमरों की मदद से हल भी हुई है। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही टेंडर लगवाकर सभी

कैमरों की मरम्मत करवाकर चालू करवाने का काम करेंगे।

मेयर राजीव जैन ने बताया कि शहर के अन्य बाजारों तथा निगम एरिया में पड़ने वाले मुख्य मार्गों पर भी सीसीटीवी कैमरे लगवाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि कैमरे लगाने वाले स्थान चिन्हित कर लिए गए हैं। जल्द ही एस्टीमेट तैयार करवाकर सरकार को भेजा जायेगा।

देश को विकसित भारत बनाने के संकल्प में हरियाणा का होगा अहम योगदान : डॉ. अरविंद शर्मा

भाजपा की नीतियों पर प्रदेश की जनता ने जताया विश्वासः ओमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

रोहतक। स्थानीय सिंचाई विश्राम गृह परिसर में नवनिर्वाचित महापौर तथा निगम पार्षदों के पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, कृष्ण लाल पंवार, एवं पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कार्यक्रम के उपरांत नगर निगम कार्यालय पहुंचकर मेयर रामअवतार वाल्मीकि को पदभार ग्रहण करवाया तथा मिठाई खिलाई। साथ ही रोहतक शहर को ट्रिपल इंजन सरकार द्वारा देश का सबसे सुंदर व स्वच्छ शहर बनाने के लिए नगर निगम की नवनिर्वाचित टीम को सभी के साथ मिलकर कार्य करने की बात कही। विकास एंव पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा पार्टी की लोक हितैषी नीतियों के फलस्वरूप केंद्र व प्रदेश में तीसरी बार सरकारों का गठन हुआ है। भाजपा ने अपने कार्यों के दम पर लोकसभा, विधानसभा, विधानसभा उपचुनाव, दिल्ली विधानसभा चुनाव

इत्यादि में जीत का परचम लहराया है। साथ ही प्रदेश में निकाय चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान सबसे लंबा भाषण देने का रिकॉर्ड बनाया है। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा में निकाय चुनाव में जीत प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की जीत है। उन्होंने कहा कि यह जीत भाजपा की नीतियों व केंद्र-प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की जीत है। साथ ही उन्होंने कहा कि आज सरकार समाज के सभी वर्गों की भलाई के लिए कार्य कर रही है तथा बजट के माध्यम से हर वर्ग को उनका हक सुनिश्चित किया गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री ओम प्रकाश धनखड़ ने नवनिर्वाचित महापौर तथा पार्षदों को पद ग्रहण करने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर निगम की टीम मिलकर रोहतक शहर को विश्व स्तर का शहर बनाने में अपना योगदान दें। रोहतक में सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाते हुए लोगों के जीवन को सुगम बनाया जाए।नवनिर्वाचित महापौर रामअवतार वाल्मीकि ने कहा कि जनता ने भाजपा को पूरा समर्थन देकर केंद्र व प्रदेश में तीसरी बार जीत दिलाई है। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा सभी वर्गों के कल्याण के लिए योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे 24 घंटे जनहित के कार्यों में प्रयासरत रहेंगे तथा शहरवासियों के जीवन को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।

पुरानी कचहरी भूमि पर जल्द ही बनेगा शापिंग काम्पलेक्स

एजेंसी

नारनौल। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की पहली बार पूर्ण बहुमत से सरकार बनने के बाद 25 फरवरी 2016 को खाली पड़ी पुरानी कचहरी की भूमि पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने की घोषणा की थी, ताकि नगर परिषद की आय बढ़ सके। सीएम की घोषणा के बाद इसमें पहला वाहन पार्किंग युक्त शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने का प्लान बना। इसके बाद नगर परिषद ने चार एकड़ के पुरानी कचहरी मैदान में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का डिजाइन बनाने के लिए एक कंसल्टेंट को काम सौंपा। लेकिन इसके करीब नौ साल बाद भी यह डिजाइन बनकर तैयार ही नहीं हुआ।

कई बार हुई फाइल इधर से उधरः

वहीं सीएम की घोषणा के बाद इसको बनाने को लेकर कई बार फाइल इधर से उधर हुई। एक बार नगर परिषद ने 2018 में जमीन को हस्तांतरित करने के लिए उच्चाधिकारियों को फाइल भेजकर जमीन की कीमत राजस्व विभाग के खाते में ट्रांसफर करने की बात भी की गई, ताकि जमीन हस्तांतरित हो सके। राजस्व विभाग की खसरा नंबर

5603 की 170601 वर्ग गज भूमि को 35 हजार रुपए प्रति वर्ग गज के भाव से 65.91 करोड़ रुपए की देनदारी भी दिखाई गई। इसके बाद करीब छह बार पत्र व्यवहार भी हुआ, मगर योजना सिरे नहीं चढ़ी।

ये मिलेंगी शहर के लोगों को सुविधाएंः

शापिंग काम्पलेक्स बनने से शहर के लोगों को यहां अनेक सुविधाएं मिलेंगी। यह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स शहर के बीचों बीच पुरानी कचहरी मैदान में बनना प्रस्तावित है। योजना के अनुसार इसमें बेसमेंट का निर्माण भी कराया जाएगा, जो वाहन पार्किंग के लिए उपयोग में लाया जाएगा। वहीं ग्राउंड फ्लोर व प्रथम मंजिल पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के लिए दुकानें बनेंगी। इसके निकट एक छोटा सा पार्क भी बनाया जाएगा। इसके बनने के बाद न केवल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बल्कि शहर के बाजार के दुकानदारों को भी फायदा होगा।

मंत्री विपुल गोयल ने कहा, देखेंगे जरूरतः

विधानसभा में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाए जाने का मुद्दा स्थानीय शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने उठाया। उन्होंने कहा कि नारनौल में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाए जाने को लेकर कहा कि सीएम द्वारा यहां दो बार काम्पलेक्स बनाए जाने की घोषणा की है। इस पर सरकार छह माह के भीतर काम करने की कार्रवाई करेगी।

हरियाणा को मिले 533 नए डॉक्टरः रिक्त पड़े पदों पर दी पोस्टिंग, स्वास्थ्य विभाग में डाक्टरों की कमी होगी दूर

एजेंसी

भिवानी। हरियाणा को 533 नए डॉक्टर मिले हैं। सभी को रिक्त पड़े पदों पर पोस्टिंग दी गई है। जिससे स्वास्थ्य विभाग में चली आ रही चिकित्सकों की कमी दूर होगी। इसके लिए शनिवार को ऑर्डर जारी किए गए। हरियाणा सरकार के एडिशनल चीप सेक्रेटरी की तरफ से इसको हरी झंडी दे दी है। साथ ही सभी को तुरंत प्रभाव से अपनी पोस्टिंग लेने के लिए कहा गया है। हेल्थ विभाग के सुपरिटेंडेंट ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं। जिसके बाद चिकित्सकों को सेंटर अलाट किए हैं। पिछले काफी समय से चिकित्सकों की कमी चलती आ रही थी। जिसको मुद्दा उठता रहा है। हालांकि अब 533 नए चिकित्सक मिलने के बाद लोगों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं में भी इजाफा होगा।

जिला में पारदर्शी तरीके से हो रहा खनन कार्य, मुख्यालय से आई टीम ने की वाहनों की चेकिंग

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश अनुसार जिला महेंद्रगढ़ में पुलिस के सहयोग से खनन कार्यों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। जिला में अवैध खनन तथा खनिज के अवैध तरीके से परिवहन को लेकर जिला प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में पिछले तीन दिनों में जिला प्रशासन व मुख्यालय से आई टीम ने 250 वाहनों की चेकिंग की। इस दौरान राजस्थान से अवैध तरीके से रोड़ी तथा बजरी का परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्राली तथा डंपर को पकड़ा। इन दोनों वाहनों पर 6.35 लाख रुपए जुर्माना वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया सरकार व

जिला प्रशासन खनन कार्यों में पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रहा है। जिला महेंद्रगढ़ में किसी भी सूरत में अवैध खनन या खनिज का अवैध तरीके से परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया कि विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग के दिशा निर्देश अनुसार मुख्यालय से टीम जिला महेंद्रगढ़ में पहुंची है। यह टीम भी लगातार खनन को लेकर कड़ी नजर रखे हुए है।खनन अभियंता नीरज कुमार के नेतृत्व में इस टीम ने अरावली पहाड़ियों के गांव सोहला, बायल, रोपड़ सराय, जैनपुर, मोसमपुर, मांदी नदी के किनारे क्षेत्र और बखरीजा में अवैध खनन के लिए पत्थर और बजरी की जांच की गई। जांच के दौरान पुराने खनन के गड्ढों को छोड़कर कोई अवैध खनन नहीं पाया गया। इसके अलावा उन्होंने संचालन खदानों की भी जांच की और जिले के संचालन खदानों के आसपास कोई अवैध अतिक्रमण नहीं पाया गया। यह अभियान अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्कोडा ऑटो का वियतनाम में असेंबली प्लांट, भारत से निर्यात होंगे कुशाक

एजेंसी

नई दिल्ली। स्कोडा ऑटो और वियतनाम के क्षेत्रीय भागीदार थान्ह कॉन्ग ग्रुप ने वियतनाम के क्वांग निन्ह प्रांत में स्कोडा कुशाक और स्लाविया मॉडलों की असेंबली के लिए एक अत्याधुनिक फैक?ट्री शुरू करने की घोषणा की है। स्कोडा ऑटो ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह कदम स्कोडा की वैश्विक रणनीति का अहम हिस्सा है, जिससे वह यूरोप के बाहर खासकर दक्षिण-पूर्व एशिया में अपनी उपस्थिति को सशक्त कर रही है। इस नई फैक्ट्री में स्कोडा भारत से कम्प्लीटली नॉक्ड डाउन (सीकेडी) किट्स आयात कर कुशाक एसयूवी और स्लाविया सेडान की असेंबली करेगी। कुशाक का सीरीज उत्पादन 26 मार्च से शुरू हो चुका है और स्लाविया का उत्पादन इस गर्मी में शुरू होने की योजना है। यह रणनीति भारत और वियतनाम के बीच भौगोलिक तालमेल का लाभ उठाने के साथ-साथ लागत को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने का एक कारगर माध्यम भी है। क्वांग निन्ह स्थित इस अत्याधुनिक प्लांट में वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली की संपूर्ण सुविधाएं हैं। इसमें एक उच्च गुणवत्ता वाला कंट्रोल सेंटर, सटीक मापन के लिए विशेष इकाई, और लगभग दो किलोमीटर लंबा एक टेस्ट ट्रैक भी शामिल है, जिसे स्थानीय सड़क स्थितियों के अनुरूप डिजाइन किया गया है। इस समय वियतनाम में स्कोडा के 15 बिक्री केंद्र हैं, जिन्हें 2025 के अंत तक बढ़ाकर 32 करने की योजना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जारी गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21

रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.26 प्रतिशत फिसलकर 69.04 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.34 प्रतिशत की गिरावट लेकर 73.38 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

आठ प्रमुख उद्योगों की उत्पादन वृद्धि फरवरी, 2025 में 2.9 प्रतिशत

नयी दिल्ली। कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट के बीच देश के आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में इस वर्ष फरवरी में सालाना आधार पर 2.9 प्रतिशत (अनंतिम) की वृद्धि दर्ज की गयी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार सीमेंट, उर्वरक, इस्पात, बिजली, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की गई। इन आठ उद्योगों - कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत योगदान है। विज्ञप्ति के अनुसार नवंबर 2024 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार इन आठ प्रमुख उद्योगों की अंतिम वृद्धि दर 5.8 प्रतिशत देखी गई। अप्रैल से फरवरी, 2024-25 के दौरान आईसीआई की संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.4 प्रतिशत (अनंतिम) है। फरवरी, 2025 में कोयला उत्पादन में सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। इस दौरान कच्चे तेल का उत्पादन पिछले साल फरवरी से 5.2 प्रतिशत कम रहा तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन में 6.0 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी।फरवरी में पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में 0.8 प्रतिशत, उर्वरक में 10.2 प्रतिशत, इस्पात उत्पादन में 5.6 प्रतिशत तथा सीमेंट उत्पादन में सालाना आधार पर 10.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

शक्कर में तेजी, खाद्य तेलों में सुधार, दलहन- दाल में मजबूती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग से तेजी रही। खाद्य तेलों के भाव ऊंचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड महंगा बिका। तिलहन में लिवाली रही। दलहनों के साथ दाल में मांग से सुधार दर्ज किया गया इससे भाव ऊंचे बोले गए। चावल में खरीदी बनी रही।

किराना बाजार:सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग रही। इससे तेजी हुई। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा,? दिसावर के साथ बना रहा। खोपरा गोला तथा हल्दी में ग्राहकी रही।

तेल-तिलहनः खाद्य तेलों में खरीदी से सुधार दर्ज किया गया। आज सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा होकर बिका। तिलहन में उठाव से सोयाबीन महंगा बिका। सरसों में उठाव बना बताया गया।

दाल-दलहनः संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज मजबूती लिए रहा। आज चना कांटा तथा तुअर महंगी बिकी। दालों में लिवाली बताई गई। आज चावल में पूछपरख रही।

ऊर्जा आपूर्ति और खपत दोनों में वृद्धि जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने 2047 तक विकसित बनने के स्वप्न को साकार करने के लिए वैश्विक महामारी पर नियंत्रण पाकर वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान ऊर्जा आपूर्ति और खपत दोनों में स्थिर और स्वस्थ वृद्धि दर्ज किया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वार्षिक प्रकाशन 'ऊर्जा सांख्यिकी भारत 2025' जारी किया जिसके अनुसार भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान ऊर्जा के मामले में स्वस्थ वृद्धि देखा है, जिसमें कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति (टीपीईएस) में पिछले वर्ष की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 9,03,158 केटीओई (किलो टन तेल समतुल्य) पर पहुंच गई। भारत में अक्षय ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावना है जो 31 मार्च 2024 तक 21,09,655 मेगावाट है। पवन ऊर्जा से ऊर्जा उत्पादन की क्षमता में सबसे अधिक 11,63,856 मेगावाट (लगभग 55 प्रतिशत) की हिस्सेदारी है, इसके बाद सौर ऊर्जा (7,48,990 मेगावाट) और बड़ी पनबिजली (1,33,410) का स्थान आता है। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की

आधी से ज़्यादा क्षमता भारत के चार राज्यों में केंद्रित है जिनमें राजस्थान (20.3 प्रतिशत), महाराष्ट्र (11.8 प्रतिशत), गुजरात (10.5 प्रतिशत) और कर्नाटक (9.8 प्रतिशत) शामिल है। नवीकरणीय संसाधनों से बिजली उत्पादन (उपयोगिता और गैर-उपयोगिता सहित) की स्थापित क्षमता में भी पिछले वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 31 मार्च 2015 को 81,593 मेगावाट से बढ़कर 31 मार्च 2024 को 1,98,213 मेगावाट हो गई है, जो पिछले वर्षों में 10.36 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर है। नवीकरणीय संसाधनों (उपयोगिता और गैर-उपयोगिता दोनों को मिलाकर) से बिजली का सकल उत्पादन भी पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ गया है। वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान उत्पादित 2,05,608 जीडब्ल्यूएच बिजली की मात्रा से, यह वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़कर 3,70,320 जीडब्ल्यूएच हो गई है, जो पिछले कुछ वर्षों में 6.76 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। यह वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान 14,682 मेगा जूल प्रति व्यक्ति से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 18,410 मेगा जूल प्रति व्यक्ति हो गई है, जो पिछले कुछ वर्षों में 2.55 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि है। पिछले कुछ वर्षों में ट्रांसमिशन और वितरण के कारण होने वाले नुकसान को कम करके बिजली के उपयोग में उल्लेखनीय सुधार किया गया है। ट्रांसमिशन और वितरण के कारण होने वाला नुकसान प्रतिशत जो वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान लगभग 23 प्रतिशत था, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान घटकर लगभग 17 प्रतिशत रह गया है। सभी प्रमुख ऊर्जा उपभोग क्षेत्रों में से, उद्योग क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अधिकतम विस्तार देखा है। उद्योग क्षेत्र में खपत वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान 2,42,418 केटीओई से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 3,11,822 केटीओई हो गई है। वाणिज्यिक और सार्वजनिक सेवा, आवासीय, कृषि और वानिकी जैसे अन्य सभी क्षेत्रों ने भी इस अवधि में लगातार वृद्धि दर्ज की है।

आरईसीपीडीसीएल ने महान ट्रांसमिशन लिमिटेड एसपीवी को अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड को सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल), विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत महारत्न सीपीएसयू, आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, ने टीबीसीबी रूट के तहत अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन परियोजना विशिष्ट एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल), महान ट्रांसमिशन लिमिटेड को 26 मार्च 2025 को अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड को सौंप दिया। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, बिल्ड, ओन, ऑपरेट एंड ट्रांसफर (बीओओटी) आधार पर ट्रांसमिशन परियोजना के विकास के लिए बोली प्रक्रिया समन्वयक आरईसीपीडीसीएल द्वारा आयोजित टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) प्रक्रिया के माध्यम से ट्रांसमिशन सेवा प्रदाता (टीएसपी) के रूप में उभरी। आरईसीपीडीसीएल, अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, एमपीपीएमसीएल और एमपीपीटीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एसपीवी को अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के बिजनेस डेवलपमेंट हेड श्री शशांक शर्मा को सौंपा गया। रीवा (सागरा) सबस्टेशन के लिए कार्यान्वयन अवधि 25.10.2026 और अमरपाटन सबस्टेशन के लिए 25.04.2027 है। इस योजना में रीवा (सागरा) और अमरपाटन स्थानों पर 400/220/132 केवी सबस्टेशन का निर्माण, पीटीईएमपीएल (एमईएल) स्विचयार्ड और रीवा (सागरा) के बीच 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन की 166 किलोमीटर, रीवा (सागरा) और अमरपाटन के बीच 400 केवी लाइन की 50 किलोमीटर और 220 केवी और 132 केवी लाइनों के अन्य संबंधित कार्य शामिल हैं। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 1,996.47 करोड़ रुपये है। आरईसीपीडीसीएल के बारे में: आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड, आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, कई राज्य बिजली वितरण कंपनियों/राज्यों के बिजली विभागों को ज्ञान-आधारित परामर्श और विशेषज्ञ परियोजना कार्यान्वयन सेवाएँ।

अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के लिए स्टार्टअप महाकुंभ 3-5 अप्रैल तक नई दिल्ली में

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उद्यमियों के लिए स्टार्टअप महाकुंभ का आयोजन करने जा रहा है। भारत मंडपम में 3-5 अप्रैल तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में देश के सबसे होनहार उद्यमी एकसाथ एक मंच पर आएंगे। स्टार्टअप महाकुंभ में एसटी उद्यमियों को उद्योग जगत के टॉप लीडर, पूंजीपति और प्रभावशाली निवेशक एक साथ भागीदारी करेंगे। इससे स्टार्टअप शुरू करने वालों को समावेशी आर्थिक विकास और सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि स्टार्टअप महाकुंभ 2025 में 45 से अधिक आदिवासी स्टार्टअप भाग लेंगे। इस सबसे बड़े कार्यक्रम में आदिवासी स्टार्टअप प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके साथ देश की प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों के 300 छात्र भी भाग लेंगे। जनजातीय मामलों के मंत्रालय का उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के लिए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है। यह मंत्रालय के

100-दिवसीय एजेंडे के तहत एक प्रमुख पहल है।

एमओटीए द्वारा आबा ट्राइबप्रेन्योर्स 2025 जनजातीय की स्थापना एक प्रमुख पहल है, जो एक सम्मानित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में है। सरकार इस वर्ष को आदिवासी उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित कर रही है। स्टार्टअप महाकुंभ के जरिए आदिवासी उद्यमियों को सशक्त बनाकर जनजातीय कार्य मंत्रालय बिरसा मुंडा के आत्मनिर्भर और सशक्त आदिवासी समुदाय के दृष्टिकोण को सुदृढ़ कर रहा है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए गुरुग्राम में एजीईजी का पहला स्टोर लॉन्च

एजेंसी

गुरुग्राम। अंतरा सीनियर केयर के डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर कारोबार अंतरा एजीईजी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए यहां अपना पहला स्टोर खोलने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह स्टोर वरिष्ठ नागरिकों के लिए हेल्थ और वेलनेस से जुड़े समाधानों के लिए एक वन-स्टॉप डेस्टिनेशन होगा। अंतरा एजीईजी को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह वरिष्ठ नागरिकों को इनोवेटिव प्रोडक्ट और विशेषज्ञ सहायता के माध्यम से सुखद और सहज वृद्धावस्था का अनुभव करने में सक्षम बना सके। इस स्टोर का उद्घाटन अभिनेत्री शबाना आजमी ने किया, जिन्होंने सीनियर केयर क्षेत्र में एजीईजी द्वारा लाई गई इनोवेशन की सराहना की। एजीईजी के साथ, वरिष्ठ नागरिक अब एक बेहतर प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकते हैं जो क्रोनिक बीमारियों का सही तरह के देखभाल करने में उनकी मदद करेगा और प्रभावी सेल्फ-केयर प्रोटोकॉल्स अपनाने के लिए इनोवेटिव प्रोडक्ट और पर्सनलिज्ड केयर को साथ लाएगा। गुरुग्राम के स्टोर वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इस स्टोर में वैज्ञानिक रूप से डिजाइन किए गए उत्पादों और सेवा-आधारित समाधानों का एक यूनिक कलेक्शन मिलेगा। इस क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञों के सहयोग से विकसित ये उत्पाद आसानी से इस्तेमाल, सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करते हैं। स्टोर लॉन्च के अवसर पर अंतरा सीनियर केयर की कार्यकारी अध्यक्ष तारा सिंह वचानी ने कहा, एजीईजी के माध्यम से हमारा लक्ष्य वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ, खुशहाल और अधिक स्वतंत्र जीवन जीने के लिए सक्षम बनाना है। यह केवल एक रिटेल स्पेस नहीं है, बल्कि एजीईजी साइंस-आधारित उत्पादों, विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में और टेक्नोलॉजी को एक साथ लाकर वरिष्ठ नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह पहल अंतरा की उस दृष्टि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सीनियर केयर में बदलाव लाने और वरिष्ठ नागरिकों तथा उनके परिवारों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने के लिए समर्पित है। अंतरा सीनियर केयर के एमडी और सीईओ रजित मेहता ने कहा, भारत में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में विशेष रूप से उनके लिए बनाए गए उत्पादों और सेवाओं की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक हो गई है। हमारा उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले, वरिष्ठ नागरिकों पर केंद्रित समाधानों को आसानी से सुलभ बनाना है, ताकि सभी को सम्मानजनक और स्वतंत्र जीवन जीने का अवसर मिले। गुरुग्राम में हमारे पहले फिजिकल स्टोर का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो हमारे विश्वसनीय पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में एक और कदम है।

भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए मजबूत मध्यस्थता तंत्र महत्वपूर्ण : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने के लिए मजबूत मध्यस्थता और मध्यस्थता तंत्र महत्वपूर्ण हैं। कानूनी सुधार और एक मजबूत मध्यस्थता ढांचा निवेशकों के विश्वास और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

गोयल ने आज नई दिल्ली में यूनाइटेड इंटरनेशनल एवोकेट कॉन्फ्रेंस के विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने संबोधन में भारत के तीव्र आर्थिक विकास और वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की उसकी महत्वाकांक्षा को समर्थन देने में एक मजबूत कानूनी और मध्यस्थता ढांचे के महत्व को रेखांकित किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि

न्यायिक देरी को कम करने और एक स्थिर एवं पारदर्शी कारोबारी माहौल सुनिश्चित करने में मध्यस्थता और मध्यस्थता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने मध्यस्थता तंत्र में विश्वास की आवश्यकता पर जोर दिया और बड़ी कंपनियों के प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय पूर्वाग्रहों के बारे में चिंताओं को स्वीकार किया। गोयल ने हितधारकों से भारत में मध्यस्थता प्रथाओं को मजबूत करने का आग्रह किया ताकि उन्हें अधिक कुशल और निष्पक्ष बनाया जा सके, जिससे निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल माहौल को बढ़ावा मिले। गोयल ने कानूनी बिरादरी को स्पष्ट, मजबूत और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कानूनी ढांचे का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए समापन किया, जो वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की आकांक्षाओं का समर्थन करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक मजबूत कानूनी ढांचा न केवल आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाएगा, बल्कि वैश्विक व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को भी मजबूत करेगा।

100 करोड़ से अधिक के अल्ट्रा लक्जरी होम मार्केट में उछाल

नई दिल्ली। देश के प्रमुख महानगरीय केंद्रों मुंबई और दिल्ली एनसीआर में पिछले तीन सालों में 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक कीमत वाले 49 अल्ट्रा लग्जरी घर बेचे गए हैं, जो देश के लग्जरी रियल एस्टेट बाजार में मजबूत मांग का प्रतीक है। प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी कंपनी जेएलएल ने यहां जारी एक रिपोर्ट में कहा कि घर खरीदने वालों के कुलीन वर्ग ने सामूहिक रूप से इन आलीशान घरों में 7,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिनमें से आधे लेन-देन - कुल 3,652 करोड़ रुपये - अकेले 2024 में हुए हैं। इसने कहा, ÷गति धीमी होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि 2025 के पहले दो महीनों में पहले ही चार अल्ट्रा-लक्जरी घरों की बिक्री हो चुकी है, जिनका कुल मूल्य 850 करोड़ रुपये है। जेएलएल के मुख्य अर्थशास्त्री एवं अनुसंधान और आरईआईएस, भारत के प्रमुख सामंतक दास ने कहा कि पिछली धारणाओं के विपरीत बंगले और विला जैसे स्वतंत्र घर अब ट्रॉफी आवासीय निवास के पर्याय नहीं रह गए हैं। इस तरह के ऊंचे अपार्टमेंट इस विशिष्ट क्षेत्र में एक विशेष आवासीय अनुभव प्रदान करते हैं।उन्होंने कहा ÷ हमारे विश्लेषण के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में पूर्ण हुए कुल सौदों में 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले अपार्टमेंट की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत थी; बंगलों की हिस्सेदारी शेष 35 प्रतिशत थी। इनमें से अधिकांश अल्ट्रा लग्जरी घरों की कीमत 100-200 करोड़ रुपये के बीच थी। हालांकि, कुछ संपत्तियों का लेन-देन इस मूल्य सीमा से ऊपर भी हुआ और उनकी कीमत 200-500 करोड़ रुपये के बीच भी थी।

पार्क मेडी वर्ल्ड ने 1,260 करोड़ रुपये के आईपीओ लाने के लिए सेबी को किया आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। । पार्क ब्रांड के तहत अस्पतालों का संचालन करने वाली कंपनी पार्क मेडी वर्ल्ड ने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्?तावेज जमा किए हैं। कंपनी की योजना आईपीओ के जरिए 1,260 करोड़ रुपये जुटाने की है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास दाखिल मसौदा दस्तावेज के मुताबिक इस आईपीओ के जरिए 900 रुपये मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे और प्रवर्तक अजीत गुप्ता की तरफ से 300 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए की जाएगी। इसके अलावा कंपनी 192 करोड़ रुपये तक के आईपीओ-पूर्व आवंटन पर भी विचार कर सकती है।

कंपनी ने आईपीओ से मिलने वाली राशि में से 410 करोड़ रुपये का उपयोग ऋण भुगतान और 110 करोड़ रुपये का इस्तेमाल एक नए अस्पताल के विकास के साथ मौजूदा एक अस्पताल के विस्तार से संबंधित पूंजीगत व्यय के लिए करने की योजना बनाई है। इसके आलवा कंपनी 77.19 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरणों की खरीद भी करेगी, जबकि शेष धनराशि का उपयोग नए अधिग्रहण और सामान्य कंपनी उद्देश्यों के लिए किया जाएगा उल्?लेखनीय है कि अस्पतालों का संचालन करने वाली कंपनी पार्क मेडी वर्ल्ड उत्तर भारत की दूसरी बड़ी निजी अस्पताल श्रृंखला है। ये कंपनी 13 मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों का संचालन करती है। यह अस्पताल नई दिल्ली, हरियाणा के अंबाला, गुरुग्राम, करनाल, पानीपत, पालम विहार, सोनीपत एवं फरीदाबाद, राजस्थान के जयपुर एवं बहरोड़ और पंजाब के पटियाला एवं मोहाली में स्थित हैं।

सिंगापुर के शीर्ष बैंकर पीयूष गुप्ता ने डीबीएस बैंक के सीईओ का पद छोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली/सिंगापुर। सिंगापुर के शीर्ष बैंकर पीयूष गुप्ता ने डीबीएस बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद से इस्तीफा दे दिया है। गुप्ता की जगह डीबीएस बैंक के मौजूदा उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी और संस्थागत बैंकिंग प्रमुख तान सु शान ने ली है। वह डीबीएस के इतिहास में पहली महिला सीईओ हैं। डीबीएस बैंक की प्रमुख शेयरधारक कंपनी टेमासेक होल्डिंग्स के सीईओ दिलहान पिल्लै ने जारी एक बयान में बताया कि पीयूष गुप्ता ने 15 वर्षों तक डीबीएस बैंक की कमान संभालने के बाद बैंक के सीईओ का पद छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि पीयूष गुप्ता ने अपने कार्यकाल में डीबीएस के व्यापक कायाकल्प को अंजाम दिया और बैंक को लगातार कई मंचों से सर्वश्रेष्ठ बैंक का पुरस्कार हासिल हुआ है। उल्लेखनीय है कि डीबीएस बैंक

सिंगापुर का सबसे बड़ा क्षेत्रीय बैंक है। भारत के मेरठ में जन्मे पीयूष गुप्ता ने नवंबर, 2009 में पहली बार डीबीएस बैंक के सीईओ की कमान संभाली थी। उसके बाद से वह 15 वर्षों से अधिक समय तक बैंक के शीर्ष अधिकारी रहे। गुप्ता के नेतृत्व में डीबीएस ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं, जिसमें कई बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैंक का खिताब पाना भी शामिल है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का रक्त दान की अपील

नयी दिल्ली। उपभोक्ता टिकाऊ उत्पाद निर्माता एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने लोगों से जीवन रक्षा के लिए रक्त दान करने की अपील करते हुये नोएडा स्थिम कॉर्पोरेट कार्यालय में रक्तदान शिवरि का आयोजन किया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इसमें रक्तदान के लिए उसके 200 से अधिक कर्मचारियों ने पंजीयन कराया जिसमें से 152 ने रक्तदान के लिए निर्धारित पात्रता को पूरा किया। आज उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस आयोजन में कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने की ब्रांड की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई। 200 से अधिक कर्मचारियों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया, जिनमें से 152 दाताओं ने रक्तदान के लिए निर्धारित पात्रता मानकों को पूरा किया। कंपनी अपने मेगा रक्त दान पहल के तहत अब तक भारत में 400 से अधिक रक्तदान शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन कर चुका है। ये शिविर प्रतिष्ठित ब्लड बैंकों और राज्य एवं जिला अस्पतालों के सहयोग से आयोजित किए गए हैं। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया रक्तदान के महत्व को लेकर सक्रिय रूप से जागरूकता बढ़ा रहा है। अधिक से अधिक लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, रेडियो और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चलाया गया।

भारत और अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत का शुरुआती दौर पूरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारियों ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत का शुरुआती दौर नई दिल्ली में पूरा कर लिया है। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते की रूपरेखा को लेकर शुरू हुई वार्ता अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। बीटीए के तहत क्षेत्रीय विशेषज्ञ स्तर की सहभागिताएं आगामी सप्ताहों में वर्चुअल रूप से शुरू होंगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि निष्पक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और रोजगार सृजन सुनिश्चित करने वाले विकास को बढ़ावा देने के साझा उद्देश्य को साकार करने के लिए दोनों पक्षों ने सहमति जताई है। राजधानी नई दिल्ली में चार दिनों की चर्चा के जरिए मोटे तौर पर पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की दिशा में अगले कदमों पर सहमति बनी है। मंत्रालय के मुताबिक बीटीए के तहत क्षेत्रीय विशेषज्ञ स्तर की सहभागिता

आने वाले हफ्तों में वर्चुअल रूप से शुरू होगी, जो व्यक्तिगत रूप से शुरुआती वार्ता दौर का मार्ग प्रशस्त करेगी। इन चर्चाओं के दौरान दोनों पक्षों ने बाजार तक पहुंच बढ़ाने, टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने और पारस्परिक रूप से लाभकारी तरीके से आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को गहरा करने सहित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की मजबूती पर विचार किया। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक भारत और अमेरिका ने बैठक के परिणामों पर संतोष व्यक्त किया और चल रहे सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों पक्ष आने वाले महीनों में इसपर आगे बढ़ते हुए बीटीए को अंतिम रूप देने के लिए तत्पर हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह समृद्धि, लचीलापन और पारस्परिक लाभ के साझा लक्ष्यों के अनुरूप हो। मंत्रालय ने बताया कि 13 फरवरी, 2025 के भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य के अनुवर्ती कार्यवाही के रूप में, जिसमें दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के जरिए 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक विस्तारित करने पर सहमति व्यक्त की थी, भारत के वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के प्रतिनिधियों ने 26-29 मार्च, 2025 तक नई दिल्ली में बैठक की। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और अमेरिका इस साल सितंबर-अक्टूबर तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। दोनों देशों ने साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 अरब डॉलर से दोगुना कर 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य भी रखा है। जानकारों का मानना है कि अमेरिका ने कुछ औद्योगिक वस्तुओं, वाहन, शराब, पेट्रोकेमिकल उत्पादों, डेयरी, कृषि वस्तुओं में भारत से शुल्क रियायतों की मांग की है जबकि भारत कपड़ा जैसे श्रम-बहुल क्षेत्रों के लिए शुल्क में कटौती पर विचार कर सकता है।

खीरा या रोज वॉटर, गर्मियों में स्किन के लिए कौन सा टोनर है बेहतर ? यहां जानें

गर्मियों में स्किन का ख्याल रखना बेहद जरूरी हो जाता है. गर्मी , धूप, धूल और उमस की वजह से स्किन पर कई तरह की समस्याएं आ जाती है, जिन्हें ठीक करने के लिए लोग टोनर का इस्तेमाल करते हैं. लेकिन आपकी स्किन के लिए कौन सा टोनर बेहतर रहेगा, चलिए ये जानते हैं

गर्मियों का मौसम आते ही स्किन से जुड़ी कई समस्याएं बढ़ने लगती हैं. धूप, पसीना, धूल-मिट्टी और उमस की वजह से त्वचा ऑयली हो जाती है और मुंहासे, रैशेज, टैनिंग और पिगमेंटेशन जैसी दिक्कतें सामने आने लगती हैं. ऐसे में स्किन की सही देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है. खासतौर पर, फेस टोनर का सही इस्तेमाल त्वचा को तरोताजा बनाए रखने में मदद करता है. टोनर न केवल त्वचा के पीएच बैलेंस को बनाए रखने में मदद करता है बल्कि स्किन पोर्स को साफ कर ऑयल प्रोडक्शन को कंट्रोल करता है.

लेकिन अक्सर लोग कंफ्यूज हो जाते हैं कि गर्मियों में खीरा बेहतर टोनर है या फिर गुलाब जल ? दोनों ही नेचुरल टोनर के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं और त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं. लेकिन आपकी स्किन के हिसाब से कौन सा टोनर सबसे बेहतर रहेगा, आइए जानते हैं.

खीरा टोनर

खीरा में 90त्न से ज्यादा पानी होता है, जो त्वचा को नेचुरल तरीके से हाइड्रेट करता है. इसमें मौजूद विटामिन ष्ट, विटामिन च और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा की जलन को कम करते हैं और स्किन को फ्रेश बनाते हैं.

खीरा टोनर के फायदे

स्किन को डीप हाइड्रेशन देता है खीरा का टोनर त्वचा में नमी बनाए रखने के लिए सबसे असरदार है. ये स्किन ड्राई होने से बचाता है, जिससे स्किन हाईड्रेटिड रहती है और ग्लो करती है.सनबर्न और जलन को कम करता है गर्मियों में तेज धूप से स्किन पर जलन और सनबर्न की समस्या हो जाती है, जिसे खीरा का टोनर शांत करने में काफी असरदार है.

स्किन को ठंडक पहुंचाता है खीरे की तासीर ठंडी होती है, जिससे ये गर्मियों में स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है. गर्मियों में खीरा टोनर लगाने से स्किन को ठंडक मिलती है.डार्क सर्कल्स और पफीनेस कम करता है अगर आंखों के नीचे सूजन या डार्क सर्कल्स हैं तो खीरा का टोनर असरदार साबित हो सकता है. साथ ही ये पफीनेस को भी कम करता है.

रोज वॉटर टोनर

गुलाब जल को स्किन केयर में सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है. इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो स्किन को रिफ्रेश और ग्लोइंग बनाते हैं.

रोज वाटर टोनर के फायदे

स्किन का पीएच बैलेंस बनाए रखता है गुलाब जल त्वचा के पीएच लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है, जिससे स्किन हेल्दी और ग्लोइंग बनी रहती है. गर्मियों में इसका इस्तेमाल काफी फायदेमंद है.

स्किन को टोन और टाइट करता है अगर आपकी स्किन लूज हो गई है तो रोज वॉटर टोनर इसे टाइट करने में मदद कर सकता है. रोज वॉटर के रेगुलर इस्तेमाल से स्किन पोर्स टाइट होते हैं और स्किन ज्यादा यंग और हेल्दी दिखती है.

पिंपल्स और एक्ने को कम करता है रोज वॉटर टोनर में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं.

पहाड़ में पलाश के फूलों की निराली छटा

हम मध्यप्रदेश के होशंगाबाद (नर्मदापुरम) जिले को देखें तो भौगोलिक रूप से दो हिस्सों में बांट सकते हैं। एक है सतपुड़ा पहाड़ की जंगल पट्टी, और दूसरा है नर्मदा कछार। सतपुड़ा की पट्टी में मुख्य रूप से आदिवासी रहते हैं जबकि नर्मदा कछार को बहुत उपजाऊ माना जाता है। नर्मदा किनारे की मिट्टी बहुत ही उर्वर है।गांवों के आसपास अमराई (आम के बगीचे) हुआ करती थी, कुछ जगह तो अब भी है।

इन दिनों सतपुड़ा के जंगल और पहाड़ में पलाश के फूलों की बहार है। आम के बौर आए हैं, उनकी ताज़ी खुशबू हवा में फैली है। पेड़ों में नए पत्तों की कोपलें आ गई हैं। नीम भी हरी-भरी हो गई है। पक्षियों की चहचहाहट है। मौसम खुशगवार है। आज के कॉलम में जंगल और उसके आसपास के जनजीवन की चर्चा करना चाहूंगा, जिससे इलाके को समग्रता से समझा जा सके। इस इलाके के लोग, जंगल, पहाड़ और नदियां ही यहां की पहचान है।छुटपन ही मेरा गांव में बीता है। हमारा गांव सतपुड़ा की तलहटी में बसा है। अगर हम मध्यप्रदेश के होशंगाबाद (नर्मदापुरम) जिले को देखें तो भौगोलिक रूप से दो हिस्सों में बांट सकते हैं। एक है सतपुड़ा पहाड़ की जंगल पट्टी, और दूसरा है नर्मदा कछार। सतपुड़ा की पट्टी में मुख्य रूप से आदिवासी रहते हैं जबकि नर्मदा कछार को बहुत उपजाऊ माना जाता है। नर्मदा किनारे की मिट्टी बहुत ही उर्वर है।गांवों के आसपास अमराई (आम के बगीचे) हुआ करती थी, कुछ जगह तो अब भी है। मुझे कुछ समय तक इटारसी के पास केसला में अमराई में रहने का मौका मिला था। आम की मंजरी (आम के फूल, जो छोटे-छोटे समूहों में होते हैं) की तरह तुलसी की मंजरी भी होती है। इसे पुष्प गुच्छ भी कह सकते हैं। इस पर तरह-तरह के पक्षी, तितलियां व भंवरे मंडराते रहते हैं। हवा में इसकी खुशबू फैलती है। जब मैं गर्मी के दिनों में खुले आसमान के नीचे सोता था, तब इसकी मंद-मंद बयार बहुत भाती थी।

होली का त्यौहार आते ही यह जंगल पलाश (स्थानीय भाषा में इसे खकरा कहते हैं) के लाल फूलों से सज जाता है। जंगलों में इसकी छटा देखते ही बनती है। इस पर भी चिड़िया फुदक-फुदक कर रस चूसती दिखती हैं। हालांकि ये फूल कुछ ही दिन रहते हैं, और मुरझा कर गिर जाते हैं। किसी कवि ने कहा है कि- दिन दस फूला, फूलि के खंखड़ भवा पलास।

लेकिन साल भर इस मौसम का इंतजार रहता है। होली में इसके फूलों का रंग बनाया जाता था। बांस की पिचकारी में इसे भरकर एक दूसरे पर रंग डाला जाता था। जब गांव में हुरयारे घूमते थे, फागें गाते थे, तब उन पर यही रंग डाला जाता था। पूरा माहौल उत्साह व जोश से भरा होता था। इसके पत्तों से दोना-पत्तल बनाए जाते हैं और इसके तने से रस्सी भी बनाई जाती थी। यानी यह बहुपयोगी वृक्ष है।एक और वृक्ष हमें आकर्षित करता है, वह है सेमल का। अंग्रेजी में इसे सिल्क कॉटन कहते हैं और बुंदेली में इसे सेमरा कहते हैं। इसके चटख लाल फूल अलग से ही अपनी ओर खींचते हैं। इसका एक इस्तेमाल पुराने समय में आग पैदा करने में भी होता था। (चकमक लोहा) को पत्थर से रगड़ने से जो चिंगारी निकलती तो उसे रूई के माध्यम से चूल्हा जलाया जाता था। उस समय माचिस का चलन नहीं होता था।इसके अलावा, जंगल में आंजन की पत्तियां गर्मी में भी हरी होती हैं। इसकी पत्तियों से रस टपकता है। गर्मी में यह ठंडक देती है। इसके अलावा जंगल में महुआ, आम, आंजन, साज, बील, धावड़ा, हर्र, बहेड़ा, आंवला, सरई और कई पेड़-पौधे व कई वनस्पतियां हैं। पतझड़ के मौसम में ये जंगल उदास और पत्तेहीन हो जाते हैं। सतपुड़ा पहाड़ से कई नदियां निकली हैं, जिसकी वजह भी जंगल है, जिन्हें वनपुत्री भी कहा जाता है।इन दिनों खेतों में भी काफी चहल-पहल होती है। गेहूं की कटाई चल रही है। कहीं हाथ से कटाई हो रही है, तो कहीं हारवेस्टर से गेहूं कट रहा है। चना की कटाई हो चुकी है। एक दिन मेरे किसान मित्र ने मुझे होउरा खिलाया। होउरा यानी हरे चने को भूनना, इसका स्वाद ही अनूठा है। पहले चना कटाई के समय मित्रो व पड़ोसियों को होउरा खाने के लिए खेत पर आमंत्रित भी किया जाता था।किसान और मजदूरों का भाईचारा भी इसी समय देखने को मिलता है। किसान को गेहूं कटाई के लिए मजदूरों की मदद चाहिए होती है, मजदूरों को काम। यह वह समय होता है, जब दोनों एक दूसरे के काम आते हैं। खेतों का काम तो होता ही है, साथ में दुख-सुख की बातें भी हो जाती हैं।हालांकि इसमें हारवेस्टर के कारण कमी आई है, फिर भी खेतों में फसलों की सिंचाई के लिए मजदूरों की जरूरत पड़ती है। इसलिए यह रिश्ता बना हुआ है। भूमिहीन मजदूर भी इन खेतों में कटाई के बाद शेष बची बालियां बीनते हैं, किसानों की तरफ से इन्हें छूट दी जाती है। इन गेहूं की बालियां बीनने वालों को बिनैय्या कहते हैं, जो इन दिनों खेतों में खूब दिखते हैं।अगर हम मानसून की बात करें तो उसके आते ही सतपुड़ा के पहाड़ों और जंगलों की छटा देखती ही बनती है। जो जंगल गर्मी में सूखे, उदास और बेजान से दिखते हैं, वे मानसून की बारिश आते ही हरे-भरे और सजीव हो उठते हैं। मन मोह लेते हैं, बरबस अपनी ओर खींचते हैं।बारिश से जमीन, चट्टानें और पेड़ों की नंगी डालियों में नई जान आ जाती है। चारों तरफ हरियाली फूट पड़ती है। पेड़ों की शाखाएं सरसराती हवा में डोलने लगती हैं। चिड़ियां फुदकने लगती हैं। उनके गीत और जंगल की हवा मिल जाती है।जो नदी नाले गर्मी में सूख जाते हैं, या कहें अदृश्य हो जाते हैं, बारिश में बहने लगे हैं। पहाड़ियों से निकल कर झरने कल-कल बहने लगते हैं। इनको देखकर ऐसा लगता है जैसे गुमा हुआ व्यक्ति अचानक से मिल जाता है।मौसम में नई बहार आ जाती है। जगह-जगह से छोटे-बड़े पौधे निकल आते हैं। पेड़ों के बीच से, चट्टानों की दरारों से और जहां आप सोच भी नहीं सकते वहां से पौधे झांकने लगते हैं।बारिश के दौरान पेड़ों से बूंदें टपकना, पेड़ों की डालियों में लड़ियों सी सज जाती हैं। घने मिश्रित के वनों के ऊपर छतरी से छाए बादल मंडराते हैं, धुएं सा आभास होता है, पानी की फुहार गिरती रहती है, रिमझिम-रिमझिम, धीरे-धीरे।उन दिनों सागौन के पेड़ सफेद फूलों से लदे रहते हैं। इसके जुड़वा पत्ते हवा में हिलते हैं। हाथ के स्पर्श से खरखराते हैं। सागौन इमारती लकड़ी है। इसके खुरदरे पत्तों से किसान खेतों में ढबुआ (मंडप) बनाते थे, जिससे वे रखवाली करने के दौरान रहते हैं। जंगल वाले इलाकों में अब भी बनाते हैं। इसके पत्तों से बने ढबुए बहुत ठंडे होते हैं।नर्मदा जो विन्ध्यांचल और सतपुड़ा के बीच मैकल पर्वत से निकलती है, इसलिये इसे मैकलसुता कहते हैं। इसकी बंजर, शेर, दूधी, शक्कर, पलकमती, तवा, देनवा जैसी सहायक नदियां भी सतपुड़ा पहाड़ से निकलती हैं। इनमें में कुछ सदानीरा थी, बारहमासी नदियां थी, जो अब बारिश में ही बहती हैं। जंगल का मोहक रूप मानसून में होता है, इसी जंगल और पहाड़ से नदियों का अस्तित्व जुड़ा है।जबलपुर के पास भेड़ाघाट, जहां मैं जाता रहा हू, नर्मदा को देखने का आनंद ही अनूठा है। विशेषकर, यहां जब नर्मदा कोई 10-12 फीट नीचे खड्ड में गिरती है और फुहारों के साथ ऊपर उछलती है, मचलती है। गेंद की तरह टप्पा खाकर फब्वारों के साथ ऊपर कूदती है।

घंटों निहारते रहो, फिर भी मन न भरे। जल प्रपात का ऐसा नजारा शायद ही कहीं और देखने को मिले।यहां की संझा आरती में मुझे शामिल होने का मौका मिला है। भक्तगण नर्मदा मैया की आरती करते हैं। दीया जलाकर लोग आरती करते हैं और कुछ लोग नर्मदा में दीप प्रवाह करते हैं। नर्मदा की धार में दीप प्रवाह का यह नजारा अनोखा है, यह दृश्य बरसों बाद भी मेरी आंखों में तैर रहा है।कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है सतपुड़ा के जंगल और पहाड़ की खूबसूरती देखते ही बनती है। प्राकृतिक सुंदरता के साथ सांस्कृतिक विविधता भी यहां की पहचान हैं। पचमढ़ी, जिसे सतपुड़ा की रानी कहा जाता है, महादेव की नगरी है। यहां नर्मदा तो यहां की मैय्या है, लोग पूजा करते हैं और परिक्रमा करते हैं।जंगल एक समुदाय की तरह है, यहां सिर्फ पेड़ ही नहीं, कई तरह की जड़ी-बूटियां, जंगली-जानवर, पक्षी, कीट पतंगे इत्यादि हैं। इसके साथ इसका एक इतिहास भी है, खेती-बाड़ी, खान-पान, रहन-सहन की विविध संस्कृति भी है।

संपादकीय

फिर कांपी धरती

शुक्रवार को म्यांमार केंद्रित 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने यहां और थाईलैंड में भारी तबाही मचाई। भूकंप का असर करीब चार मिनट तक रहा। अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार बारह मिनट के अंतराल के बाद भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र म्यांमार के सागाइंग से 18 किमी दक्षिण में था। भूकंप से म्यांमार में भारी तबाही दिखी और पुल व बिल्डिंगें ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखी। म्यांमार में तबाही इतनी ज्यादा बतायी जा रही है कि सैन्य प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की गुहार लगायी है। इतना ही नहीं भूकंप के झटकों से म्यांमार से करीब एक हजार किमी दूर स्थित थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई भवनों के ध्वस्त होने व सड़कें फटने की खबरें हैं। बैंकॉक में एक तीस मंजिला बिल्डिंग धराशायी हो गई।

आशंका है कि इसमें अभी 43 मजदूर फंसे हुए हैं। भूकंप के झटकों से सहमे लोग मदद की गुहार लगाते रहे। घायल लोगों से अस्पताल भरे नजर आए। दीवारें फटने, इमारतों के गिरने से लोग दहशत में दिखे। शुरुआत आंकड़ों के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों के मरने व सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। लेकिन अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच सकता है। भूकंप के केंद्र के निकट स्थित यंगून ही नहीं म्यांमार के अनेक शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां छह प्रांतों में आपात स्थिति घोषित हुई है। इसके अलावा चीन के कुछ हिस्सों व थाइलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक तीस मंजिला इमारत के धराशायी होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई जगहों में इमारतों के रूफटॉप पर बने स्वीमिंग पूल का पानी सड़कों पर बहता नजर आया। भयभीत लोगों के चीखने से मंजर भयावह नजर आ रहा था। लोग मदद की गुहार लगा रहे थे।दरअसल, थाईलैंड भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील नहीं है, लेकिन म्यांमार में आने वाले भूकंप के झटकों का असर यहां दिखता है। भूकंपीय दृष्टि से

संवेदनशील न होने के कारण थाईलैंड में भवन निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक का उपयोग नहीं होता।जिसकी वजह से ज्यादा नुकसान की आशंका जतायी जा रही है। अस्पतालों में उपचार कराने वालों की लंबी कतारें देखी गई हैं। वहीं 2021 से सैन्य शासन के अधीन और गृहयुद्ध से जूझता म्यांमार इस प्राकृतिक आपदा के बाद हताश नजर आया। इंटरनेट का प्रयोग सीमित होने से वहां की स्थिति जानने में दिक्कत आ रही है। पहली बार सैन्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की अपील की है। प्रधानमंत्री ने भूकंप पीड़ितों की मदद के लिये अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई को कहा है। म्यांमार के दूसरे बड़े शहर मांडले से भी ऐतिहासिक रॉयल पैलेस व अन्य बिल्डिंगें गिरती नजर आई हैं। मांडले को राजधानी से जोड़ने वाली सड़कों में चौड़ी दरारें देखी गई हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे समेत जर्मनी व चीन की भूकंप पर नजर रखने वाली संस्थाएं भारी जन-धन के नुकसान की आशंका जता रही हैं।

अमेरिकी वैज्ञानिक भूकंप का केंद्र धरती से दस किलोमीटर नीचे होना बता रहे हैं। खबरें हैं कि म्यांमार की राजधानी नेपिडो में भी काफी क्षति हुई है। लोग भूकंप के ऑफ्टर शॉक के भय से खुले में रात बिताने को मजबूर हैं। वहीं म्यांमार व थाईलैंड के अलावा इस भूकंप के झटके दक्षिण पश्चिम चीन के यून्नान प्रांत में महसूस किए गए।

हालांकि, थाईलैंड में बड़े भूकंपों का इतिहास नहीं रहा है, लेकिन म्यांमार के भूकंप फॉल्ट लाइन पर होने के कारण भूकंप पहले भी आते रहे हैं।

नरेंद्र मोदी के बड़े पैमाने पर प्रचारित मेक इन इंडिया की पोल खुली

जी.टी. विश्लेषण में कहा गया है कि %आगे का रास्ता प्रणालीगत संस्थागत सुधार में निहित है जो भारत की वास्तविकताओं के अनुकूल हो। विनिर्माण शक्तियों की श्रेणी में शामिल होने के लिए, भारत को अपनी औपनिवेशिक विरासत की बेड़ियों को तोड़ना होगा जिसमें शासन संरचनाओं को सुव्यवस्थित करना, स्थानीय सशक्तिकरण को आगे बढ़ाना और शैक्षिक समानता के माध्यम से औद्योगिक कार्यबल को बढ़ावा देना शामिल हो।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जुमलों के सुपर सेल्समैन के रूप में जाने जाते हैं। जनधन खाते से लेकर हर साल युवाओं के लिए दो करोड़ नौकरियां पैदा करने तक, 2014 से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के सभी प्रचार-प्रसार एक बड़ी विफलता साबित हुए हैं। पिछले कुछ सालों में भी भाजपा की चुनावी मशीनरी या आधिकारिक एजंसियों ने प्रधानमंत्री के इन दो वायदों का कभी जिक्र नहीं किया। लेकिन उनका सबसे चर्चित और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम मेक इन इंडिया था, जिसकी घोषणा केंद्र में उनके कार्यभार संभालने के तुरंत बाद की गयी थी। 23अरब अमेरिकी डॉलर की उत्पादकता से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, जो 2021 में एमआईआई कार्यक्रम का प्रमुख कार्यक्रम है, के बारे में मोदी ने घोषणा की थी कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप 2025 में देश के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत तक होने के साथ भारत दुनिया का उत्पादन केंद्र बन जायेगा। अब 2025 आ गया है, लेकिन सरकार ने बिना किसी आधिकारिक घोषणा के चुपके से मेक इन इंडिया के लिए बनायी गयी 23अरब डॉलर की पीएलआई योजना को समाप्त कर दिया है।

इस योजना का विस्तार 14 पायलट क्षेत्रों से आगे नहीं किया जायेगा और उत्पादन की समय सीमा नहीं बढ़ायी जायेगी। सरकार की विफलता बहुत बड़ी थी। मेक इन इंडिया और संबंधित पीएलआई योजना की नीतियों को तैयार करने में पीएमओ द्वारा दिया गया नेतृत्व कंपनियों को प्रेरित करने और नियामक और नौकरशाही बाधाओं को दूर करने में पूरी तरह विफल रहा। इसका एक मुख्य उद्देश्य चीन से आने वाले अमेरिकी और अन्य विदेशी निवेशों में से कुछ को भारत में स्थानांतरित करना था। उद्देश्य न केवल अपूर्ण रहा, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के अनुसार 2025 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का हिस्सा 25 प्रतिशत के वादे के विपरीत अभी 14.3 प्रतिशत पर अटका हुआ है। विरोधाभास यह है कि पीएलआई योजना की शुरुआत के समय सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का हिस्सा 15.4 प्रतिशत था। इसलिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा पीएलआई योजना के पिछले चार वर्षों के मुकाबले कम हो गया।रॉयटर्स समाचार एजेंसी ने पिछले सप्ताह शुक्रवार को भारतीय उद्योग के लिए भयानक खबर जारी की, जिसके कारण विदेशी निवेशकों और प्रतिस्पर्धियों, खासकर चीन की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया आई। बुधवार तक, सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर पीएलआई योजना की समाप्ति पर कोई बयान जारी नहीं किया गया है, हालांकि पूरे भारतीय उद्योग के लोग इसके प्रभाव का आकलन कर रहे हैं। पीएलआई योजना में भाग लेने वाले कई लोगों ने कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने पर काम करना शुरू कर दिया है। रॉयटर्स ने सरकारी दस्तावेज के हवाले से बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने वाली कई फर्में उत्पादन शुरू करने में विफल रहीं, जबकि विनिर्माण लक्ष्य को पूरा करने वाली अन्य फर्मों ने पाया कि भारत सब्सिडी का भुगतान करने में धीमा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संकलित कार्यक्रम के विश्लेषण के अनुसार, अक्टूबर 2024 तक, भाग लेने वाली फर्मों ने कार्यक्रम के तहत 151.93अरब मूल्य के सामान का उत्पादन किया था, जो मोदी सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 37 प्रतिशत था। दस्तावेज़ में कहा गया है कि भारत ने केवल 1.73 बिलियन का प्रोत्साहन जारी किया था-जो आवंटित धन का 8 प्रतिशत से भी कम है।

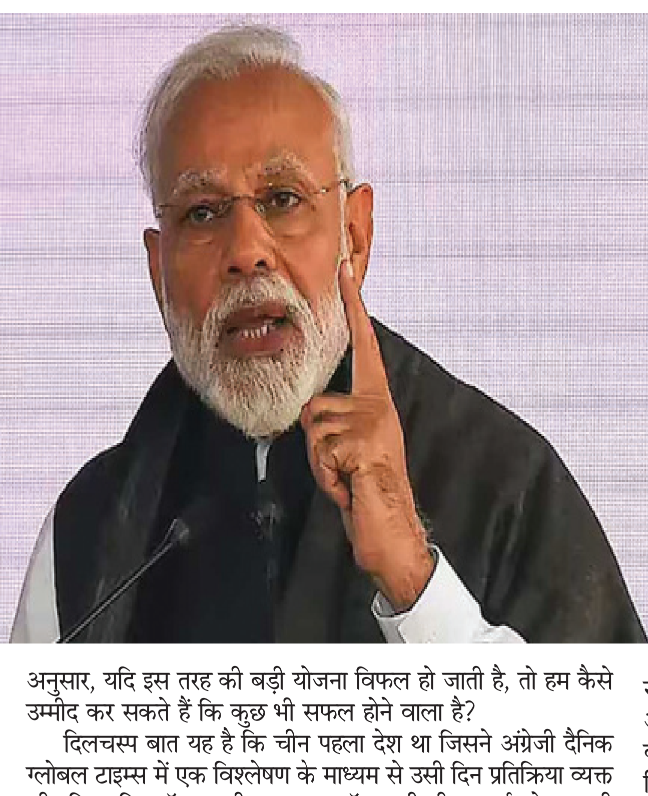

भारतीय व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक लालफीताशाही और नौकरशाही की सावधानी ने पीएलआई योजना की प्रभावशीलता को बाधित करना जारी रखा

एक विकल्प के रूप में, भारत संयंत्र स्थापित करने के लिए किये गये निवेश की आंशिक रूप से प्रतिपूर्ति करके कुछ क्षेत्रों का समर्थन करने पर विचार कर रहा है, जिससे फर्मों को दूसरे के उत्पादन और बिक्री की प्रतीक्षा करने की तुलना में लागत को तेज़ी से वसूलने की अनुमति मिलेगी। नवीनतम निर्णय भारत और अमेरिका के बीच नई दिल्ली में व्यापार वार्ता के संदर्भ में हुआ है, जो भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक शुल्क लगाने की ट्रम्प की धमकी की छाया में है। पीएलआई योजना की जगह लेने वाली वैकल्पिक योजना को वैश्विक स्तर पर नये व्यापार युद्ध की स्थिति को ध्यान में रखना होगा।विदेश व्यापार के एक प्रमुख विशेषज्ञ बिस्वजीत धर का मानना है कि पीएलआई योजना भारत के पास देश के विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने का संभवतः आखिरी मौका था। उनके अनुसार, यदि इस तरह की बड़ी योजना विफल हो जाती है, तो हम कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि कुछ भी सफल होने वाला है?

दिलचस्प बात यह है कि चीन पहला देश था जिसने अंग्रेजी दैनिक ग्लोबल टाइम्स में एक विश्लेषण के माध्यम से उसी दिन प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिस दिन रॉयटर की 23अरब डॉलर की पीएलआई योजना की समाप्ति के बारे में रिपोर्ट जारी की गयी थी। पीएलआई योजना की विफलता के कारणों पर एक विश्लेषण में, ग्लोबल टाइम्स लिखता है, %चीन के विनिर्माण प्रभुत्व को चुनौती देने के उद्देश्य से अपनी 23अरब डॉलर की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू करने के चार साल बाद, भारत की प्रमुख मेक इन इंडिया पहल संस्थागत जड़ता का एक चेतावनीपूर्ण उदाहरण बन गयी है। जैसा कि शुक्रवार को रॉयटर्स ने खुलासा किया, यह एक बार बहुप्रतीक्षित और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम अपने रास्ते से भटक गया है।विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का योगदान केवल 13 प्रतिशत है - जो चीन के 26 प्रतिशत और वियतनाम के 24 प्रतिशत से काफी कम है। ग्लोबल टाइम्स विश्लेषण बताता है कि ये आंकड़े एक गहरी प्रणालीगत अस्वस्थता को दर्शाते हैं। भारत के विनिर्माण विकास की वास्तविकता यह दर्शाती है कि मानवीय कारक निर्णायक बना हुआ है, जिसके लिए औपनिवेशिक संस्थाओं और वैचारिक ढांचों से प्रस्थान की आवश्यकता है, जिसमें संस्थागत समायोजन और नवाचार भी शामिल है।जी.टी. विश्लेषण में कहा गया है कि %आगे का रास्ता प्रणालीगत संस्थागत सुधार में निहित है जो भारत की वास्तविकताओं के अनुकूल हो। विनिर्माण शक्तियों की श्रेणी में शामिल होने के लिए, भारत को अपनी औपनिवेशिक विरासत की बेड़ियों को तोड़ना होगा जिसमें शासन संरचनाओं को सुव्यवस्थित करना, स्थानीय सशक्तिकरण को आगे बढ़ाना और शैक्षिक समानता के माध्यम से औद्योगिक कार्यबल को बढ़ावा देना शामिल हो। इसके लिए राज्य की मशीनरी और आधुनिक उद्योग की मांगों के बीच एक व्यापक संरेखण की ओर पीएलआई योजना के वित्तीय बैंड-एड दृष्टिकोण से आगे बढ़ना आवश्यक है।

ग्लोबल टाइम्स चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा संचालित पीपुल्स डेली समूह का अंग्रेजी दैनिक है। इसलिए इसके विचार चीनी सरकार के विचारों को दर्शाते हैं। समय महत्वपूर्ण है। 22 अक्टूबर को रूसी शहर कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत के बाद से भारत-चीन संबंधों में सुधार हुआ है। अमेरिकी पत्रकार लेक्सर्फ्रिडमैन को दिये गये अपने साक्षात्कार में भारतीय प्रधानमंत्री ने चीन के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा और सहयोग पर जोर दिया है। इससे यह संकेत मिला कि भारत चीन के साथ मुद्दों को मित्रवत तरीके से सुलझायेगा। आर्थिक सहयोग उनमें से एक था।

मोदी सरकार के पिछले आर्थिक सर्वेक्षण में भारत में चीनी निवेश के माध्यम से भारतीय उद्योग के लिए अवसरों का उल्लेख किया गया था। चीनी आयात जारी है, लेकिन निवेश पर प्रतिबंध है। ऐसे संकेत हैं कि विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई प्रवाह बढ़ाने की वैकल्पिक योजना के हिस्से के रूप में, चीनी निवेश का स्वागत किया जा सकता है - वर्तमान बाधाओं में से कुछ को हटाकर। भारतीय निर्माता इसमें रुचि रखते हैं। यह सही समय है कि प्रधानमंत्री अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांतों पर आधारित टिकाऊ विनिर्माण कार्यक्रम का विकल्प चुनें, न कि महत्वाकांक्षी दिखावटी वायदे करें जो हासिल नहीं किये जा सकते।

फूड फ्लेवरिस्ट स्वाद में छिपा कॅरियर का खजाना

फूड प्रोसेसिंग कंपनियों में हमेशा ही फूड फ्लेवरिस्ट की डिमांड बनी रहती है। इसके अलावा आप चाय, कॉफी या वाइन इंडस्टी में भी काम की तलाश कर सकते हैं। कुछ फ्लेवरिस्ट कई फूड प्रॉडक्शन कंपनियों के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

किसी भी फूड आइटम को खाने से पहले एक बात जो सबसे पहले दिमाग में आती है वो है कि उस चीज का स्वाद कैसा होगा। यकीनन भोजन के दौरान पोषण का ख्याल रखा जाता है, लेकिन किसी भी फूड आइटम के न्यूट्रिशन वैल्यू से भी ज्यादा जरूरी होता है उसका टेस्ट। अगर हेल्दी चीज का टेस्ट अच्छा ना हो तो लोग उससे दूरी बनाते हैं। वहीं टेस्टी आइटम की तरफ बच्चों से लेकर बड़ों तक का झुकाव देखा जाता है। वैसे तो कई तरह के फूड आइटम का अपना एक नेचुरल टेस्ट होता है। लेकिन कुछ चीजों में टेस्ट डेवलप किया जाता है और इसे डेवलप करने का काम करते हैं फूड फ्लेवरिस्ट। तो चलिए जानते हैं इस अनोखे कॅरियर के बारे में

क्या होता है काम

फूड फ्लेवरिस्ट का मुख्य काम भोजन व अन्य प्रॉडक्ट्स के लिए फ्लेवर को डेवलप करना होता है। एक व्यक्ति द्वारा प्रतिदिन खाए जाने वाले आहार में एक बड़ा हिस्सा कृत्रिम स्वाद का भी होता है। जो इन्हीं पेशेवरों द्वारा विकसित किए जाते हैं। एक फूड फ्लेवरिस्ट आलू के चिप्स लेकर आईसक्रीम तक में फ्लेवर को डेवलप करने का काम करते हैं। इस पेशे का सबसे चुनौतीपूर्ण पहलू यह है कि न केवल स्वाद

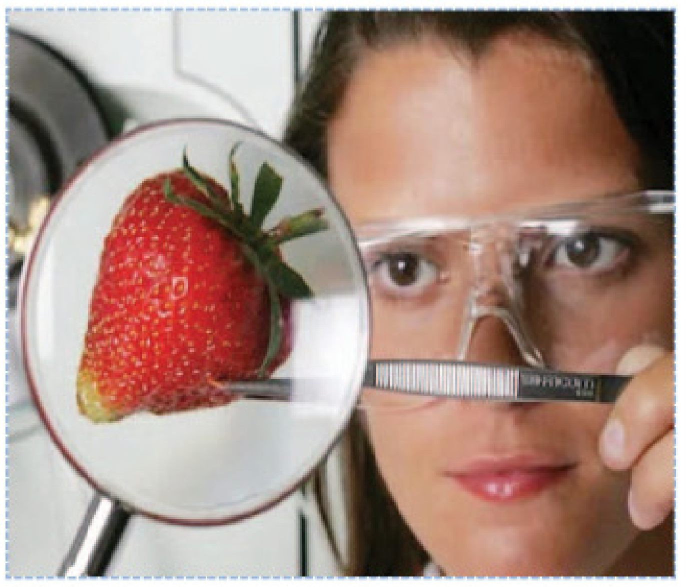

बढ़ाने के लिए एक स्वादवादी सामग्री और रसायनों का उपयोग भोजन को स्वादिष्ट बनाना चाहिए, बल्कि इसे भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों को भी पूरा करना चाहिए। साथ ही यह मानव उपभोग के लिए सुरक्षित होना चाहिए। इसलिए एक फूड फ्लेवरिस्ट तरह-तरह के स्वाद डेवलप करने के दौरान कई तरह की सावधानियां बरतते हैं।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इस क्षेत्र में भविष्य देख रहे छात्रों में टेस्ट व स्मेल के सेंस की गहरी भावना होनी सबसे जरूरी है। साथ ही उनमें नई महक व टेस्ट को अनुभव करने की उत्सुकता होनी चाहिए। फ्लेवरिस्ट को एक टीम में रचनात्मक, सहज, प्रेरित, समर्पित और काम करने में सक्षम होना चाहिए। धैर्य और प्रयोग करने की इच्छा भी महत्वपूर्ण है। डेटाबेस, स्प्रेडशीट, सॉफ्टवेर्यस आदि को संभालने के लिए किसी के पास कंप्यूटर कौशल होना चाहिए। उन्हें भोजन की संरचना की सामान्य समझ भी होनी चाहिए।

इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए आपको बीएससी या एमएससी इन केमिस्टी या बायोकेमिस्टी होना चाहिए। इसके अलावा फूड टेक्नोलॉजी की बेसिक जानकारी आपको अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी। इस क्षेत्र में रूचि रखने वाले छात्र रसायन विज्ञान या जीव विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं और फिर फूड साइंस में मास्टर्स कर सकते हैं।

संभावनाएं

फूड प्रोसेसिंग कंपनियों में हमेशा ही फूड फ्लेवरिस्ट की डिमांड बनी रहती है। इसके अलावा आप चाय, कॉफी या वाइन इंडस्टी में भी काम की तलाश कर सकते हैं। कुछ फ्लेवरिस्ट कई फूड प्रॉडक्शन कंपनियों के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वे उत्पादों के लिए विशिष्ट जायके का उत्पादन करने में मदद करने के लिए एक कंपनी को परामर्श सेवाएं भी प्रदान कर सकते हैं। एक फूड फ्लेवरिस्ट के लिए अवसर सिर्फ फूड इंडस्टी तक ही सीमित नहीं है। वर्तमान में, टूथपेस्ट, पेय पदार्थ, दवाएं, डिशवाशिंग तरल पदार्थ, सौंदर्य प्रसाधन आदि जैसी वस्तुओं के उत्पादन में भी इनकी जरूरत महसूस की जाती है। इसलिए फ्लेवरिस्ट के पास उन कंपनियों में भी काम के अवसर मौजूद हैं जो त्वचा की क्रीम, सौंदर्य प्रसाधन, हेयर केयर प्रॉडक्ट आदि का निर्माण करते हैं।

आमदनी

कॅरियर एक्सपर्ट्स बताते हैं कि एक फ्लेवरिस्ट की आमदनी उसके कौशल व अनुभव के आधार पर तय होती है। हालांकि एक फ्रेशर 10000 से 15000 रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

JEE Mains की ऐसे करें तैयारी तो जरूर मिलेगी सफलता

हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है।

आज के समय में केवल इंजीनियरिंग और डॉक्टरी ही कॅरियर के केंद्र बिंदु नहीं हैं, बल्कि दूसरे तमाम कॅरियर ऑप्शंस बच्चों के सामने मौजूद हैं। पर इस बात से शायद ही कोई इनकार करेगा कि बावजूद दूसरे ऑप्शंस की उपलब्धता के आज भी इंजीनियरिंग एक शानदार और चमकता कॅरियर माना जाता है। उसमें भी बात जब आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश की हो, तब हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए आपको किस ढंग से तैयारी करनी चाहिए।

आठवीं के तुरंत बाद सजगता आवश्यक

जी हां! भारत भर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है आईआईटी की परीक्षा। ऐसे में अगर आप यह सोचते हैं कि तुरंत ही तैयारी करके आप आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पा लेंगे तो यह दिवा-स्वप्न जैसा साबित हो सकता है, खासकर सामान्य बुद्धि के बच्चों के लिए!

सच तो यह है कि ऐसे लोग ही इस परीक्षा में ज्यादा सफल होते हैं जो आठवीं के बाद तुरंत ही सजग हो जाते हैं। वह नहीं तो उनके माता-पिता अपने बच्चों को आईआईटी की गंभीरता से रूबरू करा ही देते हैं। ऐसे बच्चे न केवल अपना नियमित पठन-पाठन वह पूर्णता के साथ करते हैं, बल्कि आईआईटी तैयारी के लिए फाउंडेशन कोर्स उनके लिए मददगार साबित होता है।

सेल्फ स्टडी

आठवीं के बाद 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं का अगर आपने सजगता से अध्ययन कर लिया, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के फंडामेंटल्स क्लियर कर लिए, तो आप यह समझ लें कि पहली बाधा आपने क्रॉस कर ली। इसके साथ

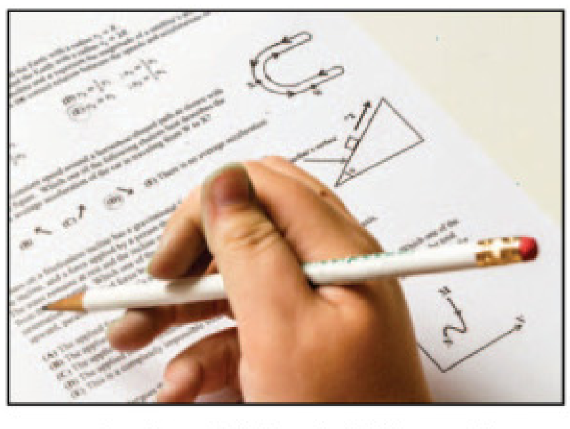

अगर आपने फाउंडेशन कोर्स और आईआईटी के प्रश्न पत्रों के पैटर्न को माध्यम बनाकर तैयारी कर ली और उस तरह के प्रश्नों पर पकड़ बना ली तो आप इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा को अवश्य ही क्रैक कर सकते हैं।

रूटीन बना कर पढ़ना

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास करना किसी महायुद्ध से कम मत मानिये। इसके लिए आपको एक एक क्षण का महत्त्व समझना पड़ता है। अगर आप नियमित रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, और खुद को सख्त अनुशासन में नहीं रखते हैं तो आप यह जान लें कि आप लाखों नौजवानों से पीछे रह जाने वाले हैं।

रिवीजन का महत्व

आपने आईआईटी की तैयारी कर ली है तो आप रिवीजन के महत्व को कम मत आंकिये। आप लगातार अपने पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करते रहेंगे तो इससे आप परीक्षा के समय भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ ही अगर आपने अच्छे से रिवीजन किया है तो परीक्षा के दौरान आपको घबराहट महसूस नही होगी और प्रत्येक विषय पर आप की पकड़ मजबूत बनती जाएगी। ऐसे में निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास आसमान छू सकता है। कैरियर काउंसलर रिविजन के महत्त्व पर काफी जोर देते हैं।

समयबद्ध, मॉक टेस्ट के अनुसार करें तैयारी

ध्यान रहे अब चाहे जितना भी सिलेबस की तैयारी कर लें, लेकिन अगर बीच-बीच में अपनी तैयारियों की जांच आप नहीं करते हैं तो संभवत : परीक्षा के समय पर आप उलझन में पड़ सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको मॉक टेस्ट का तरीका अपनाना होगा। इसके लिए आप आईआईटी के पिछले साल के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तय समय सीमा में करने का प्रयत्न करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर आप बार-बार इस प्रयास को करते हैं तो आप की पकड़ ना केवल प्रश्नों पर बनेगी बल्कि आप समय का भी प्रबंधन अच्छे से कर पाएंगे और तय समय सीमा में अपने प्रश्न पत्र को साल्व कर पाएंगे।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले फिलहाल क्या करें ?

व्यायाम के माध्यम से खुद को तंदुरुस्त रखने की कोशिश करनी चाहिए। क्योंकि फिजिकल एक्टिविटी के नाम पर इस वक्त आप कम्युनिटी में खेल भी नहीं सकते, इसलिए यह और ज्यादा इंपॉर्टेंट हो जाता है कि अपनी दिनचर्या को नियमित रखते हुए तन को स्वस्थ रखा जाए। ऐसे लाखों बच्चे होंगे जो मन में सपने सजाये होंगे कि 12वीं के बाद वह किसी इंजीनियरिंग या मेडिकल संस्थान में दाखिला लेंगे और कॅरियर के पड़ाव में अगला कदम रखेंगे। मुसीबत यह है कि कोविड-19 के काल ने हर एक की योजनाओं पर कुठाराघात कर दिया है। सामने बसे मुश्किल उन बच्चों के सामने है, जिन्होंने 12वीं का एग्जाम देकर सुनहरे कॅरियर के सपने संजोए थे। इस समय वह किमकर्तव्यविमूढ़ हो गए हैं। ऐसे में उन्हें एक्जैक्टली क्या करना चाहिए, आइए एक दृष्टि डालते हैं-

तन और मन को रखें स्वस्थ

जी हां! किसी भी प्रकार की चिंता करने की बजाय आपको खुद को स्वस्थ रखना कहीं ज्यादा आवश्यक है। आगे क्या होगा, कौन सा कॅरियर आप चुनेंगे, इसको लेकर बेवजह का तनाव आपको नहीं लेना चाहिए बल्कि, इसकी बजाय आपको जितना संभव हो व्यायाम के माध्यम से खुद को तंदुरुस्त रखने की कोशिश करनी चाहिए। क्योंकि फिजिकल एक्टिविटी के नाम पर इस वक्त आप कम्युनिटी में खेल भी नहीं सकते, इसलिए यह और ज्यादा इंपॉर्टेंट हो जाता है कि अपनी दिनचर्या को नियमित रखते हुए तन को स्वस्थ रखा जाए। इसी प्रकार यह अवस्था ऐसी है कि मन भटकाव के दौर में गुजरता है, इसलिए हर किसी के घर में गीता रामायण जैसी किताबें भी होती हैं, उसका अध्ययन करके आप अपने मन को शांत और स्थिर रखने का प्रयत्न करें। ऑनलाइन भी कई सारी बुक्स उपलब्ध हैं, यहां तक कि ऑडियो और वीडियो बुक्स का भी आप सहारा ले सकते हैं, लेकिन आवश्यक है कि तन और मन को पूरी तरह से स्वस्थ रखा जाए।

जल्दबाजी में ना करें ऑनलाइन कोर्स में दाखिला लेने का फैसला

कई बार बच्चे जल्दबाजी में तमाम कोर्सेज में एडमिशन लेने का फैसला कर बैठते हैं। वर्तमान में कई सारी कोचिंग संस्थाएं और दूसरे एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ऑनलाइन ट्रेनिंग और कोचिंग देने के नाम पर भारी-भरकम फीस वसूलने लगे हैं, पर विडंबना यह है कि ऑनलाइन ट्रेनिंग देने की उनके पास खुद बेसिक सुविधाएं नहीं हैं। कइयों के पास, उनके शिक्षक ऑनलाइन ट्रेनिंग देने में और काउंसलिंग करने में दक्ष ही नहीं हैं, और ना ही उनके पास इससे संबंधित बढ़िया इंफ्रास्ट्रक्चर है। ऐसे में अगर आप जल्दबाजी में किसी इंस्टिट्यूट के ऑनलाइन कोर्स में एडमिशन लेने का फैसला लेते हैं तो कहीं ना कहीं बाद में आपको निराशा हाथ लगेगी। इसकी बजाय आवश्यक है कि इंटरनेट पर पहले सम्बंधित संस्थान का फ्री डेमो देखने का प्रयत्न करें और फ्री डेमो से अगर संतुष्ट हो जाते हैं तो पार्टिकुलर संस्थान के बारे में रिव्यू देखें। इसके बाद आप प्राइस कंपैरिजन करके किसी निश्चित कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि दाखिला लेने के पश्चात आप उपयुक्त कोर्स का कितना यूटिलाइजेशन कर सकेंगे, सिर्फ एडमिशन लेने के लिए पैसे और समय की बर्बादी न करें, बल्कि उसका उपयोगी होना सुनिश्चित करें। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आप ध्यान रखकर फैसला लेते हैं तो उसका बेहतर उपयोग आप आसानी से सुनिश्चित कर सकेंगे।

सेल्फ स्टडी है आवश्यक

ध्यान रहे ऑनलाइन कोर्सेज में आप चाहे जितना जोर लगा लें, किंतु अगर आप सेल्फ स्टडी नहीं करते हैं तो कहीं ना कहीं आपके सामने समस्या आ सकती है। इसीलिए आवश्यक है कि आप खुद से भी स्टडी अवश्य करें। खासकर तब, जब आप कॉम्पिटेटिव एग्जाम्स का माइंडसेट और लक्ष्य अपने पास रखते हैं। इसके अतिरिक्त, आप बेशक अपने मेंटर्स से मिल नहीं पाते हैं, किंतु आप उन्हें अवश्य ही फोन कर सकते हैं, उनसे सजेशंस ले सकते हैं और उसी के अनुसार बिना किसी तनाव के आगे की योजनाओं पर कार्य कर सकते हैं। ध्यान रखें, दुनिया में ऐसा कोई संकट नहीं हुआ है, जिससे इंसान मुकाबला न कर सका हो। यह संकट भी टल ही जाएगा और आपके सामने पुन : प्रस्तुत होगा एक बेहतर भविष्य में कदम बढ़ाने का अवसर! लेकिन तब तक कोई जरूरी है कि आप उसके लिए स्वस्थ रहकर समुचित तैयारी कर लें।

मौत की वजह भी बन सकता है लेबाइल हाइपरटेंशन

आज के समय में अधिकतर लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं और इसके इलाज के लिए दवाईयों का सेवन भी करते हैं, लेकिन लेबाइल हाइपरटेंशन एक ऐसा शब्द है, जिसके बारे में बहुत से लोग अनभिज्ञ हैं। यह उच्च रक्तचाप से थोड़ा अलग है। इसमें व्यक्ति के रक्तचाप में अचानक सामान्य से उच्च स्तर तक उतार-चढ़ाव होता है। हालांकि इस स्थिति में कुछ देर के लिए ही रक्तचाप उच्च होता है और उसके बाद सामान्य हो जाता है, इसलिए अधिकतर लोगों को इसके बारे में पता ही नहीं चलता।

हो सकता है खतरनाक

लेबाइल हाइपरटेंशन उच्च रक्तचाप से कहीं अधिक घातक साबित हो सकता है। दरअसल, रक्तचाप में एकदम से व अस्थायी वृद्धि दिल व अन्य अंगों पर दबाव डालती है। अगर रक्तचाप में बार-बार बहुत अधिक उतार-चढ़ाव आता है तो इससे गुर्दे, रक्त वाहिकाओं, आंखों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इतना ही नहीं इससे स्ट्रोक यहां तक कि व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है, अगर इसका समय रहते उपचार शुरू न किया जाए।

बचें इन ट्रिगर्स से

न्यूरोलॉजिस्ट एवं सीनियर कंसल्टेंट डॉ. जयदीप बंसल बताते हैं कि ऐसी बहुत सी चीजें हैं, जिनके कारण यह लेबाइल हाइपरटेंशन व्यक्ति को अधिक परेशान कर सकता है। सबसे पहले तो रक्तचाप में वृद्धि इमोशनल स्ट्रेस के कारण हो सकती है। अगर लेबाइल हाइपरटेंशन से पीड़ित व्यक्ति किसी स्थिति में बहुत अधिक चिंतित या तनावग्रस्त है, तो दिन में कई बार उसके रक्तचाप में उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त खानपान भी इस समस्या को प्रभावित करता है। खाने में सोडियम की अधिकता या अत्यधिक कैफीन का सेवन ऐसे लोगों के लिए एक ट्रिगर की तरह काम करता है। वहीं कुछ लोगों में रक्तचाप केवल तभी उच्च होता है, जब वह डॉक्टर से मिलते हैं या उनकी कोई सर्जरी आदि होती है। दरअसल, ऐसे में वह अपने हेल्थ को लेकर काफी अधिक चिंता करते हैं। लेबाइल हाइपरटेंशन के इस रूप को व्हाइट कोट हाइपरटेंशन या व्हाइट कोट सिंड्रोम भी कहा जाता है।

किसी जादू से कम नहीं मिनी आई मसाजर

आंखों की समस्या से राहत पाने के लिए आंखों की मालिश काफी फायदेमंद साबित होती है। इसके लिए आप मिनी आई मसाजर की सेवा ले सकते हैं।

घंटों कंप्यूटर और मोबाइल पर काम करने से आंखों को नुकसान पहुंचता है। इस कारण कई और बीमारियां जन्म लेने लगती हैं। ऐसी स्थिति में हमें एक ऐसे केयरटेकर की जरूरत होती है, जो अपने प्रभावी ढंग से आंखों की मसाज कर सके और थकान को छूमंतर कर दे। मिनी आई मसाजर एक ऐसी ही डिवाइस है, जो इन सभी कसौटियों पर सही साबित होती है। यह डिवाइस मार्केट में बड़ी ही आसानी से मिल जाती है। आइए जानते हैं इस डिवाइस की खासीयत-

क्या है मिनी आई मसाजर

मिनी आई मसाजर किसी जादू से कम नहीं है। इसका प्रयोग करना बेहद आसान है। आंखों से जुड़ी समस्याओं को रोकने, तनाव को कम करने और नींद में सुधार के लिए इस डिवाइस का इस्तेमाल रोज किया जा सकता है। बैटरी से चलने वाले इस मसाजर को आप कभी भी इस्तेमाल कर सकते हैं और कहीं भी लेकर जा सकते हैं। ये छोटी-सी डिवाइस कम पैसे में महंगे सैलून की तरह ही काफी आराम देती है। इसकी ये खूबी भी खास है कि कोई तकलीफ नहीं होती।

कैसे करें इस्तेमाल?

इस डिवाइस का आकार छोटा होता है, जिसे पकड़ना बेहद आसान है। आगे की बनावट आंखों में मसाज करते समय पूरी तरह से आरामदायक हो, ऐसा सोचकर इसे डिजाइन किया गया है। इसमें लगा माइक्रो-वाइब्रेशन स्लॉट इस डिवाइस का सबसे अहम हिस्सा है। मिनी आई मसाजर आपके पुराने साइनोसाइटिस के दर्द से भी छुटकारा दिलाएगा। इस डिवाइस में एयर प्रेशर, हीट मोड्स और वाइब्रेशन जैसी खूबियां भी शामिल हैं। इसे चलाने के लिए ऑन-ऑफ का बटन दिया गया है। इसे खासतौर पर एक वायरलेस आई मसाज देने के लिए डिजाइन किया गया है।

क्या है इसकी कीमत?

भारतीय बाजार में पहले से ही स्वास्थ्य से संबंधित कई तरह की डिवाइस हैं, लेकिन मिनी आई मसाजर एक मात्र ऐसी डिवाइस है, जो हर किसी के बजट में आसानी से आ जाएगी। आपको बता दें कि इसकी कीमत 300 रुपए से शुरू होती है। ब्रांड के हिसाब से इसकी कीमत बढ़ भी सकती है। मिनी आई मसाजर की खास रेंज में आपको कई कलर ऑप्शन भी मिल जाएंगे।

क्या है खास?

यह काफी प्रभावशाली डिवाइस है। पेटेंट डिजाइन वाला ये मसाजर पूरी तरह से सुरक्षित है। आंखों के ऊपर इसकी मसाज थकावट, अनिद्रा, सिर दर्द जैसी परेशानियों को दूर करती है। ये डिवाइस आंखों के चारों तरफ के काले घेरों, झुर्रियों से राहत दिलाती है। इसकी बैटरी भी काफी लंबे समय तक साथ देती है और आसानी से उपलब्ध है।

रेसिपी

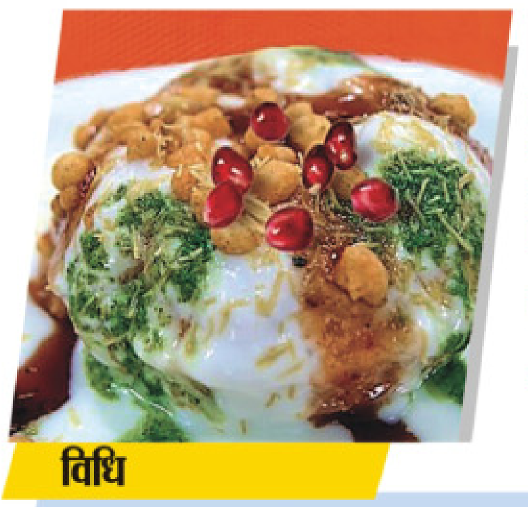

राजकचौरी

- 300 ग्राम मोठ अंकुरित
- 4 उबले हुए आलू
- 250 ग्राम मैदा
- 100 ग्राम बेसन
- तलने के लिए तेल
- स्वाद के अनुसार नमक
- 1/2 टी स्पून देगी मिर्च
- 1 टी स्पून गरम मसाला पाउडर
- 500 ग्राम दही
- 1/2 कप इमली की चटनी
- 1/2 कप हरी चटनी
- 1 कप अनार के दाने
- 1 कप बीकानेरी भुजिया
- 2 टी स्पून बारीक कटा हरा धनिया

विधि

सबसे पहले मैदा को पानी से अच्छी तरह से गूंध लें। इसके बाद बेसन में थोड़ा-सा तेल, देगी मिर्च और नमक डाल कर गूंध लें। अब मैदे की छोटी-छोटी लोइयां बनाएं और उसमें बेसन की छोटी गोली भरकर पूरी के आकार में बेलें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें और पूरियों को करारा तल लें। मोठ को उबालकर उसमें नमक, मिर्च, गरम मसाला, उबले हुए आलू मिलाएं और कचौड़ी में भरे, दही में नमक मिलाएं और तैयार राज कचौड़ी के बीच में डालें ऊपर से मीठी और हरी चटनी डालें। बीकानेरी भुजिया और अनार के दानों से सजाकर इसे सर्व करें।

स्वादिष्ट पोटैटो पॉप्स

- उबला और कद्दूकस किया हुआ आलू: एक कप
- कद्दूकस की हुई गाजर: चौथाई कप
- एक चीज का टुकड़ा
- एक ब्राउन ब्रेड
- अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट: आधा चम्मच
- कटा हुआ धनिया: दो बड़े चम्मच
- चुटकी भर चीनी
- नमक स्वाद के अनुसार।
- दो चम्मच तेल
- 8 कैंडी स्टिक्स

विधि

चीज के टुकड़े को आठ बराबर भागों में काटकर रख लें। अब ब्राउन ब्रेड को पानी में भिगोएं और दोनों हथेलियों से दबाव देकर पानी निकाल दें। इस ब्रेड को अच्छी तरह मैश करके एक कटोरे में रख लें। अब इसमें आलू, गाजर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट, धनिया, चीनी और नमक डालें और अच्छी तरह मिलाएं। आठ बराबर भागों में बांटकर इसे चपटा गोल आकार दें। हर टुकड़े के बीच में चीज का टुकड़ा रखें और उसे अंडाकार आकार दे दें। हर पीस के अंदर एक कैंडी स्टिक लगाएं और हर पोटैटो पॉप्स के बीच दोबारा आकार देकर रख लें। एक नॉन स्टिक पैन में दोनों तरफ से भूरा होने तक पकाएं। इसमें थोड़ा तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। अब गर्मागर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेंगें। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका (प्रेमी से)- नरेश, आप जुआ मत खेला करो, जुएँ में अगर आदमी एक दिन जीतता है तो दूसरे दिन हारता भी है।

नरेश- तो ठीक है! तुम्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं। आज से मैं एक दिन छोड़कर जुआ खेला करूँगा!

एक रईसजादी ने दो घोड़े खरीदे। उन दोनों घोड़ों की अलग-अलग पहचान के लिए अंतर कैसे रखा जाए, इस बाबद उसने अपने पड़ोसी से पूछा। पड़ोसी ने सुझाया कि एक घोड़े की पूँछ काट दो।

उसने पूँछ काट दी, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े की पूँछ एक झाड़ी में फँस गई और काटनी पड़ी। अब दोनों घोड़े पूँछ कटे हो गए थे। फिर पहचान की समस्या आ खड़ी हुई। उसने फिर पड़ोसी से राय ली।

पड़ोसी ने कहा कि एक घोड़े का एक कान काट दो, लेकिन दूसरे दिन दूसरे घोड़े का कान खेत के चारों तरफ लगी तार फेंसिंग में उलझ कर कट गया।

उसने सुझाया कि उनकी ऊँचाई नाप लो। रईसजादी ने घोड़ों की ऊँचाई नापकर पड़ोसी को बताई- 'सफेद घोड़ा काले घोड़े से दो इंच ऊँचा है।'

काकुरो पहेली - 646

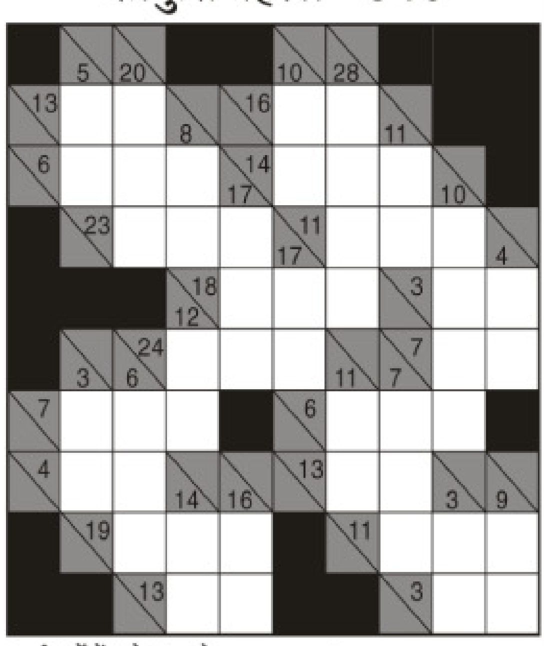

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

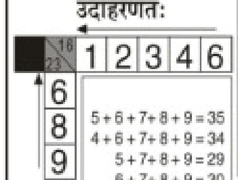

काकुरो - 645 का हल

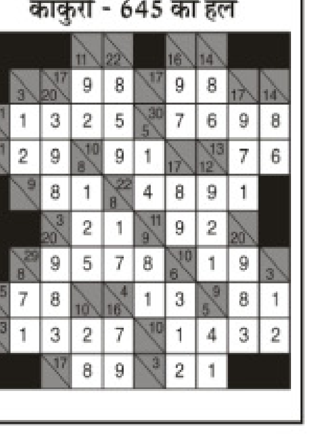

फिल्म वर्ग पहेली- 646

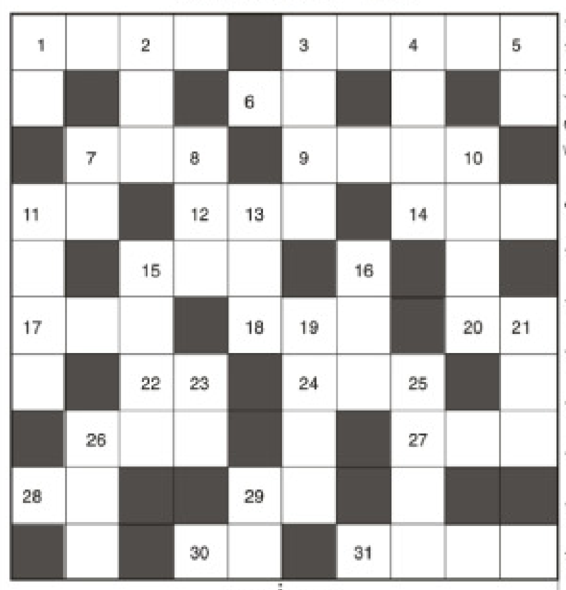

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरुख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरुख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉबर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागों मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पिया बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 645

सूडोकु -646

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -645 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 646

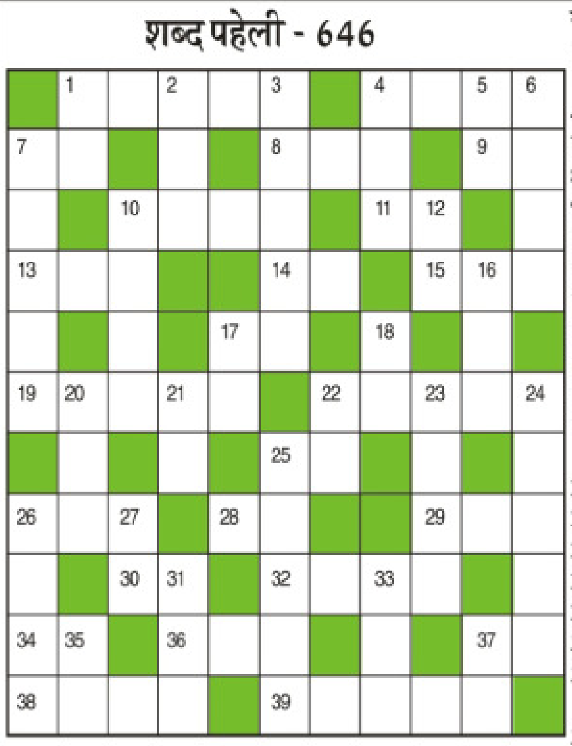

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -645 का हल

राजधानी जयपुर में तेजाजी मंदिर में मूर्ति तोड़ने पर हंगामा, हाइवे किया जाम

एजेंसी

जयपुर। राजधानी के प्रतापनगर सेक्टर-तीन में देर रात असामाजिक तत्वों ने लोक देवता वीर तेजाजी महाराज की प्रतिमा को खंडित कर दिया। शनिवार सुबह मूर्ति खंडित देखकर लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया और लोग विरोध प्रदर्शन करने लगे। बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और टोंक रोड पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। उग्र होते प्रदर्शन के बीच पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ा। प्रदर्शनकारियों ने टोंक रोड पर स्थित एक पेट्रोल पम्प पर भी आगजनी का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने समय रहते कड़ा एक्शन लेकर घटना को रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने करीब तीन घंटे से अधिक समय तक टोंक रोड को बंद। शनिवार सुबह घटनाकी जानकारी मिलने के बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जयपुर-टोंक रोड पर प्रदर्शन कर टायर जलाए और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा और कई लोगों को हिरासत में लिया। इस घटना के विरोध में सांगानेर और प्रताप नगर के कई बाजार बंद कर दिए गए। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने कहा है कि शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटना से दिल्ली जा रहे इंडिगो विमान में यात्री की मौत, लखनऊ हवाई अड्डे पर हुई इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। पटना से दिल्ली जा रहे इंडिगो विमान में एक यात्री की मौत हो गई। इसके बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग लखनऊ के अमौसी हवाई अड्डे पर करायी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर की कार्रवाई शुरू कर दी है। सरोजनी नगर के थाना प्रभारी राजदेव प्रजापति ने आज बताया कि इंडिगो विमान संख्या (छह-ई-2163) पटना से दिल्ली जा रही थी। इस विमान में असम के नलबारी निवासी सतीश चंद्र वर्मन पत्नी कंचन, दमाद केशव के साथ यात्रा कर रहे थे। इस दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। थाना प्रभारी ने बताया कि यह जानकारी उन्हें हवाई अड्डा प्रशासन ने दी। उन्होंने बताया कि परिवार के अवगत कराने पर क्रू मेम्बर्स ने इसकी जानकारी पायलट को दी। पायलट ने नजदीक पड़ रहे अमौसी हवाई अड्डे पर अधिकारियों से इमरजेंसी लैंडिग की अनुमति लेते हुए विमान को उतारा। हवाईअड्डे पर मौजूद स्वास्थ्य विभाग टीम ने जांच के बाद यात्री को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पर पहुंची सरोजनी नगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर केजीएमयू भेज दिया। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

चैत्र रामनवमी पर रामचरित मानस के अखंड पाठ से गुंजायमान हो पूरा प्रदेश : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चैत्र रामनवमी के मंगल और पावन उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी जनपदों में 24 घंटे का श्रीरामचरिमानस का अखंड पाठ कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यह अखण्ड मानस पाठ 05 अप्रैल दोपहर से प्रारंभ होकर इसकी पूर्णाहुति 06 अप्रैल को श्रीरामनवमी के दिन दोपहर 12 बजे श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के सूर्य तिलक के साथ होना चाहिए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सभी जनपदों में देवालयों, मन्दिरों में इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं प्रारम्भ कर दी गई हैं। शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बासंतिक-चैत्र नवरात्र और श्रीरामनवमी से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देवीपाटन मंदिर, बलरामपुर, शाकुम्भरी देवी मंदिर सहारनपुर, विंध्यवासिनी देवी धाम, मीरजापुर आदि प्रमुख देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होगा। सूर्य तिलक का दर्शन करने अयोध्या में पूरे देश से लोगों के आगमन की संभावना है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक प्रबन्ध किये जाने चाहिए। कतारबद्ध श्रद्धालुओं को तेज धूप में खड़े होने में समस्या न हो, इसके लिए जूट मैटिंग कराई जाए। सभी देवालयों में पेयजल के पुख्ता प्रबंध होने चाहिए। छाजन की व्यवस्था कराई जाए।

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने कुणाल कामरा को कायर बताते हुए पुलिस जांच का सामना करने की दी सलाह

मुंबई शिवसेना नेता संजय निरुपम ने प्रेस कांफ्रेंस में कॉमेडियन कुणाल कामरा को कायर बताया और कहा कि उन्होंने जो वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, वह समाज के नियमों और मर्यादाओं का उल्लंघन करता है। निरूपम ने कहा कि एक लेखक, कवि या व्यंग्यकार को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन उसे इस अधिकार का इस्तेमाल मर्यादा में रहकर करना चाहिए। निरुपम ने बताया कि कांग्रेस के सांसदों द्वारा एक वीडियो पोस्ट किया गया था, जिसमें एक शादी के समारोह में गाना बजाया गया था जो उस मौके के अनुरूप नहीं था। गाने के बोल थे, खून के प्यासे तेरा खून पी जाऊं, जो पूरी तरह से गलत था, क्योंकि शादी जैसे शुभ अवसर पर इस प्रकार के गाने का कोई स्थान नहीं था। गुजरात पुलिस ने इस पर एफआईआर दर्ज की थी, लेकिन साथ ही निरुपम ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी, जो सही था।

रेखा गुप्ता ने जगन्नाथ मंदिर में किया दर्शन-पूजन, प्रदेश की खुशहाली की कामना की

एजेंसी

पुरी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा और बीजेपी सांसद संबित पात्रा के साथ ओडिशा के पुरी पहुंचीं। उन्होंने पुरी धाम में भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और बलराम जी के दर्शन किए। दर्शन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री का दायित्व संभालने के बाद पहली बार पुरी धाम आने और प्रभु के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने भगवान जगन्नाथ के चरणों में प्रार्थना की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और दिल्ली प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहें। मुख्यमंत्री ने दर्शन के बाद आभार व्यक्त करते हुए कहा, भगवान के आशीर्वाद से दिल्ली सरकार को 'विकसित दिल्ली' के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाने का अवसर मिला है। 1 अप्रैल को मनाए

जाने वाले ओडिशा दिवस के संदर्भ में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, इस बार दिल्ली सरकार पहली बार ओडिशा दिवस को धूमधाम से मनाएगी। दिल्ली में भी एक अप्रैल को उत्कल दिवस का आयोजन होगा। दिल्ली में अलग-अलग प्रांतों से लोग अपने सपने लेकर आते हैं। ओडिशा से आए हजारों लोग दिल्ली को गति देने में योगदान दे रहे हैं। वे दिल्ली का अभिन्न हिस्सा हैं और उनके सुख-दुख में सरकार उनके साथ खड़ी है। उनकी समृद्धि और भविष्य के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इस मौके पर उन्होंने ओडिशा के सभी नागरिकों और दिल्ली में बसे ओडिशा के परिवारों को 'उत्कल दिवस' की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने घोषणा की कि दिल्ली सरकार पहली बार 'उत्कल दिवस' को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देना और दिल्ली की सांस्कृतिक विविधता को और मजबूत करना है। सीएम गुप्ता ने कहा, मैं प्रत्येक ओडिशावासी और दिल्ली में रह रहे ओड़िया भाई-बहनों को उत्कल दिवस की बधाई देती हूं।

डॉ. आंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को मप्र के महू में जन्मस्थली स्मारक पर होंगे विशाल समागम

एजेंसी

इंदौर। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का जयंती उत्सव 14 अप्रैल को प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पूर्ण आस्था के साथ मप्र के इंदौर जिले के डॉ. आंबेडकर नगर (महू) में मनाया जाएगा। इस दौरान विशाल समागम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही इस दिन डॉ. आंबेडकर की जन्मस्थली स्मारक पर बाबा साहब को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं की मेहमानों की तरह राज्य शासन द्वारा आवभगत की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, शीतल पेयजल आदि की विशेष व्यवस्था की जाएगी। जन्मस्थली पर बने भव्य स्मारक पर विशेष साज-सज्जा की जाएगी। फूलों और विद्युत रोशनी से सजावट होगी।यह बात कलेक्टर आशीष सिंह ने डॉ. आंबेडकर नगर (महू) पहुंच कर जयंती उत्सव की तैयारियों के निरीक्षण के दौरान कही। उन्होंने महू में की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अंतिम रूप दिया। कलेक्टर ने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जन्मस्थली पर बने स्मारक का अवलोकन भी किया और वहां की जाने वाली व्यवस्थाओं को भी देखा। साथ ही कलेक्टर स्वर्ग मंदिर महाविद्यालय परिसर भी पहुंचे। यहां की व्यवस्थाएं भी उन्होंने देखी। बैठक में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हितिका वासल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रुपेश द्विवेदी, एसडीएम राकेश परमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राणा सांगा पर आपत्तिजनक टिप्पणी गलत : दिग्विजय सिंह

एजेंसी

ग्वालियर । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने राणा सांगा पर की गई टिप्पणी का विरोध करते हुए कहा कि उन पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी गलत है, टिप्पणी करने वाले व्यक्ति पर हमला करने का किसी को अधिकार नहीं है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में राष्ट्रीय मजदूर इंटक के कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि राणा सांगा जैसे वीर हमारे इतिहास में कम हुए हैं, जिसके अंग-अंग पर चोट थी, सौ से ज्यादा घाव थे। उन पर अगर आपत्तिजनक टिप्पणी की जाती है, तो गलत है और अगर किसी ने टिप्पणी की है तो उसके घर पर हमला करने का किसी को अधिकार नहीं है। पिछले दिनों सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने राणा सांगा को लेकर टिप्पणी की थी, उसके बाद कुछ लोगों ने उनके आवास पर भी हमला किया था। उसी पर सिंह ने अपनी राय जाहिर की।

दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि देश और प्रदेश में मजदूरों के हितों का संरक्षण नहीं हो रहा है। गांव के मनरेगा के मजदूरों का भुगतान नहीं हो रहा है, उन्हें काम नहीं मिल रहा है, पलायन हो रहा है और कोई सुनने वाला नहीं है। मजदूरों के जो कानून थे, वह इन्होंने बदल दिए गए हैं और

राष्ट्रीय मजदूर की जो नीति होनी चाहिए थी, वह जिनेवा इंटरनेशनल कन्वेंशन के अनुरूप होना चाहिए। उसका पालन नहीं हो रहा है, 2015 के बाद से समिति की कोई भी बैठक नहीं हुई। भाजपा की ओर से परिवारवाद के आरोपों पर दिग्विजय सिंह ने कहा, लोकतंत्र में जनता जिसको भेजती है, उसका वह अधिकार होता है। भाजपा के अनेक उदाहरण मेरे पास हैं, इसलिए लोकतंत्र में वही चुनकर जाता है, जिसको जनता चाहती है। परिवारवाद तो सामंती प्रवृत्ति का सूचक है, इसलिए आज के लोकतंत्र में कहीं कोई सामंत नहीं है। सामंत वह है, जिसके पास लोकतंत्र में वोट का हक है, यानी आज के दौर में देश का हर नागरिक सामंत है। वक्फ बोर्ड विधेयक में संशोधन के सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जो संशोधन बिल लाया जा रहा है, हम उसके खिलाफ हैं, क्योंकि यह बुनियादी तौर पर भारतीय संविधान में अल्पसंख्यकों को जो अधिकार है, उन्हें छीनने का प्रयास है। इस देश में पिछले 10-11 साल से यह पूरी सरकार केवल हिंदू-मुसलमान के अलावा दूसरा कोई काम नहीं कर रही है। राज्य में बेरोजगार युवाओं को आकांक्षी युवा का नाम दिए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, युवाओं को रोजगार नहीं देना, उन्हें नए-नए नाम दिए जा रहे हैं। हालात यह है कि न युवाओं को रोजगार मिल रहा है, जितना इम्तिहान हो जाता है, उसका नतीजा नहीं आता, नर्सिंग घोटाला सामने आया, मगर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

हिमाचल और तेलंगाना में जलविद्युत परियोजना के लिए समझौता

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना सरकार ने लाहौल-स्पीति जिले में 400 मेगावाट की सेली और 120 मेगावाट की मियार जलविद्युत परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों राज्यों के बीच नई ऊर्जा साझेदारी की शुरुआत है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि परियोजना की लागत 6200 करोड़ रुपए है। इससे 5000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। तेलंगाना सरकार इसमें 26 करोड़ रुपए की अग्रिम प्रीमियम राशि का योगदान देगी। हिमाचल प्रदेश को पहले 12 वर्षों के लिए 12त्न, अगले 18 वर्षों के लिए 18त्न और अंतिम 10 वर्षों के लिए 30त्न मुफ्त बिजली मिलेगी। 40 वर्षों के बाद तेलंगाना सरकार परियोजनाओं को हिमाचल प्रदेश को सौंप देगी।

तेलंगाना सरकार परियोजना लागत का 1.5त्न योगदान करेगी। तेलंगाना सरकार इस क्षेत्र को लागत का 1त्न मुफ्त बिजली प्रदान करेगी। प्रभावित परिवारों को 10 वर्षों तक प्रति माह 100 यूनिट के बराबर वित्तीय लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस साझेदारी को

नवीकरणीय ऊर्जा में अंतरराज्यीय सहयोग का एक नया युग बताया। उन्होंने तेलंगाना सरकार को पावर बैंकिंग और ट्रेडिंग में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी जलविद्युत क्षमता का उपयोग अपने लोगों के लाभ के लिए करने के लिए प्रतिबद्ध है। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भाटी विक्रामारका मल्लू ने कहा कि यह समझौता उनकी सरकार की तेलंगाना क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी पॉलिसी 2025 के अनुरूप है। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा में अंतरराज्यीय सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया। इस समझौते से न केवल दोनों राज्यों के बीच ऊर्जा सहयोग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

हरियाणा सरकार का ईद की छुट्टी रद्द करना गलत परम्पराः मौलाना यासूब अब्बास

एजेंसी

लखनऊ। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव और धर्मगुरू मौलाना यासूब अब्बास ने हरियाणा सरकार द्वारा ईद-उल-फितर की छुट्टी रद्द किए जाने के फैसले की कड़ी निंदा की है। मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि भारत की गंगा-जमुनी तहज़ीब पर हमला हो रहा है। हरियाणा सरकार का ईद-उल-फितर की छुट्टी रद्द करना गलत परम्परा और बेहद खतरनाक हैं। इस तरह से निर्णय को तुरंत रोका जाना चाहिए।

मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि भारत में सभी धर्मों के त्यौहारों को मिलकर मनाने की परम्परा रही है। ईद, होली, दीपावली जैसे पर्व सामाजिक सौहार्द और भाईचारे के प्रतीक हैं। हरियाणा सरकार का छुट्टी रद्द करने का निर्णय ना केवल मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता पर चोट है, बल्कि देश की सदियों पुरानी साझी

संस्कृति के खिलाफ भी है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपने इस फैसले को वापस लें। देश में साम्प्रदायिक सौहार्द बना रहने दें।

राजस्थान दिवस महोत्सव - मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान का हुआ शुभारंभ

एजेंसी

कोटा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि युवा शक्ति का प्रदेश के विकास और राष्ट्र निर्माण में अधिक से अधिक योगदान सुनिश्चित किया जाए। इसी क्रम में हम युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने और उनकी प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ ही, सरकारी और निजी क्षेत्र में 10 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के अपने संकल्प पर तेजी से काम कर रही है। जिला मुख्यालयों पर रोजगार मेला एवं कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया जा रहा है, ताकि हर क्षेत्र के युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार अवसर मिल सकें। शर्मा राजस्थान दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रमों की कड़ी में

कोटा के दशहरा मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सात दिवसीय राजस्थान दिवस महोत्सव हमारी मातृशक्ति, युवा शक्ति, अन्नदाता और अंत्योदय को समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि हम युवाओं को रोजगार देने के साथ ही उनमें उद्यमिता का विकास कर उन्हें रोजगार देने योग्य भी बना रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवा वर्ग को कई सौगातें देते हुए विभिन्न विभागों में नव चयनित कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। प्रदेशभर में 7 हजार 800 से अधिक कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए। इसके साथ ही शर्मा ने 'मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान' का भी शुभारंभ किया। इस दौरान अभियान से संबंधित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन एवं विवरणिका का विमोचन किया गया। श्री शर्मा ने शिक्षा विभाग के दो ऐप एवं आरएसओएस अन्तर्गत ऑन डिमाण्ड परीक्षा तथा डिजिटल प्रवेश उत्सव का शुभारंभ करते हुए विद्यार्थियों को बैग एवं यूनिफॉर्म की डीबीटी की शुरूआत की। कार्यक्रम में युवा नीति एवं स्किल नीति का विमोचन, निजी क्षेत्र में रोजगार पर 10 हजार रूपये की सहायता हेतु योजना के दिशा-निर्देश, द्रोणाचार्य अवार्डियों को भूमि आवंटन हेतु दिशा-निर्देश, अटल ज्ञान केन्द्र तथा नई किरण नशा मुक्ति केन्द्र के दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। मुख्यमंत्री ने रोजगार मेले के तहत आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में प्रदेश के युवाओं को हर कदम पर अन्याय और अत्याचार का सामना करना पड़ा।

अठावले ने की बोधगया मंदिर अधिनियम को निरस्त करने की मांग

एजेंसी

पटना। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रामदास अठावले ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 के प्रावधानों में संशोधन किये जाने की मांग की ताकि केवल बौद्ध समुदाय के लोग ही महाबोधि विहार के प्रबंधन का हिस्सा बन सकें।

बिहार के तीन दिवसीय बिहार दौरे पर पटना पहुंचे श्री अठावले ने मुख्यमंत्री श्री कुमार से मुलाकात की और उन्हें इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने देशभर में बौद्ध समुदाय के साथ हो रहे अन्याय को रोकने की मांग की।

केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री का ध्यान फरवरी 2025 से महाराष्ट्र, बोधगया और देश के विभिन्न राज्यों में बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 के प्रावधानों के खिलाफ बौद्ध भिक्षुओं, ननों और बौद्ध अनुयायियों के आंदोलनों की ओर आकर्षित किया। उन्होंने

बताया कि बड़ी संख्या में लोग लगातार अनशन कर रहे हैं। श्री अठावले ने बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 के प्रावधानों की चर्चा करते हुए कहा कि यह अधिनियम गैर-बौद्धों को महाबोधि महाविहार के प्रबंधन और अधिकार क्षेत्र का नियंत्रण देता है। इस स्थल पर हजारों घरेलू और अंतरराष्ट्रीय तीर्थयात्री आते हैं। उन्होंने कहा कि महाबोधि महाविहार बिहार का गौरव है लेकिन इसका नियंत्रण अन्य समुदाय के हाथों में है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का प्रबंधन केवल उनके संबंधित धर्मों के लोगों द्वारा ही किया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री से इस मामले को व्यक्तिगत रूप से देखने और अधिनियम के प्रावधानों में आवश्यक संशोधन करने की मांग की ताकि केवल बौद्ध समुदाय के लोग महाबोधि महाविहार के प्रबंधन समिति का हिस्सा बन सकें। उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ बैठक के दौरान विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा की। श्री अठावले ने महाबोधि मामले में बौद्ध समुदाय को समर्थन देने का वादा करते हुए कहा कि बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति (बीटीएमसी) के मामले में बौद्ध भिक्षुओं की हड़ताल का समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति में बौद्ध भिक्षुओं को पूरा प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने पहले भी महाबोधि मंदिर अधिनियम, 1949 को निरस्त करने की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री ने बोधगया में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल महाबोधि मंदिर परिसर का दौरा किया और महाबोधि मंदिर अधिनियम को रद्द करने का समर्थन किया। यह अधिनियम प्रावधान करता है कि ट्रस्ट में हिंदू और बौद्ध समुदायों से चार-चार सदस्य होंगे। साथ ही गया के जिला अधिकारी इसके पदेन अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाएंगे। श्री अठावले ने उन बौद्ध भिक्षुओं से भी मुलाकात की जो महाबोधि मंदिर ट्रस्ट की स्वतंत्रता के मुद्दे पर आंदोलन कर रहे हैं।

हर आदमी और बहन को आजीविका मिशन से जोड़कर साकार होगा गरीबी मुक्त गांव का सपना : शिवराज सिंह

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक सपना और संकल्प है-गरीबी मुक्त गाँव बनाना और गरीबी मुक्त गाँव का मतलब है कोई भी बिना रोजगार के न रहे, कोई न कोई काम करें। गांव का हर आदमी और हर बहन अगर आजीविका मिशन से जुड़ते हैं तो उनकी गरीबी दूर होगी, उनकी आय बढ़ेगी और वह आत्मनिर्भर बनेंगे। ऐसे ही गरीबी मुक्त गांव का सपना भी साकार होगा। वे शनिवार को सीहोर जिले के भैरूंदा में हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि गांव के हर आदमी को आजीविका मिशन से जोड़ा जाएगा। अब तक तीन करोड़ लखपति दीदी बनाई गई हैं। इसी तरह गांव की कोई भी बहन आजीविका मिशन से जुड़े बिना नहीं रहें। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट

वेंडर योजना हो, कौशल विकास योजना हो उन सभी योजनाओं के माध्यम से हर गाँव में सर्वे करके किस योजना से किसे लाभ मिल सकता है, उसे लाभ देने की कोशिश होगी, ताकि कोई बिना काम के न रहे। आजीविका मिशन से जुड़ जाए तो जिंदगी और सुंदर बन जाए। लोगों की जिंदगी बदलने के लिए दिन-रात परिश्रम की पराकाष्ठा कर रहे हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। साथ ही उन्होंने 74 करोड़ 58 लाख से ज्यादा की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम से पहले उन्होंने दुर्गा चौक से कार्यक्रम स्थल तक रोड शो कर आम जनता का अभिवादन भी किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं कि मुझे ग्रामीण विकास मंत्री बनाया और गरीबों के आशियाने बनाने की जिम्मेदारी दी। इसी साल सीहोर जिले को 35 हजार 165 मकान दिए गए हैं, उनमें से 10 हजार 73 बुदनी विधानसभा क्षेत्र में बनेंगे। भैरूंदा में सात हजार से ज्यादा, बुदनी में 2 हजार 870 भाई-बहनों को स्वीकृति पत्र मिल जाएगा और इसके तुरंत बाद इनके खाते में राशि भी डाल दी जाएगी।

काशी विश्वनाथ मंदिर से शक्तिपीठ मां विशालाक्षी के दरबार में भेजा गया वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री

एजेंसी

वाराणसी। वासंतिक चैत्र नवरात्र के पूर्व संध्या पर श्री काशी विश्वनाथ दरबार से श्रृंगार और वस्त्र सामग्री शक्तिपीठ माता विशालाक्षी के दरबार में अर्पित की गई। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के प्रतिनिधियों ने शास्त्री गण के साथ मिलकर समस्त श्रृंगार और वस्त्र सामग्री को समारोहपूर्वक बाबा विश्वेश्वर को अर्पित किया। तत्पश्चात, इन भव्य सामग्री को माता काशी विशालाक्षी शक्तिपीठ और नवदुर्गा स्वरूप मंदिरों में भेजने की व्यवस्था की गई। नवरात्रि की पूर्व संध्या पर ही शक्तिपीठ मां विशालाक्षी के दरबार से नौ कलश गंगाजल श्री काशी विश्वनाथ को अर्पित किए गए। चैत्र प्रतिपदा (30 मार्च 2025) को प्रातःकाल मंगला आरती के पश्चात, सबसे पहले माता काशी विशालाक्षी द्वारा प्रेषित नौ कलश गंगाजल से भगवान विश्वनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। मंदिर न्यास के अनुसार वर्ष 2024 की चैत्र नवरात्रि में शुरू किए गए एक अद्भुत शास्त्रीय नवाचार ने धार्मिक परंपराओं में एक नई दिशा प्रदान की थी। इस नवाचार के तहत नवरात्रि के नौ दिनों में प्रतिदिन भगवान श्री विश्वेश्वर द्वारा श्रृंगार सामग्री और वस्त्र माता विशालाक्षी को अर्पित किए गए थे। इस नवाचार को आगे बढ़ाते हुए, शारदीय नवरात्रि 2024 में न केवल माता काशी विशालाक्षी शक्तिपीठ बल्कि काशी के नवदुर्गा स्वरूप देवियों को भी प्रतिदिन के अनुसार श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग धाम से वस्त्र और श्रृंगार अर्पित किए गए। अब, चैत्र नवरात्रि 2025, जो 30 मार्च से प्रारंभ हो रही है, में इस नवाचार को और अधिक व्यावहारिक रूप से लागू किया गया है।

योगी सरकार ने धार्मिक स्थलों के पास अवैध बूचड़खानों और मांस बिक्री पर लगा प्रतिबंध

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने अवैध बूचड़खानों को बंद करने और धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का सख्त आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समीक्षा बैठक करने के बाद नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने सभी जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों और नगर आयुक्तों को बूचड़खानों को तत्काल बंद करने

और धार्मिक स्थलों के पास मांस बिक्री पर प्रतिबंध लागू करने के निर्देश दिए हैं।

पुराने आदेशों की पुनर्बहाली- 2014 और 2017 में जारी आदेशों का हवाला देते हुए योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि अवैध पशु वध और धार्मिक स्थलों के पास मांस बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित होगी। इस फैसले को प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया है। इनमें पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पशुपालन विभाग, परिवहन विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे।

राम नवमी पर विशेष निगरानी- 6 अप्रैल 2025 को राम नवमी के दिन विशेष प्रतिबंध लागू होगा। इस दिन पशु वध और मांस की बिक्री पूरी तरह बंद रहेगी। यूपी नगर निगम अधिनियम 1959 और खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 एवं 2011 के प्रावधानों के तहत, योगी सरकार ने अधिकारियों को उल्लंघन करने वालों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वही बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महतवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हडडियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में -

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हडिडयां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

डिविलियर्स को आ रही खिताबी जीत की सुगंध, बोले- 10 गुणा बेहतर है मेरी टीम

एजेंसी

चेन्नई। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की शानदार शुरूआत को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि इस बार टीम पिछले सत्रों की तुलना में दस गुना बेहतर लग रही है और उम्दा शुरूआत से आगे उसका काम आसान हो जाएगा। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर सत्रह साल बाद हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आरसीबी के लिए खेल चुके डिविलियर्स ने अपने पॉडकास्ट 'एबी डिविलियर्स 360% में कहा कि इस बार आरसीबी टीम का संतुलन पिछले सत्रों से दस गुना बेहतर है। उन्होंने कहा कि पिछले साल आईपीएल नीलामी के समय मैंने कहा था कि आरसीबी को संतुलन की जरूरत है। यह गेंदबाजों, बल्लेबाजों या क्षेत्ररक्षकों को लेकर नहीं था। यह आईपीएल टीमों और विकल्पों में अच्छे संतुलन को लेकर था। डिविलियर्स ने कहा कि मैंने भुवनेश्वर कुमार को देखा तो मुझे लगा कि वह नहीं खेल रहा है और फिर दूसरे मैच में वह टीम में था। आपको यही तो चाहिए। पहले मैच में (केकेआर के खिलाफ) वह टीम में नहीं था और दूसरे मैच में वह किसी और की जगह टीम में था। यही वह संतुलन और गहराई है जो टीम को चाहिए होती है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की यह टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ शुरूआत है।

उन्हें तरक्की दी गई है- राहुल द्रविड़ ने युवा क्रिकेटर पर दिया बयान, माना भविष्य का सितारा

गुवाहाटी (असम)। राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ ने आगामी मैच से पहले अपनी टीम की क्षमताओं पर भरोसा जताया है। राजस्थान को गुवाहाटी के मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आगामी मुकाबला खेलना है। यह राजस्थान का गुवाहाटी में सीजन का आखिरी मैच होगा। रियान पराग इसी शहर से हैं इसलिए उनके लिए यह मुकाबला खास होगा। पराग इस सीजन में राजस्थान के लिए बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें नंबर 3 पर भेजा जा रहा है। उनकी प्रमोशन के बाबत जब कोच राहुल द्रविड़ से बात की गई तो उन्होंने कह कि यह प्लेयर राजस्थान के लिए खास है। द्रविड़ ने कहा कि यह सही शब्द है, कि उसे पदोन्नत किया गया है। उन्होंने कहा कि देखिए, रियान हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है, ईमानदारी से कहें तो। और हम उसे जितनी संभव हो उतनी गेंदें देना चाहते हैं। 20 ओवर बहुत कम समय है और रियान पराग जितनी अधिक गेंदें हमारे लिए खेलेंगे, एक टीम के रूप में हमारे लिए उतना ही बेहतर होगा। लेकिन निश्चित रूप से, हम इन चीजों पर नजर रखेंगे, हम आकलन करते रहेंगे, हम देखते रहेंगे कि यह कैसे होता है। और हां, हम जानते हैं कि रियान ने नंबर 4 पर वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए यह हमारे लिए एक विकल्प है।

इंडियन ओपन में अजितेश संधू संयुक्त 15वें स्थान पर, चकारा को बढ़त

गुरुग्राम । अजितेश संधू यहां इंडियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद 10 स्थान के फायदे से संयुक्त 15वें स्थान के साथ एक बार फिर भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष पर पहुंच गए। पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर चल रहे संधू ने तीसरे दौर में 3 बर्डी और पांच बोगी से दो ओवर 74 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर चार ओवर है। पिछले सत्र के उप विजेता वीर अहलावत (74) पांच ओवर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से 18वें स्थान पर हैं। स्पेन के 25 साल के युगेनियो चकारा ने तीसरे दौर में एक ओवर 73 का स्कोर बनाया और उन्होंने जापान के गत चैंपियन केइता नाकाजिमा (74) तथा दक्षिण अफ्रीका के ब्रेंडन स्टोन (71) पर एक शॉट की बढ़त बना रखी है। इंग्लैंड के मैथ्यू जोर्डन (73) और स्वीडन के येन्स डेनटोर्प (73) नाकाजिमा और स्टोन से एक शॉट पीछे संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। गगनजीत भुल्लर (78) तीसरे दौर में लचर प्रदर्शन के बाद शीर्ष 10 से संयुक्त 33वें स्थान पर खिसक गए।

जोकोविच मियामी ओपन के फाइनल में, 100वां खिताब जीतने के करीब

फ्लोरिडा । नोवाक जोकोविच ने ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर 2016 के बाद पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है और इसके साथ ही वह अपने 100वें एटीपी खिताब से मात्र एक कदम दूर रह गए हैं। दुनिया के 5वें नंबर के खिलाड़ी 37 वर्षीय जोकोविच ने पहला सेट जीतने के लिए लगातार 5 गेम जीते। दिमित्रोव ने दूसरे सेट में खराब शुरुआत की और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने इसका फायदा उठाते हुए 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। जोकोविच ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में अपना 99वां खिताब जीतने के बाद मैं स्पेशल 100 खिताब जीतने की संभावना के साथ खेल रहा हूं। मैं टेनिस के उस बेहद जरूरी स्तर को खोजने की कोशिश कर रहा हूं जो मुझे एक बड़ी ट्रॉफी के लिए लड़ने की स्थिति में लाएगा। मैं टूर्नामेंट के लिए जिस तरह से तैयार हुआ हूं और जिस तरह से खेल रहा हूं, उससे मैं बहुत खुश हूं। मैंने एक भी सेट नहीं गंवाया है। उन्होंने कहा कि यह एक शानदार अवसर है। देखते हैं कि दो दिनों में क्या होता है। 14वीं वरीयता प्राप्त 33 वर्षीय दिमित्रोव के लिए हवा की स्थिति खेल की शुरुआत अच्छी रही, जिन्होंने जोकोविच की सर्विस पर पहला गेम जीता, लेकिन इसका फायदा नहीं उठा पाए।

मुंबई की लगातार दूसरी हार, गुजरात ने 36 रन से दी पटखनी

एजेंसी

अहमदाबाद,। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 9वां मुकाबला गुजरात टाइटंस और मुंबई के बीच खेला गया। मैच को गुजरात की टीम ने 36 रन से जीत लिया। इस मैच में हार्दिक पंड्या ने टॉस जीता है और मुंबई की टीम पहले बॉलिंग करने उतरी।

जवाब में गुजरात की टीम ने बोर्ड पर 196 रन लगाए। चेज करते हुए मुंबई की टीम सिर्फ 160 रन बना पाई। गुजरात टाइटंस की ओर से मिले 197 रन के लक्ष्य पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और रियान रिक्लेटोन का विकेट जल्दी गिर गया। इसके बाद तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़कर कुछ वापसी की कोशिश की, लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद मुंबई की पारी लड़खड़ा गई। मुंबई की यह दूसरी हार है और वह आईपीएल 2025 में अब तक जीत का खाता नहीं खोल सकी है। मुंबई के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या ने 11, रोहित शर्मा ने आठ, रिक्लेटोन ने छह और रॉबिन मिंज ने तीन रन बनाए। इसके अलावा नमन धीर और मिचेल सैंटनर 18-18 रन बनाकर नाबाद लौटे। गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि कैगिसो रबाडा और आर साई किशोर को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 196 ररन का स्कोर खड़ा किया। गुजरात को शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़े। गिल 27 गेंदों पर 38 रन बनाकर आउट हुए। गिल के आउट होने के बाद जोस बटलर ने सुदर्शन के साथ मिलकर 51 रन जोड़े, लेकिन वह 39 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सुदर्शन ने इसके बाद आईपीएल करियर का अपना आठवां अर्धशतक पूरा किया। सुदर्शन के 41 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 63 रन की पारी खेली। इसके अलावा, गुजरात के लिए शेरफाने रदरफोर्ड ने 18 रन, शाहरुख खान ने नौ रन, राशिद खान ने छह और आर साई किशोर ने एक रन बनाए, जबकि कैगिसो रबाडा सात रन बनाकर नाबाद लौटे।

जोकोविच मियामी ओपन के फाइनल में, 100वें खिताब के करीब

एजेंसी

फ्लोरिडा। नोवाक जोकोविच ने ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर 2016 के बाद पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है और इसके साथ ही वह अपने 100वें एटीपी खिताब से मात्र एक कदम दूर रह गये हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी 37 वर्षीय जोकोविच ने पहला सेट जीतने के लिए लगातार पांच गेम जीते। दिमित्रोव ने दूसरे सेट में खराब शुरुआत की और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने इसका फायदा उठाते हुए 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की।जोकोविच ने कहा, पेरिस ओलंपिक में अपना 99वां खिताब जीतने के बाद मैं स्पेशल 100 खिताब जीतने की संभावना के साथ खेल रहा हूं। मैं टेनिस के उस बेहद जरूरी स्तर को खोजने की कोशिश कर रहा हूं जो मुझे एक बड़ी ट्रॉफी के लिए लड़ने की स्थिति में लाएगा। मैं टूर्नामेंट के लिए जिस तरह से तैयार हुआ हूं और जिस तरह से खेल रहा हूं, उससे मैं बहुत खुश हूं। मैंने एक भी सेट नहीं गंवाया है। उन्होंने कहा,यह एक शानदार अवसर है। देखते हैं कि दो दिनों में क्या होता है।14वीं वरीयता प्राप्त 33 वर्षीय दिमित्रोव के लिए हवा की स्थिति खेल की शुरुआत अच्छी रही, जिन्होंने जोकोविच की सर्विस पर पहला गेम जीता, लेकिन इसका फायदा नहीं उठा पाए ।

इस बीच दिमित्रोव को परेशान करने के लिए कुछ कहने पर एक प्रशंसक को बाहर निकाल दिया गया, जिसके बाद बुल्गारियाई खिलाड़ी ने दूसरे सेट की धीमी शुरुआत की। पिछले साल के पराजित फाइनलिस्ट दिमित्रोव ने अपने तीन सर्विस गेम जीते, लेकिन जोकोविच बहुत अच्छे थे। छह बार के मियामी ओपन चैंपियन ने अपने प्रतिद्वंद्वी की 32 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले केवल पांच गलतियां कीं। जोकोविच ने कहा, मैच के आखिरी हिस्से में कुछ कड़े गेम थे।

सुनील नारायण पूरी तरह फिट, केकेआर के अगले मुकाबले में खेलने को तैयार

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार ऑलराउंडर सुनील नारायण की चोट को लेकर उठ रही सभी अटकलों पर विराम लग गया है। केकेआर टीम मैनेजमेंट ने पुष्टि की है कि नारायण पूरी तरह फिट हैं और अगले मुकाबले के लिए प्रैक्टिस कर रहे हैं। बीते मैच में नारायण की अनुपस्थिति के बाद कयास लग रहे थे कि क्या अब वो आगे के मुकाबले खेल पाएंगे या नहीं। ऐसे में केकेआर मैनेजमेंट ने आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि नारायण को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है। वह मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं और मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले आगामी मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं।सुनील नारायण केकेआर के लिए बेहद अहम खिलाड़ी माने जाते हैं। वह न केवल अपनी फिरकी गेंदबाजी से बल्लेबाजों को चकमा देने में माहिर हैं, बल्कि शीर्ष क्रम में तेजतर्रार बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। उनकी मौजूदगी से केकेआर की टीम को संतुलन मिलता है। आईपीएल 2025 में केकेआर ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और टीम को सुनील नारायण जैसे अनुभवी खिलाड़ी की सेवाओं की सख्त जरूरत होगी। फैंस के लिए यह बड़ी राहत की खबर है कि नारायण फिट होकर मैदान पर वापसी कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट ने भी उनके कौशल और फिटनेस को लेकर पूरा भरोसा जताया है।

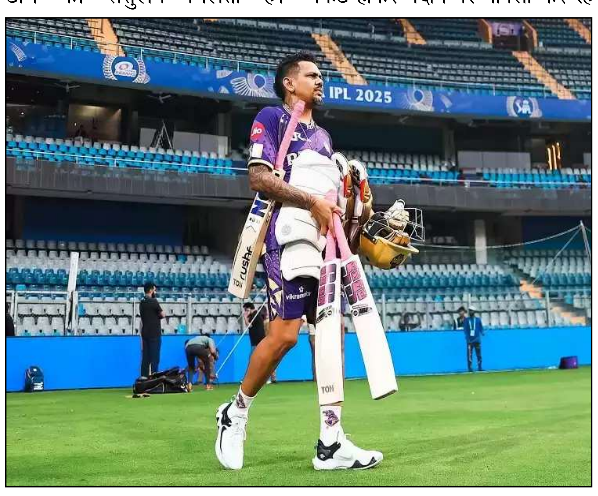

हमारा अगला बड़ा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है : कोच हेमराज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेपक टकरा टीम के मुख्य कोच हेमराज ने हाल ही में खेले गए सेपक टकरा विश्व कप 2025 में टीम के ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की भूमिका पर बात की। इसी के साथ उन्होंने कहा कि हमारा अगला बड़ा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है। बिहार के पटना में सेपक टकरा विश्व कप 2025 में भारतीय पुरुष रेगु टीम ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। 20 से 25 मार्च तक पाटलिपुत्र इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जापान को 2-1 से हराया। प्रतियोगिता में भारतीय दल ने एक स्वर्ण, एक रजत और पांच कांस्य सहित कुल सात पदक जीते। पुरुषों की रेगु टीम ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि महिलाओं की युगल टीम ने रजत पदक जीता। पुरुषों की युगल टीम, महिलाओं की रेगु टीम, मिश्रित क्वाड टीम, महिलाओं की क्वाड टीम और पुरुषों की क्वाड टीम ने कांस्य पदक जीते। भारतीय सेपक टकरा टीम के मुख्य कोच हेमराज ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि खिलाड़ियों ने 8 से 10 वर्षों तक बवाना (दिल्ली), इम्फाल, दीमापुर और बरेली में साई प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण लिया और अपने कौशल को निखारा है। टीम के अधिकांश खिलाड़ी साई से निकले हैं, जिन्हें निरंतर सहायता मिलती रही है। विश्व कप की तैयारी के लिए साई ने थाईलैंड में डेढ़ महीने का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया, जहां इन खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की। भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए कोच ने कहा कि हमारा अगला बड़ा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में भारत के लिए पदक जीतना है। उससे पहले हमारे पास मई में मलेशिया में पुरुषों का एशिया कप और जुलाई में बैंकॉक (थाईलैंड) में विश्व चैंपियनशिप है। हमारा लक्ष्य इन सभी आगामी आयोजनों में अपनी निरंतरता बनाए रखना है।

टूर्नामेंट में हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा : पूजा मलिक

एजेंसी

रांची। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 के अंतिम चरण का खिताब जीतने वाली हॉकी हरियाणा की कप्तान पूजा मलिक ने टूर्नामेंट को लेकर टीम का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा। हमने अंत का लड़ाई लड़ी जिससे हमने फाइनल में जीत दर्ज की। हॉकी हरियाणा ने झारखंड के रांची स्थित मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ पर एक करीबी मुकाबले में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को 3-2 से हराकर राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 (अंतिम चरण) का खिताब जीता। चार जीत, दो हार और एक शूटआउट जीत के साथ हॉकी हरियाणा ने सात मैचों में 15 अंक दर्ज किए और पूल चरण में तालिका में शीर्ष पर रही। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने भी इतने ही अंक हासिल किए। हालांकि हॉकी हरियाणा का गोल अंतर बेहतर रहा। फाइनल में अहाल्या लाकड़ा और दीपिका बारवा ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के लिए गोल किया, जबकि हॉकी हरियाणा के लिए काजल ने दो गोल और सावी ने एक गोल करके जीत सुनिश्चित की। टूर्नामेंट के बारे में बात करते हुए हॉकी हरियाणा की कप्तान पूजा मलिक ने हॉकी इंडिया की ओर से बयान में कहा कि टूर्नामेंट में हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा। हमने कुछ मैच हारे लेकिन हमने अंत तक संघर्ष किया और फाइनल जीता। हम हमेशा आक्रामक हॉकी खेलने की कोशिश करते हैं। हम शुरू से ही दबाव बनाना चाहते थे ताकि हम आगे से हमला कर सकें। यही टूर्नामेंट में हमारी रणनीति थी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों और उनकी कड़ी मेहनत को श्रेय जाता है क्योंकि हमारी टीम का संयोजन इस जीत की कुंजी थी। हॉकी हरियाणा के हेड कोच दिलबाग सिंह ने अपनी भावनाओं को दोहराते हुए कहा कि हमारी टीम हमेशा आक्रामक हॉकी खेलने के लिए जानी जाती है और फाइनल में भी यही योजना थी।

मैंने टीम से खुलकर खेलने और आक्रामक हॉकी पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। हमने पहले ओडिशा का सामना किया था और हम जानते थे कि वे पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में कितने मजबूत हैं। हमारी टीम ने फाइनल में उन्हें रोकने के लिए शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन किया और यही गेमचेंजर था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में पाकिस्तान को मिली 73 रनों से शिकस्त

एजेंसी

नेपियर। मार्क चैपमैन (132) और डैरिल मिचेल (76) के बीच 199 रन की भागीदारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ पहले एक दिवसीय मैच में 73 रनों की बड़ी जीत दर्ज की। मैकलीन पार्क में बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 344 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 44.1 ओवरों में 271 रनों पर आउट हो गई।

न्यूजीलैंड की जीत में बल्लेबाजों का अहम योगदान रहा। शुरुआती तीन विकेट मात्र 50 रन पर गिरने के बाद मेजबान टीम के दवाब में आने की संभावना दिखने लगी थी मगर चैपमैन और मिचेल ने आक्रामक रवैया अख्तियार किया और पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ते हुये मैदान के चारों ओर कई आकर्षक शाट खेले। पारी के 42वें ओवर में इरफान खान की गेंद पर आउट होने से पहले मिचेल चार चौके और इतने ही छक्के लगा चुके थे। दूसरे छोर पर चैपमैन ने पाकिस्तानी गेंदबाजों पर कोई रहम नहीं बरता हालांकि वह भी जल्दी आउट होकर पवेलियन लौट गये। चैपमैन ने अपनी शतकीय पारी में 111 गेंद खेलकर 13 चौके और छह छक्के लगाये। जवाब में बाबर आजम (83 गेंदों पर 78 रन) की शानदार पारी और उस्मान खान (39), अब्दुल्ला शफीक (36), सलमान आगा (58) की बल्लेबाजी के बावजूद पाकिस्तान कीवी टीम के विशालकाय लक्ष्य को पाने में असफल रही।

'रन फॉर राम' मैराथन के तीसरे संस्करण की क्रीड़ा भारती ने साझा की विस्तृत जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। 'रन फॉर राम' मैराथन का तीसरा संस्करण 13 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में आयोजित हो रहा है। क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ने तीसरे संस्करण की विस्तृत जानकारी साझा की। नई दिल्ली स्थित प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि 'रन फॉर राम' सिर्फ एक आयोजन नहीं है यह एक आध्यात्मिक आंदोलन है जो हमारी विरासत को आज की स्वास्थ्य, एकता और उद्देश्य की आवश्यकता से जोड़ता है। यह अयोध्या में सिर्फ एक दौड़ नहीं होगी, बल्कि भक्ति और दृढ़ संकल्प की लहर भी होगी। हम हर व्यक्ति, परिवार और संस्था को इस ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बनने का आमंत्रण देते हैं। क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित इस मैराथन का उद्देश्य भगवान श्रीराम की पवित्र नगरी में एक भव्य आध्यात्मिक दौड़ में आस्था, फिटनेस और भारतीय मूल्यों को एकजुट करना है। मैराथन में 40,000 से अधिक प्रतिभागियों के दौड़ में हिस्सा लेने का लक्ष्य लिया गया है, जिससे यह आयोजन न केवल एक खेल प्रतियोगिता बल्कि भक्ति और संस्कृति का एक बड़ा संगम बनेगा। 2025 संस्करण में 1,00,000 रुपये की आकर्षक पुरस्कार राशि भी होगी, जिसका विवरण जल्द ही श्रेणी-वार अनुभाग में घोषित किया जाएगा। दौड़ में तीन श्रेणियां हैं, जिनमें 21 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर दौड़, 3 किलोमीटर फेमिली और फन रन शामिल हैं। इस आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं और डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट रनफॉरराम डॉट कॉम (www.runforram.com) पर रन फॉर राम 2025 के लिए पंजीकरण खुला है।अयोध्या के विभिन्न स्थलों से गुजरती यह दौड़ हर कदम पर आस्था, ऊर्जा और उद्देश्य के साथ एक भावपूर्ण संदेश देगी। इस बार कार्यक्रम को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए विदेशी दूतावासों, सांस्कृतिक प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय समुदायों को भी आमंत्रित किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्रीड़ा भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय समन्वयक रजत दीक्षित, क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश मंत्री विकास अग्रवाल, टीवाईसी कम्युनिकेशन की फाउंडर डायरेक्टर गीता सिंह, क्रीड़ा भारती दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष भानु सचदेवा और अन्य उपस्थित थे।

स्व. बहादुर सिंह ठाकुर स्मृति में रायगढ़ का पहला आईपीएल टूर्नामेंट आठ अपैल से

रायगढ़। रायगढ़ जिले में पहली बार टेनिस बॉल रात्रि कॉलिन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन इंडियन प्रीमियर लीग होने जा रहा है। यह अनूठा प्रयोग न केवल जिले के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक नया अनुभव लेकर आया है, बल्कि खिलाड़ियों, आयोजकों और दर्शकों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। यह प्रतियोगिता 8 अप्रैल से 13 अप्रैल तक डिग्री कॉलेज लाल मैदान ग्राउंड पर दूधिया रोशनी में खेली जाएगी। लाल मैदान खेल समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत जलक्षत्री (चंदू) ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि उसके साथियों का सपना था कि रायगढ़ में आईपीएल जैसा टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट हो। इस सपने को सच करने के लिए उनके साथी, 120 खिलाड़ी, 8 फ्रेंचाइजी मालिक और स्पॉन्सर्स ने साथ दिया है।

उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। मेजबान उत्तर प्रदेश ने 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में महाराष्ट्र के खिलाफ बेहतर रणनीति के सहारे 13-7 की जीत से फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में उत्तर प्रदेश की टक्कर हिमाचल प्रदेश से होगी जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में राजस्थान को 20-16 से हराया।

दूसरी ओर राजस्थान और महाराष्ट्र ने संयुक्त तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक साझा किया। उत्तर प्रदेश ने आज सेमीफाइनल में महाराष्ट्र के खिलाफ तालमेल भरा खेल दिखाया।उत्तर प्रदेश से सुमन ने चार गोल किए। उनका साथ देते हुए अनन्या ने 3, रेशमा व नैना ने 2-2 जबकि निहारिका व दिया ने एक-एक गोल किए। महाराष्ट्र से प्राजक्ता ने सर्वाधिक चार गोल दागे। इससे पूर्व पहले सेमीफाइनल में हिमाचल प्रदेश ने रोमांचक मुकाबले में महत्वपूर्ण मौको को भुनाते हुए राजस्थान को 20-16 से शिकस्त दी। हिमाचल प्रदेश से प्लेयर ऑफ द मैच जस्सी ने नौ गोल दागे। उनका साथ देते हुए मुस्कान ने 4 जबकि कृतिका व नितिका ने 2-2 गोल किए। राजस्थान की ओर से सीमा व टीना ने 4-4, मनीषा ने 3 व नोरती ने 2 गोल किए। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 30 मार्च को सुबह नौ बजे से खेला जाएगा।

तमीम इकबाल ने शुभचिंतको के प्रति व्यक्त किया आभार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने उन शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया है जिन्होने बीमारी के मुश्किल समय में उनकी सलामती की दुआ की। तमीम को सोमवार को दिल का दौरा पड़ा था जिसके बाद एंजियोप्लास्टी के लिये उन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्होने फेसबुक पर शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। जनवरी 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद तमीम घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखे हुए हैं। वह ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग के मैच में शिनेपुकुर क्रिकेट क्लब के खिलाफ मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब की अगुआई कर रहे थे, जब टॉस के तुरंत बाद उन्हें बेचैनी महसूस हुई। शुरुआती उपचार के लिए उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ गई और सोमवार को उन्हें एंजियोप्लास्टी सर्जरी के लिए ले जाया गया। तमीम को घटना के चार दिन बाद शुक्रवार को छुट्टी दे दी गई और उन्होंने मुश्किल समय में उनके साथ खड़े रहने वाले सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया।अपने फेसबुक पेज पर बांग्ला में पोस्ट किए गए संदेश में तमीम ने कहा, ÷ आप सभी की दुआओं की बदौलत मैं अब घर पर हूं। इन चार दिनों में मैंने अपने आस-पास के माहौल को समझा है

और एक नई ज़िंदगी पाई है। इस अहसास में सिर्फ़ प्यार और कृतज्ञता है। मुझे अपने पूरे करियर में आपका प्यार मिला है। लेकिन अब मैंने इसे और भी ज़्यादा तीव्रता से महसूस किया है। मैं वाकई अभिभूत हूँ। उन्होंने चिकित्सा पेशेवरों, अस्पतालों, सहयोगी कर्मचारियों और उन व्यक्तियों के प्रति भी अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनके ठीक होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें ट्रेनर याकूब चौधरी दलिम का विशेष उल्लेख है, जिनके समय पर सीपीआर को उनके गिरने पर जीवन रक्षक माना गया। तमीम ने कहा हमारे ट्रेनर याकूब चौधरी दलिम भाई को कैसे धन्यवाद दूं, मुझे वास्तव में नहीं पता है। मुझे बाद में पता चला, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने कहा कि अगर दलिम भाई ने उस समय ठीक से सीपीआर नहीं दिया होता, तो मैं बच नहीं पाता। तमीम ने अपने पोस्ट का समापन यह कहते हुए किया, पूरी तरह से ठीक होने का रास्ता अभी भी लंबा है। मुझे और मेरे परिवार को अपनी प्रार्थनाओं में रखें। सभी का जीवन सुंदर और शांतिपूर्ण हो। सभी के लिए प्यार। बांग्लादेश के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक माने जाने वाले तमीम ने सभी प्रारूपों में 387 मैच खेले, जिसमें उन्होने 15 हजार 192 रन बनाए हैं, जिसमें 25 शतक शामिल हैं। वह तीनों प्रारूपों में बांग्लादेश के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं, जो केवल मुशफिकुर रहीम से पीछे हैं।

काश मैं लड़का होती– रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' को खुद करना चाहती थीं

यामी गौतम

देश के सबसे बड़े न्यूज नेटवर्क टीवी9 के ग्लोबल समिट WITT 2025 यानी 'व्हाट इंडिया थिंक टुडे' में बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम ने भी शिरकत की. बैक टू बैक चल रहीं फिल्मों की शूटिंग से समय निकालकर यामी इस खास इवेंट का हिस्सा बनीं. उन्होंने इस महामंच पर अपने पति आदित्य धर की आने वाली फिल्म 'धुरंधर' के बारे में लेटेस्ट अपडेट भी शेयर किया. इस फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल जैसे कई मशहूर एक्टर को कास्ट किया गया है. फिल्म के बार में बातचीत करते हुए यामी ने कहा कि अगर वो लड़का होती, तो शायद इस फिल्म का लीड रोल वो खुद निभातीं.यामी गौतम ने पति आदित्य धर की आने वाली फिल्म 'धुरंधर' के बारे में बातचीत करते हुए कहा कि वैसे तो मुझे इस फिल्म के बारे में बात करने की इजाजत नहीं है. लेकिन उनकी ऑफिशियल परमिशन के बिना, आदित्य की पत्नी के तौर पर मैं इस खास अवसर पर आपको बताना चाहूंगी कि आदित्य एक बड़ी ही शानदार फिल्म बना रहे हैं. दरअसल मैं जब भी आदित्य के बारे में बात करती हूं, मेरे पास शब्द कम पड़ जाते हैं. फिल्मों को लेकर उनका पैशन, उनके परफेक्शन के मायने, कुछ कर–गुजरने का जुनून उन्हें यहां तक लेकर आया है.

'धुरंधर' को लेकर यामी ने शेयर किया बड़ा अपडेट

आगे यामी ने बताया कि जहां तक फिल्म 'धुरंधर' की बात है तो ये एक थ्रिलर फिल्म है. इस में खूब एक्शन है. ये सच्ची घटनाओं से प्रेरित कहानी है. आज के समय में आप इससे कनेक्ट हो पाएंगे. ये स्क्रिप्ट जब मैंने पढ़ी, तब मुझे अपनी राय उनके सामने रखने के लिए बहुत समय लगा, क्योंकि अब तक मैंने ऐसी स्क्रिप्ट पढ़ी ही नहीं थी. लेकिन इस स्क्रिप्ट को पढ़ने के कुछ समय बाद मैंने आदित्य से कहा कि आदित्य काश मैं एक लड़का होती, तो ये किरदार मैं खुद करती. मैं सिर्फ इतना कह सकती हूं कि आदित्य अपनी ऑडियंस का बहुत सम्मान करते हैं और वो मासेस और क्लासेस दोनों के लिए ये फिल्म बना रहे हैं. मुझे यकीन है कि जब भी ये फिल्म रिलीज होगी, इसे पूरी दुनिया देखेंगी.

हो गया कंफर्मज 25 साल बाद साथ काम करेंगे सलमान खान- संजय दत्त, एक्टर ने दे दिया ये स्पॉइलर

साल 2025 का अप्रैल महीना सिनेमा प्रेमियों के लिए काफी खास होने वाला है. इस महीने कई सारी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. बात करें, सलमान खान की तो वो उनकी फिल्म मार्च के आखिर में रिलीज होने वाली है, लेकिन इसका खुमार लोगों पर अप्रैल में भी गजब का दिखने वाला है. इसी के साथ संजय दत्त भी अपनी फिल्म 'द भूतनी' के साथ नजर आने वाले हैं. दोनों के फैंस के लिए खास बात ये है कि अपनी–अपनी फिल्मों के प्रमोशन के दौरान संजय दत्त और सलमान खान ने एक साथ फिल्म करने की बात का खुलासा किया है.संजय दत्त की फिल्म 'द भूतनी' 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली है, आज यानी 29 मार्च को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है. फिल्म के ट्रेलर रिलीज इवेंट के दौरान संजय दत्त ने सलमान खान के साथ फिल्म के बारे में बात की है. हालांकि, इस दौरान एक्टर ने फिल्म से जुड़ा स्पॉइलर भी दिया है, उन्होंने बताया है कि दोनों की फिल्म एक्शन फिल्म होने वाली है, जिसमें दोनों स्टार्स का भाईचारा नहीं, बल्कि लोगों को उनका टशन देखने को मिलने वाला है.

'आप दोनों का टशन देखिए'

संजय दत्त ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि आपने साजन देखी है आपने चल मेरे भाई देखी है, लेकिन अब आप दोनों का टशन देखिए. एक्टर ने आगे कहा कि ये एक एक्शन फिल्म होने वाली है. मैं अपने छोटे भाई के साथ 25 साल बाद फिल्म करने को लेकर काफी एक्साइटेड हूं. इस अपकमिंग फिल्म से पहले संजय दत्त और सलमान खान चल मेरे भाई फिल्म में नजर आए थे. ये फिल्म साल 2000 में रिलीज हुई थी, जिसमें करिश्मा कपूर भी थीं.

सलमान ने भी किया कंफर्म

हालांकि, संजय दत्त से पहले सलमान खान ने भी अपनी फिल्म 'सिकंदर' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान इस फिल्म को लेकर कंफर्मेशन दी थी. एक्टर ने कहा था कि 'सिकंदर' के बाद मैं एक और बड़े एक्शन फिल्म पर काम करने वाला हूं. इस फिल्म में लोगों को अलग लेवल का एक्शन देखने को मिलेगा और ये फिल्म मैं अपने बड़े भाई संजय दत्त के साथ करने वाला हूं. हालांकि फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि ये फिल्म किसी नए डायरेक्टर के डायरेक्शन में बनेगी.

'कोई भी गलती...' ऋतिक रोशन और सुजैन खान ने बेटे के जन्मदिन पर लुटाया प्यार

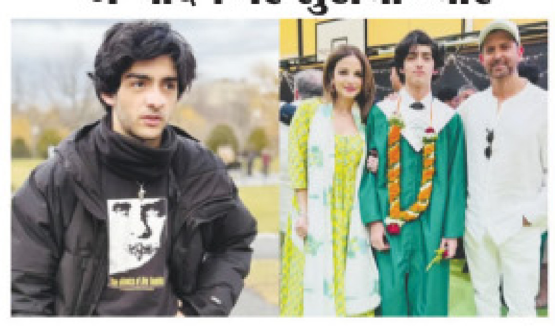

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन ने अपने बेटे रेहान रोशन के बर्थडे के खास मौके पर सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया है. बेटे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए ऋतिक रोशन ने कहा कि वो रेहान से ज्यादा दिलचस्प इंसान से कभी नहीं मिले हैं. ऋतिक ने अपने बेटे को लाइफ की कुछ महत्वपूर्ण सीख भी दी.ऋतिक रोशन ने हाल ही में इंस्टाग्राम हैंडल से बेटे को बर्थडे विश किया है. रेहान के 19वें जन्मदिन के मौके पर ऋतिक ने बेटे की तस्वीर शेयर करते हुए पोस्ट किया है. इस पोस्ट पर ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन खान ने भी कमेंट किया है. इससे पहले सुजैन ने भी रेहान के जन्मिदन पर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया था.

ऋतिक ने बेटे को विश किया बर्थडे

ऋतिक ने रेहान की जो तस्वीर शेयर की है उनमें रेहान खड़े हुए नजर आ रहे हैं. इस तस्वीर के साथ एक्टर ने कैप्शन में लिखा, मैं तुमसे प्यार करता हूं, इसलिए नहीं कि तुम इतने अद्भुत हो, जो कि तुम हर तरह से हो रे (रेहान), बल्कि मैं तुमसे प्यार करता हूं क्योंकि तुम्हारा अस्तित्व है. मैंने अपने जीवन में कई लोगों से मुलाकात की है, लेकिन मैं तुम्हारी तरह दिलचस्प इंसान से कभी नहीं मिला. जैसे–जैसे तुम असली दुनिया में अपने अगले कदम बढ़ाओगे, मेरे बेटे, जान लो कि ऐसा कुछ भी नहीं है जो तुम कभी कर सको, जिससे मैं तुमसे पहले से ज्यादा प्यार कर सकूं. कोई भी सफलता और कोई भी गलती मेरी नजर में तुम्हारी कीमत को कभी कम नहीं कर सकती. इसलिए आगे बढ़ो और पूरी तरह से त्याग, सहजता और सहजता के साथ खुद बने रहो, तुम्हारी गहराई तुम्हें बहुत दूर और ऊंचाई तक ले जाएगी. 19वें जन्मदिन की शुभकामनाएं रेहान.

सुजैन खान ने किया ये कमेंट

रेहान की मां और ऋतिक की एक्स वाइफ ने भी ऋतिक की पोस्ट पर कमेंट किया है. उन्होंने कमेंट में लिखा, बहुत सुन्दर अभिव्यक्ति (बहुत अच्छे से बताना या शेयर करना).इसके अलावा सुजैन ने भी रेहान को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए 19वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थी.

ऋतिक रोशन और सुजैन खान ने साल 2000 में धूमधाम से शादी रचाई थी. शादी के बाद दोनों दो बेटों रेहान और रिदान के पैरेंट्स बने थे. लेकिन साल 2014 में ऋतिक और सुजैन ने तलाक लेकर अपना रिश्ता खत्म कर लिया था.

'मेरा बच्चा कहां गया...' बेटे को याद कर इमोशनल हुई

रूपाली गांगुली

एक्ट्रेस को होता है इस बात का दुख

सीरियल 'अनुपमा' से घर-घर में खास और बड़ी पहचान बना चुकी एक्ट्रेस रूपाली गांगुली ने बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है. हालांकि, उन्हें पहचान टीवी के जरिए ही मिल पाई है. 'अनुपमा' के किरदार में नजर आने वाली रूपाली ने अपने शानदार अभिनय से सीधे फैंस के दिलों को छूआ. लेकिन, इस कश्मकश में एक्ट्रेस अपने बेटे रुद्रांश और पति के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाई और उन्हें इस बात का दुख है.हाल ही में रूपाली अपनी सौतेली बेटी के साथ विवाद को लेकर सुर्खियों में रही थीं. दरअसल, उनकी सौतेली बेटी ईशा वर्मा ने उन पर गंभीर आरोप लगाए थे. इसके बाद एक्ट्रेस ने ईशा पर मानहानि का केस कर दिया था. फिलहाल तो एक्ट्रेस अपने बेटे पर बयान देने को लेकर चर्चाओं में हैं. उनसे हाल ही में पैपराजी ने बेटे को लेकर सवाल किया था. इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं रुद्रांश को बहुत मिस करती हूं. ये बोलते हुए रूपाली इमोशनल हो गई थीं. इस दौरान रूपाली ने अपने पति अश्विन के वर्मा की भी तारीफ की.

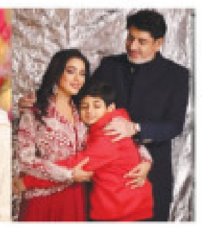

पति को बताया खुद से भी बेहतर

हाल ही में रूपाली गांगुली राजन शाही की इफ्तार पार्टी में पहुंची थीं. तब उनसे पैपराजी ने उनके बेटे और पति को लेकर सवाल किया था. एक्ट्रेस से पूछा गया था कि हस्बैंड और बच्चे को कितना मिस करते हैं आप? इस पर रूपाली ने कहा, बहुत ज्यादा मैं अपने बेटे रुद्रांश को बहुत मिस करती हूं. वो तो माता रानी की कृपा है कि मेरे पति इतने अच्छे हैं कि वह मुझसे भी अच्छी मां है.

बेटे को याद कर इमोशनल हुई रूपाली

आगे टीवी एक्ट्रेस ने कहा, रुद्रांश को कभी कमी महसूस नहीं होती है. ये बात मुझे बहुत खराब लगती है. अगर उसे कभी भी कुछ चाहिए होता है नाजमैं घर में हूं, उसके सामने बैठी हूं तो वो एक गिलास दूध जैसी चीजों के लिए मेरे पति के पास जाता है.

मेरा बच्चा कहां गया ?

काम के सिलसिले में रूपाली को ये भी एहसास नहीं हुआ कि उनका बेटा कब बड़ा हो गया. एक्ट्रेस ने आगे कहा, शायद मैं वो समय चूक गई. लेकिन हमेशा ये ही देखा जाता है कि एक पैरेंट काम करता है और एक घर में रहता है. मेरे हस्बैंड बहुत अच्छे और हैंडसम हैं. मुझे एक खुशी भी है और मां वाला एक मिस भी है. अब वो बड़ा हो गया है. मेरे जितनी हाइट है. मैं देखती हूं मेरा छोटा बेबी कहां गया. मैं उसको गोद में उठाती थीं, अब तो वो मुझे गोद में उठा लें.